THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16+32** **मूल्य : 8 रुपये**

वर्ष-29 अंक : 112 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ शु.8 2081 रविवार,** 14 जुलाई-2024

जम्मू-कश्मीर के एलजी की शक्तियां बढ़ीं

> दिल्ली की तरह ट्रांसफर-पोस्टिंग में मंजूरी जरूरी <

नई दिल्ली/श्रीनगर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) की प्रशासनिक शक्तियां बढ़ा दी हैं। दिल्ली की तरह अब जम्मू-कश्मीर में राज्य सरकार एलजी की मंजूरी के बिना अफसरों की पोस्टिंग और ट्रांसफर नहीं कर सकेगी।

गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 55 के तहत बदले हुए नियमों को नोटिफाई किया है, जिसमें एलजी को ज्यादा ताकत देने वाली धाराएं जोड़ी गई हैं। उपराज्यपाल के पास अब पुलिस, कानून व्यवस्था और ऑल इंडिया सर्विस (एआईएस) से जुड़े मामलों में ज्यादा अधिकार होंगे। न्यूज एजेंसी ने बाद में सूत्रों के हवाले से जानकारी दी कि केंद्र ने सिर्फ व्यापार नियमों के लेनदेन में संशोधन किया गया है। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में बाकी चीजों का जिक्र पहले से ही था। हालांकि, एजेंसी ने गृह

मंत्रालय का जो नोटिफिकेशन जारी किया है, उसमें पहले के प्रावधान और 12 जुलाई को किए गए बदलावों के बीच स्पष्ट अंतर की जानकारी नहीं दी गई है। जम्मू-कश्मीर में इसी साल सितंबर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ताजा फैसले के बाद राज्य में किसी की भी सरकार बने, लेकिन अहम फैसले लेने की शक्तियां एलजी के पास ही रहेंगी।

संशोधित नियमों में दो अहम पॉइंट जोड़े गए...

42ए : पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था, अखिल भारतीय सेवा और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से जुड़े किसी भी प्रस्ताव को तब तक मंजूर या नामंजूर नहीं किया जा सकता, जब तक मुख्य सचिव के जरिए उसे उपराज्यपाल के सामने नहीं रखा जाए। अभी इनसे जुड़े मामलों में वित्त विभाग की सहमति लेना जरूरी है।

42बी : किसी प्रकरण में केस चलाने की मंजूरी देने या ना देने और अपील दायर करने के संबंध में कोई भी प्रस्ताव विधि विभाग मुख्य सचिव के जरिए उपराज्यपाल के सामने रखा जाना जरूरी होगा।

उमर अब्दुल्ला बोले- केंद्र के इस फैसले पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- एक और संकेत है कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव नजदीक हैं। यही कारण है कि जम्मू-कश्मीर के लिए पूर्ण, अविभाजित राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए समय सीमा निर्धारित करने की दृढ़ प्रतिबद्धता इन चुनावों के लिए एक शर्त है।

महाराष्ट्र को दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाएंगे : पीएम मोदी

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार मुंबई पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी 29,400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली अलग-अलग परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास किया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जनता को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, लोग जानते हैं कि एनडीए सरकार ही स्थिरता और स्थायित्व प्रदान कर सकती है। तीसरी बार शपथ लेने के बाद मैंने कहा था कि तीसरे कार्यकाल में एनडीए सरकार तीन गुना तेजी के साथ काम करेगी। पीएम मोदी ने आगे कहा, महाराष्ट्र के पास गौरवशाली इतिहास है। महाराष्ट्र के पास सशक्त वर्तमान है और महाराष्ट्र के पास समृद्ध भविष्य का सपना है। महाराष्ट्र वह राज्य है, जिसकी विकसित भारत के निर्माण में बहुत बड़ी भूमिका है। महाराष्ट्र के पास उद्योग, कृषि और आर्थिक क्षेत्रों की ताकत है।

स्मृति के बहाने राहुल ने भाजपा को भी बताई उसकी मर्यादा

हूटिंग को सधे अंदाज में साध रहे नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राहुल गांधी अमेठी से चुनाव हार चुकी पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की ढाल बनकर आए हैं। उन्होंने विपक्ष के नेताओं को मर्यादा की याद दिलाकर स्मृति ईरानी के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी न करने की अपील की है। मर्यादा से भरी राजनीतिक टिप्पणी राहुल गांधी की इस टिप्पणी को काफी अहम माना जा रहा है।

तृणमूल कांग्रेस की एक नेता ने कहा कि पिछले दस साल से राहुल गांधी जब भी सदन में खड़े होते थे, भाजपा के सांसद खूब तंज, व्यंग, हूटिंग करते थे। दरअसल, राहुल गांधी के लक्ष्य में केवल स्मृति ईरानी नहीं हैं, बल्कि वह सभी भाजपा के सांसद हैं जो सदन में मोदी-मोदी के नारे लगाते रहे हैं और नेता प्रतिपक्ष की हूंटिग करते रहे हैं। अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि हम सार्वजनिक जीवन में हैं। हमें मर्यादा में रहना चाहिए और मर्यादित टिप्पणी करनी चाहिए। हालांकि, राहुल गांधी की नेताओं को इस सलाह पर भाजपा नेता अमित मालवीय ने ट्विटर पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

गृह मंत्री ने गांवों से पलायन रोकने पर दिया जोर

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को नई दिल्ली में 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने सीमावर्ती गांवों से पलायन रोकने के लिए स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और कनेक्टिविटी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। वाइब्रेंट विलेज योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा बैठक नई दिल्ली में हुई, जिसकी अध्यक्षता गृह मंत्री अमित शाह ने की। पलायन रोकने के लिए स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और कनेक्टिविटी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

AGRASEN BANK ELECTION 2024

अग्रसेन बैंक चुनाव 2024

HUMBLE REQUEST

PLS CASTE 12 VOTES ONLY PLS CASTE

To All The Distinguished Share Holders please elect the Dedicated Team of FOUNDERS PANEL as Directors of Agrasen Bank under the Dynamic Visionary Leadership of PRAMOD KUMAR KEDIA

गोपालचंद अग्रवाल
GOPAL CHAND AGARWAL
Vijay Anand Group, Director : Agrasen Bank
President: Agrasen Bhawan
1 ALMIRAH

महेश कुमार अग्रवाल (Adv.)
MAHESH KUMAR AGARWAL (Adv.)
Director: Agrasen Bank
8 CUP SAUCER

नरसिंग दास
NARSING DAS
White House-Begumpet
Director: Agrasen Bank
2 BAT

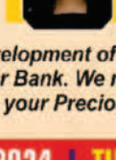

मोहन अग्रवाल
MOHAN AGARWAL
Chairman: Dhanlaxmi Steels
Sr. Vice President: Agarwal Siksha Samiti
Director: Agrasen Bank
9 DIESEL PUMP

नवीन कुमार अग्रवाल (CA)
NAVEEN KUMAR AGARWAL (CA)
Hon. Secretary: Agarwal Siksha Samiti
Vice Chairman : Agrasen Bank
3 Battery Torch

राजेश कुमार अग्रवाल
RAJESH KUMAR AGARWAL
Managing Trustee : Agarwal Samaj Sahayta Trust
Director: Agrasen Bank
10 FROCK

नारायण दत्त (गुप्ता)
NARAYAN DUTT (GUPTA)
Gupta Electricals, Director : Agrasen Bank
President & Founder: Sri Saat Yuva Samiti
4 BRUSH

विजय कुमार पित्ती
VIJAY KUMAR PITTI
Veejay Poly Flims Ltd.
Director: Agrasen Bank
12 Gas Cylinder

प्रमोद कुमार केडिया (Adv.)
PRAMOD KUMAR KEDIA (Adv.)
Chairman: Agrasen Bank
President: Agarwal Siksha Samiti
V-President: Telangana Co. Op. Urban Bank Federation
5 BUCKET

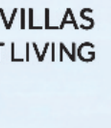

सुरेश कुमार अग्रवाल
SURESH KUMAR AGARWAL
Director: Agrasen Bank
President: Oil Millers Association
Secretary: Sri Krishna Gow Seva Mandal
13 Gas Stove

WOMEN CATEGORY / महिला वर्ग

पंकज कुमार अग्रवाल
PANKAJ KUMAR AGARWAL
Chartered Accountant
6 COCONUT

अपूर्वा अग्रवाल
APOORVA AGARWAL
Director: Agrasen Bank

Elected Unopposed

बजरंग प्रसाद गुप्ता
BAJRANG PRASAD GUPTA
Pavan Silk Mills
Trustee : Agarwal Siksha Samiti
7 COT

अंजु केडिया
ANJU KEDIA
Director: Agrasen Bank

The Team is well balanced & committed for the overall development of the Bank. All members have vast experience, resource & other requisites for the Growth of our Bank. We request our esteemed Shareholders to extend whole hearted support by casting your Precious vote to our Founders Panel.

PLS CASTE 12 VOTES ONLY PLS CASTE

POLLING DATE : SUNDAY, 14 JULY 2024 | TIMINGS : 8.00 AM TO 3.00 PM
VENUE : EXHIBITION GROUNDS, Nampally, Hyderabad.

MEENAKSHI

PLEASE CAST TOTAL 12 NO. OF VOTES. THE BALLOT PAPER WILL BE INVALID IF VOTED MORE THAN 12.
NOTE : PLEASE CARRY PHOTO IDENTITY CARD (AADHAR / PAN / VOTER ID / DRIVING LICENCE / PASSPORT ETC)

SANGHI CITY

PRESENTS 4BHK VILLAS SMART LIVING AMBHUJA

PEACE OF MIND = TRUE HAPPINESS

LIVE IN THE LAP OF Nature

4 BHK VILLA RESIDENCES

@ ORR EXIT 11

STARTING FROM ₹ 2.97 CRORES

TOTAL AREA 55 ACRES

TOTAL UNITS 516

300 SQ. YARDS UNITS 171

222 SQ. YARDS UNITS 255

8919 859 100 hello@sanghicity.com sanghicity.com

उपचुनाव 2024 : हिमाचल में मजबूत हुई सुक्खू की साख

उत्तराखंड में खाली रहे धामी के हाथ... रुपौली में जेडीयू-आरजेडी दोनों को शिकस्त

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। 7 राज्यों की 13 विधानसभा सीटों के उपचुनाव के नतीजे घोषित हो गए हैं जिनमें कांग्रेस और टीएमसी ने 4-4 सीटें जीती हैं. जबकि बीजेपी 2 सीटों पर जीत हासिल कर सकी. जालंधर सीट आम आदमी पार्टी जीत चुकी है. पश्चिम बंगाल में सभी चार सीटों पर टीएमसी ने कब्जा जमा लिया है. वहीं हिमाचल प्रदेश में मुकाबला 2-1 का रहा है, जहां 2 सीटों पर सत्ताधारी कांग्रेस जीती और एक पर बीजेपी ने जीत हासिल की. हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुक्खू की पत्नी कमलेश ठाकुर ने कड़े मुकाबले में देहरा सीट से बीजेपी उम्मीदवार को 9399 मतों से हरा दिया.

बद्रीनाथ से कांग्रेस के लखपत सिंह बुटोला, रुपौली से निर्दलीय शंकर सिंह, देहरा से कांग्रेस की कमलेश ठाकुर और जालंधर वेस्ट से आप के मोहिंदर भगत ने चुनाव जीता है।

इस चुनाव में कौन सी पार्टी किस राज्य में चुनाव जीती है-

उत्तराखंड-उत्तराखंड में मंगलौर और बद्रीनाथ सीट पर उपचुनाव हुआ था. इन सीटों पर पहले कांग्रेस और बसपा का कब्जा था और बीजेपी के सामने थी सीट को हथियाने की चुनौती, जिसमें वह सफल नहीं हो सकी. बद्रीनाथ सीट पर कांग्रेस के लखपत सिंह बुटोला ने करीब 5 हजार से अधिक वोटों से बीजेपी के राजेंद्र भंडारी को शिकस्त दी. राजेंद्र भंडारी ही पहले यहां से विधायक थे लेकिन बाद में वह बीजेपी में शामिल हो गए थे.

हिमाचल प्रदेश-हिमाचल प्रदेश की तीन सीटों में से 2 सीटों पर कांग्रेस ने जीत हासिल की है. देहरा सीट से सीएम सुक्खू की पत्नी 9399 वोटों से चुनाव जीतीं तो वहीं नालागढ़ सीट से कांग्रेस के हरदीप सिंह बावा ने बीजेपी के के. एल. ठाकुर को करीब 9 हजार वोटों से हराया. हमीरपुर में बीजेपी के आशीष शर्मा ने कांग्रेस के पुष्पेंद्र वर्मा को कड़े मुकाबले में 1571 वोटों से हराया. पहले ये तीनों सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों के पास थी.

पश्चिम बंगाल-राज्य की चार विधानसभा सीटों पर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस ने क्लीन स्वीप किया है. रायगंज, बागदा, राणाघाट और मानिकतला सीट पर टीएमसी उम्मीदवारों ने शानदार जीत हासिल की है. रायगंज सीट से टीएमसी प्रत्याशी कृष्णा कल्याणी ने बीजेपी उम्मीदवार मानस कुमार घोष को 49 हजार वोटों से ज्यादा के अंतर से शिकस्त दी. वहीं बागदा सीट पर टीएमसी की उम्मीदवार मधुपर्णा ठाकुर ने 33455 वोटों से जीत हासिल की. इसके अलावा राणाघाट से टीएमसी के मुकुट मणि ने बीजेपी के मनोज कुमार बिस्वास को करीब 39 हजार वोटों से हराया. मानिकतला सीट पर टीएमसी की सुप्ती पांडे ने बीजेपी के कल्याण चौबे को 41406 वोटों से हराया.

पंजाब-जालंधर पश्चिम सीट से आम आदमी पार्टी के मोहिंदर भगत ने बीजेपी के शीतल अंगुरल को करीब 37 हजार वोटों से हराया. पहले यह सीट आम आदमी पार्टी के पास ही थी और शीतल ही यहां से विधायक थे लेकिन बाद में वह बीजेपी में शामिल हो गए जिसके बाद यहां उपचुनाव हुआ.

बिहार-बिहार की रुपौली सीट पर बड़ा उलटफेर हुआ है यहां निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने जेडीयू और आरजेडी जैसे दलों को पीछे छोड़ते हुए जीत हासिल कर ली है. जेडीयू के कलाधर मंडल दूसरे नंबर पर रहे जबकि इस सीट से विधायक रही बीमा भारती तीसरे नंबर पर रहीं. बीमा भारती के जेडीयू में शामिल होने की वजह से यहां सीट रिक्त हुई थी. बीमा भारती ने लोकसभा का चुनाव भी लड़ा था लेकिन वहां भी वह तीसरे नंबर पर रहीं.

तमिलनाडु- तमिलनाडु की विकरावंडी सीट पर सत्ताधारी डीएमके ने जीत हासिल की है. डीएमके के अन्नियुर शिवा @ शिवाशनमुगम. ए ने पट्टाली मक्कल काची पार्टी (पीएमके) के अन्बुमणि. सी को 50 हजार से अधिक वोटों से हराया.

मध्य प्रदेश- मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा सीट पर भी रिजल्ट सामने आ गया है. मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा सीट पर मतगणना में सामने आया है कि, बीजेपी से कमलेश शाह 3252 वोटों से जीत गए हैं तो वहीं कांग्रेस से धीरन शाह की हार हो गई है. 2023 के विधानसभा चुनाव में अमरवाड़ा सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी, लेकिन कमलेश प्रताप बाद में बीजेपी में शामिल हो गए जिसके बाद यह सीट खाली हो गई।

रोचक खबरें

यहां पर डोनेशन या पैरवी नहीं...भिक्षा मांगने के बाद मिलता है एडमिशन

निभानी पड़ती है ये सनातनी परंपरा

सनातन धर्म में आदिकाल से 16 संस्कार करने के बाद विद्यार्थियों को गुरुकुल में प्रवेश देने की परंपरा रही है. वर्तमान में इन परंपराओं पर अस्तित्व बचाने का संकट आ गया है. लेकिन कुछ जगहों पर यह सब आज भी इन संस्कारों का निर्वहन किया जा रहा हैं. बुंदेलखंड के सागर जिले में श्री गणेश संस्कृत महाविद्यालय में भी प्रवेश लेने वाले बटुकों का मुंडन उपनयन दीक्षा संस्कार किया गया. एक समय वह आया जब इन बच्चों को उनके माता-पिता से ही भिक्षा मांगनी पड़ी. ऐसे ही पलों को देखकर हर कोई भावुक हो गया और उनकी आंखों से आंसू झलक पड़े. किसी संन्यासी की तरह हाथों में धर्म ध्वजा थामे हुए यह बच्चे धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे. अपने अभिभावकों के सामने ही दान पात्र को फैला कर भिक्षा मांग कर संस्कार को निभा रहे थे. बता दें कि गढ़ाकोटा श्री गणेश संस्कृत महाविद्यालय में नए सत्र में 100 बटुकों का एडमिशन हुआ है. जो संस्कृत की शिक्षा दीक्षा लेकर धर्म के प्रति निपुण होंगे. सागर के 101 बटुक ब्राह्मणों की शिक्षा दीक्षा उपनयन संस्कार किए गए हैं. इसके बाद अब इनको वेद पुराण का अध्ययन कराया जाएगा.

निशुल्क संस्कृत विद्यालय संचालित

दरअसल, गढ़ाकोटा के पीपलघाट पर स्थित श्री गणेश संस्कृत विद्यालय हैं. मध्य प्रदेश के सीनियर विधायक गोपाल भार्गव पिछले कई सालों से पूरी तरह से निशुल्क संचालित कर रहे हैं. ताकि धर्म का प्रचार प्रसार हो. श्री गणेश संस्कृत विद्यालय में पढ़ने वाले बटुक ब्राह्मणों का दीक्षा समारोह जगदीश शाला मंदिर पटेरिया में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में चारों ओर मंत्रों की गूंज करतल ध्वनि से स्वागत किया जा रहा था.

सूर्य का चक्कर नहीं लगा रही है पृथ्वी नासा ने बताई अजीब सी सच्चाई

स्कूल के दिनों से ही हमें पढ़ाया जाता रहा है कि पृथ्वी सूर्य का च क्क र लगाती है, जि स के कारण दिन-रात का होते हैं. पर अगर हम वैज्ञानिकों के नज़रिए से समझने की कोशिश करें, तो असल में हमारी पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगा ही नहीं रही है. ऐसा क्यों है या इसमें कितना सच है यह बात नासा ने समझाई है. नासा के मुताबिक सौरमंडल में पृथ्वी की मौजूदा गति को समझने की कोशिश करें, तो हम पाएंगे कि हमारा ग्रह इस समय सूर्य का चक्कर नहीं लगा रहा है. सौरमंडल में सूर्य सबसे बड़ा पिंड है और इसका भार बृहस्पति से 1,048 गुना ज्यादा है. जबकि किसी खोगलीय वस्तु पर पृथ्वी का लगने वाले गुरुत्व बल का खिंचाव समान या कम ही लगा माना जाता है.

नासा ने बताया, "केप्लर का तीसरा नियम एक दूसरे के चारों ओर घूमने वाली दो वस्तुओं के भार और कक्षा के बीच संबंध को बताता है. सोचिए कि "एक बड़े तारे की कक्षा में एक छोटे तारा एक बड़े तारे के चारों ओर चक्कर लगा रहा हो. दोनों तारे वास्तव में भार के एक सामान्य केंद्र के चारों ओर घूमते हैं, जिसे बैरीसेंटर कहा जाता है. यह सत्य है, चाहे प्रत्येक वस्तु का आकार या भार कुछ भी हो. इसलिए, पृथ्वी एक बैरीसेंटर की परिक्रमा करती है, न कि सूर्य की. आम तौर पर, सौर मंडल में पिंडों का बैरीसेंटर सूर्य के पास होता है. जबकि खुद के भार और गुरु और शनि जैसे दिग्गज ग्रहों और कक्षाओं के प्रभाव के कारण, यह शायद ही कभी सूर्य के अंदर होता है. यही वजह है कि वर्तमान में, बैरीसेंटर सूर्य के बाहर है और उसके अंदर नहीं है और इसलिए, पृथ्वी वर्तमान में इसकी परिक्रमा नहीं कर रही है. इसलिए, पृथ्वी अंतरिक्ष में एक बिंदु के चारों ओर घूम रहा है, न कि सूर्य के. ग्रहीय खगोलशास्त्री और विज्ञान संचारक जेम्स ओ'डोनोग्यू का कहना है कि ग्रह सामान्य शब्दों में तो सूर्य का ही चक्कर लगाते हैं. पर तकनीकी तौर पर भारी गुरु ग्रह का असर आने से ग्रहों को अंतरिक्ष में एक नए बिंदु का चक्कर लगाना चाहिए. वैज्ञानिक केवल इसी बात को सटीक और वास्तविक तौर पर समझाने की कोशिश कर रहे हैं.

92 साल की दादी ने किया धमाल, नर्सिंग होम से भागने के लिए 2 मीटर का गेट चढ़ कर किया पार

एक 92 साल की महिला से आप किसी तरह के शारीरिक कामों की उम्मीद कर सकते हैं? क्या वह दौड़ सकती है, क्या वह छलांग लगा सकती है? शायद नहीं! पर अगर आपसे पूछा जाए कि वह दो मीटर ऊंचे गेट पर चढ़ कर उसे पार कर सकती है क्या? तो क्या आप तब भी नहीं ही कहेंगे? लेकिन ऐसा हुआ है. सोशल मीडिया पर एक 92 साल की महिला का ऐसा करने वाला वीडियो वायरल हो रहा है. पूर्वी चीन में 92 साल की इस महिला का वीडियो सोशल मीडिया साइट वेइबो पर धूम मचा रहा है. जब उसका नर्सिंग होम से भागने के लिए 2 मीटर से भी ऊंचा गेट चढ़ने का वीडियो वायरल हो गया है. इसे 1.25 मिलियन से ज्यादा बार देखा गया है. इसमें वह केवल 24 सेकंड में गेट पर कुशलता से चढ़ती और घूमती है. 1.6 मीटर लंबी यह महिला, जिसे व्यायाम और चढ़ाई में गहरी दिलचस्पी है, कथित तौर पर गंभीर अल्जाइमर रोग से पीड़ित है. फिर भी उसका इस तरह से गेट पार करना लोगों को हैरान ही कर रहा है. शेडोंग प्रांत के नर्सिंग होम के कर्मचारियों ने उसे जल्दी ही आसपास की जगह पर खोजने में सफलता हासिल कर ली थी. उसकी फुर्तीली चालें उसकी उम्र को झुठलाती हुई दिख रही थीं, जिससे चीनी नेटिज़न्स ने उसकी एथलेटिक क्षमता पर पूरी तरह से हैरानी जाहिर की. एक यूजर ने कहा, "उसकी उम्र में, चढ़ाई करते समय गिरना जानलेवा हो सकता है." वहीं अन्य लोग उसकी सहनशक्ति और चपलता से प्रभावित हुए और अपनी खुद की शक्ति या इसकी कमी के बारे में मजाक उड़ाया.

पैरोडी अकाउंट से ओम बिरला की बेटी पर किया गया फर्जी पोस्ट

यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ मुकदमा

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की बेटी को लेकर पैरोडी अकाउंट से एक्स पर फर्जी पोस्ट किया गया। मामले में महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। महाराष्ट्र के साइबर क्राइम विभाग के मुताबिक एक्स पर बने अकाउंट @dhruvrahtee से पोस्ट किया गया कि ओम बिरला की बेटी अंजलि बिरला ने बिना परीक्षा दिए लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) क्लियर कर लिया। मामले में बिरला के एक रिश्तेदार ने भारतीय न्याय संहिता के तहत मानहानि, अपमान करने, गलत बयानबाजी पर आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया। एक्स पर बने अकाउंट के बायो में लिखा था कि यह प्रशंसक द्वारा बनाया गया पैरोडी अकाउंट है। जिसका ध्रुव राठी के आधिकारिक अकाउंट से कोई संबंध नहीं है। पैरोडी अकाउंट से फेक मेसेज पोस्ट किए जाने और ध्रुव राठी से कोई संबंध न होने के मामले में पुलिस अफसरों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

एनडीए सरकार अस्थिर, कार्यकाल पूरा करना मुश्किल : ममता

संविधान हत्या दिवस को लेकर कहा-सबसे ज्यादा इमरजेंसी मोदी सरकार ने लगाई

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा-नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी, क्योंकि यह सरकार स्थिर नहीं है। जब उनसे ऐसा कहने की वजह पूछी गई, तो उन्होंने कहा कि खेला शुरू हो गया है। यह जारी रहेगा।

ममता ने यह बात शुक्रवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे से उनके आवास मातोश्री में मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वे ठाकरे के लिए प्रचार करेंगीं। शिवसेना (यूबीटी) और तृणमूल कांग्रेस इंडिया ब्लॉक में साझेदार हैं। यह लोकसभा चुनावों के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली बैठक थी। बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की शादी में

शामिल होने मुंबई पहुंचीं ममता ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार से भी मुलाकात की। ये मुलाकात दक्षिण मुंबई स्थित पवार के निवास 'सिल्वर ओक' पर हुई।

ठाकरे बोले- ये राजनीतिक नहीं, पारिवारिक मुलाकात

हालांकि ठाकरे ने ममता के साथ बैठक को राजनीतिक की बजाय पारिवारिक मुलाकात बताया। ठाकरे ने पत्रकारों से कहा, हमारे बीच भाई-बहन का रिश्ता है। वह पहले भी मेरे घर आ चुकी हैं। यह एक पारिवारिक मुलाकात थी। कृपया इसे राजनीति से न जोड़ें। अगर मुझे कुछ कहना है, तो मैं खुलकर कहता हूं। मुझे डर नहीं है। ममता ने यह भी कहा कि शिंदे गुट द्वारा ठाकरे गुट से शिवसेना नाम और प्रतीक लेना पूरी तरह से अनैतिक था, लेकिन पार्टी ने बाघ की तरह लड़ाई लड़ी। दरअसल, शिवसेना जून 2022 में विभाजित हुई थी और पार्टी का नाम और 'धनुष और तीर' प्रतीक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को दे दिया गया।

ममता ने कहा-हम आपातकाल का समर्थन नहीं करते

बनर्जी ने 25 जून को आपातकाल की घोषणा के दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने की केंद्र की घोषणा पर भाजपा पर हमला किया। उन्होंने कहा, हम आपातकाल का समर्थन नहीं करते... (लेकिन) सुधार अपने घर से शुरू होता है। ममता ने कहा कि मोदी के कार्यकाल में सबसे ज्यादा आपातकाल लगाया जा रहा है। वे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) को बदलकर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लाए हैं।

ट्रेनी अफसर पूजा खेडकर के पेरेंट्स समेत 7 पर एफआईआर

मां पिस्तौल लेकर किसानों को धमका रही थीं

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे की ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर एक नए मामले को लेकर सुर्खियों में हैं। यह मामला उनकी मां से जुड़ा है। एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उनकी मां मनोरमा पिस्तौल से किसानों को धमकाती हुई नजर आ रही हैं। घटना पुणे के मुलशी तालुका के धडावली गांव की है, जहां पूजा के पिता दिलीप खेडकर ने जमीन खरीदी है। मामले को लेकर शनिवार सुबह पूजा की मां मनोरमा और पिता दिलीप समेत 7 लोगों के खिलाफ पौड पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया एफआईआर आईपीसी की धारा 323, 504, 506 के तहत दर्ज की गई है। साथ ही आर्म्स एक्ट के चार्ज भी शामिल किए गए हैं। दिलीप महाराष्ट्र सरकार के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। स्थानीय लोगों का दावा था कि खेडकर परिवार ने बाउंसर की मदद से पड़ोसी किसानों की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की और किसानों को धमकाया। किसान कुलदीप पासलकर ने दावा किया कि मनोरमा जबरदस्ती उनकी जमीन हड़पने की कोशिश कर रही हैं।

हालांकि, पुणे पुलिस के सुपरिंटेंडेंट पंकज देशमुख ने शुक्रवार रात को बताया कि यह घटना पिछले साल 5 जून धडावली गांव में हुई थी। तब किसानों की तरफ से शिकायत दर्ज की गई थी, लेकिन, शिकायत में पिस्तौल का जिक्र नहीं था। मामले को लेकर पुणे पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि हम जांच कर रहे हैं कि मनोरमा के पास पिस्तौल का लाइसेंस है या नहीं।

खेडकर परिवार का दावा-किसानों ने उनकी जमीन पर कब्जा किया

खेडकर परिवार ने पुणे के मुलशी तहसील में 25 एकड़ जमीन खरीदी थी। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि इसका एक हिस्से पर किसानों ने कब्जा कर लिया था। इसके चलते मनोरमा अपने सिक्योरिटी गार्ड्स के साथ वहां पहुंचीं और किसानों को पिस्तौल दिखाकर धमकाया। वीडियो में सुना जा सकता है कि वह कह रही हैं कि जमीन उनके नाम पर है।

करोड़ों की संपत्ति की मालकिन हैं पूजा

34 साल की पूजा खेडकर यूपीएससी सिलेक्शन में गड़बड़ी के अलावा करोड़ों की संपत्ति को लेकर भी सुर्खियों में हैं। पूजा खेडकर करीब 17-22 करोड़ की प्रॉपर्टी की मालकिन हैं। पूजा ने साल 2023 में जॉइनिंग से पहले सरकार को दिए अपनी अचल संपत्ति के ब्योरे में बताया कि उन्होंने 2015 में पुणे के म्हालुंगे में 2 प्लॉट खरीदे। इसमें उन्होंने एक प्लॉट 42 लाख 25 हजार रुपए और दूसरा प्लॉट 43 लाख 50 हजार रुपए में खरीदा। अभी दोनों प्लॉट की मार्केट वैल्यू 6 से 8 करोड़ रुपए के बीच है। पूजा ने 2018 में पुणे के धनेरी इलाके में 20 लाख 79 हजार रुपए में 4.74 हेक्टेयर जमीन खरीदी। इसकी मौजूदा कीमत 3 से 4 करोड़ रुपए है।

कौन हैं पूजा खेडकर?

पूजा खेडकर 2023 बैच की IAS अधिकारी हैं। UPSC परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक (AIR) 841 हासिल की। उनके पिता दिलीप खेडकर भी एक रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारी हैं।

पूजा को परमानेंट नियुक्ति से पहले एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए पुणे डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ऑफिस में बतौर असिस्टेंट कलेक्टर तैनात किया गया था।

मुंबई होर्डिंग हादसे के मामले में आरोपपत्र दाखिल चार गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के घाटकोपर इलाके में हुए होर्डिंग हादसे आज दो महीने पूरे हो चुके हैं। अपराध शाखा के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शनिवार को अदालत में 3,299 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया। आरोपपत्र में चार गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपपत्र के मुताबिक, राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अधिकारियों की भूमिका का पता लगाने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 173 (8) के तहत जांच जारी रहेगी। आरोपपत्र में बीएमसी के दो अधिकारियों और छह अधिकारियों के भी बयान शामिल हैं। इस साल 13 मई को घाटकोपर पूर्व में तूफान की वजह से एक विज्ञापन होर्डिंग गिर गया था। इस हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 84 अन्य घायल हो गए थे। इस होर्डिंग को जीआरपी की जमीन पर अवैध रूप से लगाया गया था।

ट्रक-बस भिड़े तीन की जान गई

मयूरभंज, 13 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा में तीर्थयात्रियों से भरी बस और ट्रक में टक्कर हो गई। जिससे तीन लोगों की मौत हुई और 14 लोग घायल हैं। पुलिस ने बताया कि ओडिशा के मयूरभंज जिले में लगभग सुबह 5:30 बजे एक बस को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। बस में लगभग 20 तीर्थयात्री सवार थे। जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना बेतानती पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत बुदिखमारी स्क्वायर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 18 पर हुई। बस हैदराबाद से गया जा रही थी। अधिकारी ने बताया, मृतकों में से एक की पहचान हैदराबाद के चारमीनार इलाके के बस चालक उदय सिंह के रूप में हुई है। वहीं घायल यात्रियों को बारीपदा के पंडित रघुनाथ मुर्मू मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया।

ओडिशा गवर्नर के बेटे पर कर्मचारी से मारपीट का आरोप

राजभवन के ऑफिसर की शिकायत- स्टेशन लेने कार नहीं भेजी तो लात-घूंसों से पीटा

पुरी, 13 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के राजभवन में एक कर्मचारी ने राज्यपाल रघुबर दास के बेटे ललित कुमार और उसके साथियों पर मारपीट के आरोप में शिकायत दर्ज कराई है। कर्मचारी का आरोप है कि उसने ललित को स्टेशन लेने के लिए कार नहीं भेजी थी। इससे नाराज ललित ने अपने साथियों के साथ मिलकर राजभवन में उनकी लात-घूंसों से पिटाई कर दी।

शिकायतकर्ता बैकुंठ प्रधान ने 10 जुलाई को राज्यपाल के प्रिंसिपल सेक्रेटरी को लिखित शिकायत सौंपी। उन्होंने कहा- वे ओडिशा राजभवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे की तैयारी की निगरानी में जुटे थे। 7 जुलाई की रात करीब 12 बजे वह अपने ऑफिस में काम

कर रहे थे। तब राज्यपाल का निजी रसोइया आया और उसने ललित से मिलने के लिए कहा। पीड़ित ने बताया कि जैसे ही मैं ललित के पास पहुंचा उन्होंने मुझे गालियां देना शुरू कर दिया। जब मैंने इसका विरोध किया तो उन्होंने मुझे थप्पड़ मारे। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने भागकर छिपने की कोशिश भी की। लेकिन सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें ढूंढ लिया। इसके बाद उन्हें एक कमरे में ले जाया गया जहां ललित ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनकी पिटाई की।

पुलिस ने शिकायत दर्ज नहीं की, मेल करके घटना की जानकारी दी 12 जुलाई (शुक्रवार) को पीड़ित की पत्नी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वे 11 जुलाई को पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने गईं थीं। लेकिन उनकी शिकायत स्वीकार नहीं की गई। बाद में पुलिस को मेल करके घटना की जानकारी दी गई। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक ललित इस बात से नाराज थे कि प्रधान उन्हें पुरी स्टेशन से लाने के लिए गाड़ियां नहीं भेजी थीं।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि मारपीट के दौरान प्रधान से जूते चाटने को भी कहा गया। 11 जुलाई को पुलिस ने शिकायत के बाद मेडिकल जांच के लिए प्रधान को पुरी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सुविचार: सफल होना चाहते हैं तो गलतियों से सीख लें। गलतियों से मिली सीख के आधार पर काम करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।

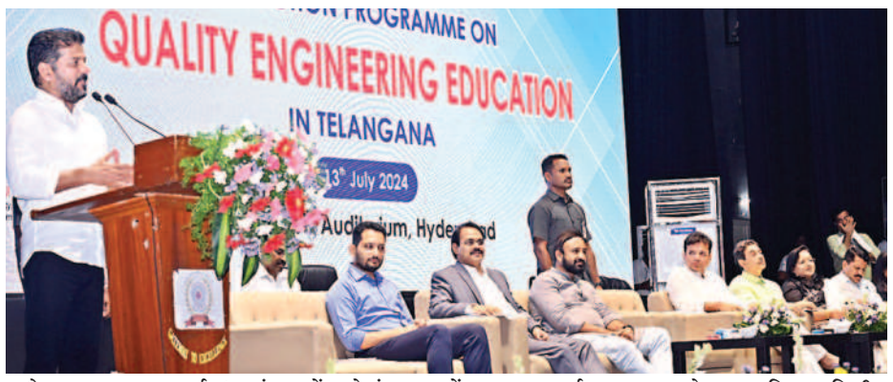

इंजीनियरिंग कॉलेजों को बेरोजगार युवाओं को पैदा करने का कारखाना नहीं बनना चाहिए : सीएम

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्रबंधन को सलाह दी कि उनके संस्थान बेरोजगार युवाओं को पैदा करने का कारखाना नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि कॉलेजों को रोजगार उपलब्ध कराने और देश का भविष्य बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए और कहा कि राज्य सरकार संस्थानों को हर संभव मदद देने के लिए तैयार है। शनिवार को यहां जेएनटीयू परिसर में तेलंगाना में गुणवत्तापूर्ण इंजीनियरिंग शिक्षा पर आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि इंजीनियरिंग कॉलेजों को केवल रोजगार पैदा करने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि देश के लिए बुद्धिजीवियों को भी तैयार करना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा, कंप्यूटर विज्ञान के अलावा कॉलेजों को सिविल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग जैसे सभी प्रकार के पाठ्यक्रमों को भी बढ़ावा देना चाहिए। वित्तीय बाधाओं और अन्य समस्याओं का सामना करने के बावजूद, राज्य सरकार हर मुद्दे को संबोधित करके आगे बढ़ रही है। फीस प्रतिपूर्ति निधि जारी करने के बारे में चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार ने फीस प्रतिपूर्ति के कार्यान्वयन में तीन आयामी रणनीति अपनाई है और वह इस शैक्षणिक वर्ष से फीस प्रतिपूर्ति के समय पर भुगतान में सभी प्रयास करेगी।

बोनालु को भव्य तरीके से मनाया जाएगा : तलसानी श्रीनिवास

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने आज कहा कि सिकंदराबाद में बोनालु का उत्सव भव्य तरीके से मनाया जाएगा। विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ उन्होंने सिकंदराबाद में उज्जैनी महाकाली मंदिर के परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने इस महीने की 21 तारीख को आयोजित होने वाले बोनालु उत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर तलसानी ने कहा कि सिकंदराबाद में बोनालु उत्सव के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से कई लाख भक्त देवी महाकाली के दर्शन करने आते हैं। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि भक्तों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि 22 जुलाई को रंगम (भविष्यवाणी) और अंबारी पर देवी अम्मावरु की शोभायात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने सुझाव दिया कि देवी के दर्शन के दौरान कतारों के लिए मजबूत बैरिकेड्स लगाए जाने चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, उनके पार्टी नेता केसीआर ने मुख्यमंत्री के रूप में, बोनालु को एक राज्य उत्सव घोषित किया था और इसे भव्य तरीके से मनाया था। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को बोनालु उत्सव के दौरान भक्तों की सेवा करने वाले स्वयंसेवकों को तस्वीरों के साथ विशेष पास जारी करने के लिए कहा। उन्होंने कानून और व्यवस्था की स्थिति की निगरानी के लिए अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की नियुक्ति के साथ-साथ सीसी कैमरे लगाने के लिए कदम उठाने का भी निर्देश दिया।

एनएचएआई का बिजली बिल माफ

तेलंगाना सरकार सहमत ❋ 65 करोड़ रुपये के भुगतान का था मामला

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए, राज्य सरकार ने राजमार्गों के किनारे से गुजरने वाली हाईटेंशन लाइनों को स्थानांतरित करने के दौरान बिजली बंद करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से वसूले जा रहे बिजली बंद करने के शुल्क को माफ करने पर सहमति व्यक्त की है। सूत्रों के अनुसार हाल ही में एनएचएआई अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान यह मामला उठाया गया था और मुख्यमंत्री ने सैद्धांतिक रूप से बिजली बंद करने के शुल्क को माफ करने पर सहमति व्यक्त की थी।

एचटी लाइनों को स्थानांतरित करते समय एनएचएआई को राज्य सरकार को बिजली बंद करने के शुल्क के रूप में भारी मात्रा में भुगतान करना पड़ता है, क्योंकि इस अवधि के दौरान बिजली कंपनियों को भारी मात्रा में राजस्व का नुकसान होता है।

बिजली कटौती शुल्क से एनएचएआई पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा था और राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्य की प्रगति भी प्रभावित हो रही थी। खम्मम-देवरापल्ली ग्रीनफील्ड राष्ट्रीय राजमार्ग का उदाहरण देते हुए अधिकारियों ने कहा कि राजमार्ग का कार्य प्रगति पर नहीं है, क्योंकि राज्य सरकार एनएचएआई से बिजली बंद करने का शुल्क मांग रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर एच.टी. लाइनों को स्थानांतरित करने के दौरान, पुरानी हाईटेंशन लाइन को हटाकर नई लाइन लगाए जाने तक विद्युत आपूर्ति स्थगित करनी पड़ी थी और इसके लिए राज्य विद्युत अधिकारी विद्युत शटडाउन शुल्क का भुगतान करने की मांग कर रहे थे, क्योंकि इससे उन्हें नुकसान होगा।

सूत्रों ने बताया कि ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने एनएचएआई को पत्र लिखकर इस मार्ग पर बिजली आपूर्ति बंद करने के लिए 65 करोड़ रुपये का भुगतान करने को कहा था। इसके बाद एनएचएआई के चेयरमैन ने कथित तौर पर राज्य सरकार को पत्र लिखकर बिजली बंद करने का शुल्क माफ करने का अनुरोध किया। हाल ही में सरकार ने कथित तौर पर इन शुल्कों को माफ करने का निर्णय लिया था, जिससे राजमार्ग के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया।

जीएचएमसी ने मानसून सुरक्षा को दी प्राथमिकता

नियमित हो रही जल नालियों की सुरक्षा ऑडिट

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून के दौरान दुर्घटनाओं से बचने को उच्च प्राथमिकता देते हुए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) शहर में निवारक उपाय और तूफानी जल नालियों की नियमित सुरक्षा ऑडिट कर रहा है। हैदराबाद में 1,302.98 किलोमीटर लंबा वर्षा जल निकासी नेटवर्क है, जिसमें से 390 किलोमीटर बड़े नाले हैं। दो मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले नाले 115.72 किलोमीटर लंबे हैं, जबकि दो मीटर से कम ऊंचाई वाले नाले 368.18 किलोमीटर लंबे हैं।

जान-माल का नुकसान न हो, इसके लिए शहर भर में संवेदनशील स्थानों की पहचान की गई है। नालों के आसपास जाल लगाने के साथ ही खतरे की चेतावनी देने वाले बोर्ड भी लगाए गए हैं। रखरखाव विभाग के सहायक इंजीनियरों को उनके सर्कल के भीतर कुछ किलोमीटर लंबी ड्रेनेज लाइन का पूरा प्रभार दिया गया है। कुल 203 नोडल अधिकारी उनकी देखरेख करेंगे, काम की निगरानी करेंगे और जब भी आवश्यक हो सुरक्षा उपायों को लागू करेंगे। मानव जीवन और संपत्ति के नुकसान के अलावा, जीएचएमसी पशु और पक्षियों की सुरक्षा पर जोर दे रही है।

सीपी ने जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर के. श्रीनिवास रेड्डी, विक्रम सिंह मान, एडिशनल सीपी, कानून और व्यवस्था, पी. विश्व प्रसाद, एडिशनल सीपी, ट्रैफिक, स्नेहा मेहरा, डीसीपी साउथ जोन और सिटी पुलिस के अन्य पुलिस अधिकारियों ने मोहर्रम 2024 के संबंध में व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए बीबी का अलावा का दौरा किया। उन्होंने 17 जुलाई को निकाले जाने वाले मोहर्रम हाथी जुलूस का मार्ग निरीक्षण भी किया।

सीपी, हैदराबाद ने सभी नागरिकों से शोक की इस अवधि के दौरान शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की। उन्होंने सभी बंदोबस्त व्यवस्थाओं का आश्वासन दिया ताकि यह कार्यक्रम बिना किसी घटना के संपन्न हो सके। बाद में सीपी, हैदराबाद ने पुरानी हवेली कार्यालय में सभी पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की और कानून व्यवस्था, यातायात मोड़ और पार्किंग आदि के बारे में निर्देश दिए।

साइबर जालसाजों ने कर्मचारी को ठगने का किया असफल प्रयास

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर जालसाजों ने तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) की एक महिला कर्मचारी को ठगने का असफल प्रयास किया। कर्मचारी को हाल ही में एक फ़ोन आया जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को दिल्ली एयरपोर्ट पर तैनात कस्टम इंस्पेक्टर बताया। बातचीत के दौरान उसने उसे धमकाया कि उसने एक कूरियर बुक किया है, जिसमें 1.40 ग्राम एमडीएमए, 16 फ़र्ज़ी पासपोर्ट और 58 डेबिट कार्ड हैं। उसने उसे नई दिल्ली में जांच टीम के सामने पेश होने के लिए कहा। इसके बाद जालसाज ने उसे वीडियो कॉल करने के लिए मजबूर किया। बातचीत के दौरान उसने उसे कानूनी नतीजों से बचने के लिए कुछ पैसे ट्रांसफर करने को कहा।

टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार ने कहा कि जब उनसे आधार कार्ड और बैंक खाते का विवरण मांगा गया तो उन्हें संदेह हुआ। धोखाधड़ी का एहसास होने पर उन्होंने उस व्यक्ति से बहस की और कॉल काट दिया। बाद में उन्होंने यह बात मुझे बताई। सज्जनार ने बताया कि साइबर अपराधियों से सावधान रहने और संदिग्ध फ़ोन कॉल का जवाब न देने की अपील लोगों से की गई है। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। यदि आप साइबर धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं या आपको संदेह है कि कोई व्यक्ति इसमें शामिल है तो तुरंत 1930 पर कॉल करें।

बोर्डों की मदद से रिक्तियों को भरने पर जुटी टीजीएसआरटीसी

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) में लगभग 3,035 पदों को भरने की अनुमति दिए जाने के बाद, निगम का ध्यान अब इन पदों को भरने की प्रक्रिया पर है। पहले आरटीसी स्वयं ही अपने पदों को भरता था, लेकिन अब उसने राज्य सरकार को प्रस्ताव दिया है कि इसे अन्य संस्थाओं को सौंप दिया जाए। कुल 11 प्रकार के पदों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है और यह निर्णय लिया गया है कि नवीनतम नियुक्तियां क्रमशः पुलिस भर्ती बोर्ड, तेलंगाना लोक सेवा आयोग और मेडिकल बोर्ड के माध्यम से की जाएंगी। हाल ही में परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने इस मामले को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के संज्ञान में लाया। पता चला है कि सरकार ने अभी तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया है।

सड़क परिवहन निगम बारह साल के लंबे अंतराल के बाद भर्ती करने जा रहा है। पिछली बार संयुक्त आंध्र प्रदेश में जूनियर असिस्टेंट पदों को छोड़कर विभिन्न प्रकार की नौकरियों की भर्ती 2012 में की गई थी। तीन साल पहले तेलंगाना लोक सेवा आयोग ने जूनियर असिस्टेंट पदों की भर्ती निकाली थी।

कर्मचारियों पर कार्यभार: आरटीसी में ड्राइवर, कंडक्टर, कर्मचारी, सुपरवाइजर और डिपो मैनेजर समेत विभिन्न विभागों में करीब 11,000 पद खाली हैं। अधिकारियों ने बताया कि ड्राइवरों की कमी एक वास्तविक समस्या है, जिसके कारण कई बस डिपो में ड्राइवरों को अतिरिक्त घंटे काम करना पड़ रहा है। प्रबंधन उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहन भी दे रहा है। पता चला है कि आरटीसी प्रबंधन सेवा के दौरान मृत कर्मचारियों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति के तहत लगभग 1,000 कंडक्टर पदों पर भरने की योजना बना रहा है।

आरटीसी ईसीआईएल-मेहदीपटनम के बीच चलाएगी मेट्रो सेवाएं

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ग्रेटर हैदराबाद जोन ने ईसीआईएल से मेहदीपटनम तक चार मेट्रो एक्सप्रेस बसें चलाने का निर्णय लिया है। 15 जुलाई से सेवा शुरू करने वाली ये बसें 13 मिनट की आवृत्ति पर संचालित की जाएंगी और यात्रियों की सुविधा के लिए सिकंदराबाद, पंजागुट्टा, बंजारा हिल्स रोड नंबर 7 और मसाब टैंक होते हुए मेहदीपटनम पहुंचेंगी। आरटीसी अधिकारियों ने बताया कि ईसीआईएल से मेहदीपटनम के लिए पहली बस सुबह 7 बजे चलेगी और ईसीआईएल से मेहदीपटनम के लिए आखिरी बस शाम 7.30 बजे चलेगी।

शिव सेना रेड्डी ने खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष का पदभार संभाला

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता के शिव सेना रेड्डी ने शनिवार को यहां गच्चीबोवली के जीएमसीबी एथलेटिक्स स्टेडियम में तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष का पदभार संभाला। कार्यक्रम में मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और उत्तम कुमार रेड्डी, नई दिल्ली में सरकार के विशेष प्रतिनिधि ए पी जितेन्द्र रेड्डी, टीपीसीसी अभियान समिति के अध्यक्ष मधु यशकी गौड़ और अन्य कांग्रेस नेताओं ने भाग लिया और शिव सेना रेड्डी को कार्यभार संभालने के लिए बधाई दी। बाद में, मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत स्टेडियम परिसर में एक पौधा लगाया

अपार्टमेंट की खिड़की के शीशे में लगी गोली

जांच पड़ताल में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी के बैरागीगुडा में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक अपार्टमेंट के फ्लैट की खिड़की के शीशे को चीरती हुई गोली अंदर जा गिरी। इस घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह बैरागीगुडा स्थित अपार्टमेंट बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में हुई। यह अपार्टमेंट फायरिंग रेंज के नजदीक स्थित है।

सूचना पर पुलिस सुराग टीम के साथ मौके पर पहुंची और गोली को कब्जे में लेकर स्थानीय सैन्य अधिकारियों से पूछताछ की। स्थानीय लोगों ने बताया कि सेना के जवान नियमित रूप से पास ही स्थित फायरिंग रेंज में अभ्यास करते हैं और गोली शायद वहीं से गिरी होगी। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

छात्रावास की छत गिरने से छात्रों का प्रदर्शन

वारंगल, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में एक छात्रावास के कमरे की छत का स्लैब गिरने के विरोध में प्रदर्शन किया। शुक्रवार रात रानीरुद्रमा महिला छात्रावास के एक कमरे में छत के स्लैब का एक बड़ा हिस्सा गिर गया। हालांकि, घटना के समय कोई छात्र मौजूद न होने के कारण कोई घायल नहीं हुआ, जिससे संभावित त्रासदी टल गई। घटना से छात्रों में आक्रोश फैल गया, जिन्होंने परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और विश्वविद्यालय अधिकारियों से परिसर के छात्रावासों में सुविधाओं को बेहतर बनाने की मांग की। छात्रावास के कमरे का निरीक्षण करने गए विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार मल्लारेड्डी और आंदोलनकारी छात्रों के बीच तीखी बहस के बाद परिसर में हल्का तनाव व्याप्त हो गया। छात्रों ने रजिस्ट्रार को छात्रावास में प्रवेश करने से रोक दिया और विश्वविद्यालय अधिकारियों से छात्रावासों में सुविधाओं को बेहतर बनाने की मांग की। उन्होंने प्रशासन पर छात्रावासों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और रजिस्ट्रार के इस्तीफे की मांग की।

उन्होंने आरोप लगाया कि इमारत की खस्ता हालत के बारे में विश्वविद्यालय के अधिकारियों से बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। छात्रों ने हॉस्टल वार्डन से भी तीखी नोंकझोंक की और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की। शुक्रवार की घटना 29 जून को हुई ऐसी ही घटना के बाद हुई है, जब विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास में प्रथम वर्ष की स्नातकोत्तर छात्रा लूनावत संध्या पर छत का पंखा गिर गया था। छात्रा के सिर में गंभीर चोट आई थी और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

गुजरात, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में आगामी चुनावों में जनता भाजपा को सबक सिखाएगी

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और चुनाव आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष जी. निरंजन ने आज कहा, हम आपातकाल लागू करने की याद में 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने के भाजपा सरकार के फैसले की कड़ी निंदा करते हैं। मोदी सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए आपातकाल का मुद्दा उठाती है। देश में आपातकाल लागू हुए 50 साल बीत चुके हैं।

एक पीढ़ी बीत जाने के बाद आपातकाल का जिक्र करना साफ तौर पर दर्शाता है कि वे कांग्रेस पार्टी से कितने डरे हुए हैं। निरंजन ने कहा कि अयोध्या राम मंदिर के नाम पर वोट जीतने की कोशिश करने के बाद भाजपा को लोकसभा चुनाव में बहुमत नहीं मिला। टुकड़े-टुकड़े पार्टियों के नाम पर भारत के गठबंधन की आलोचना करने वाले मोदी खुद टुकड़े-टुकड़े पार्टियों के साथ तीसरी बार सत्ता में आए हैं। मोदी भले ही पीएम बन गए, लेकिन लोग सोच रहे हैं कि असली विजेता कांग्रेस और अन्य भारतीय पार्टियां हैं। लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण से चिढ़कर भाजपा आपातकाल के नाम पर कांग्रेस पार्टी पर हमला करने की कोशिश कर रही है, यह भूलकर कि आपातकाल का समर्थन शिवसेना नेता बाल ठाकरे और आरएसएस ने भी किया था। निरंजन ने कहा कि 1977 में हुए चुनावों में इंदिरा गांधी और कांग्रेस पार्टी हार गई थी। इंदिरा गांधी ने 24 जनवरी 1978 को महाराष्ट्र के यवतमाल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था, आपातकाल के दौरान हुई गलतियों के लिए जिम्मेदार लोग इसकी जिम्मेदारी लेने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं, लेकिन वह जिम्मेदारी लेंगी। 1980 में कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव जीता और इंदिरा गांधी ने 14 जनवरी को पीएम के रूप में शपथ ली देश की जनता ने आपातकाल लागू होने के पांच साल बाद इंदिरा गांधी के पक्ष में मतदान किया और इंदिरा गांधी के नेतृत्व में अपना विश्वास जताया। इसका मतलब है कि आपातकाल के दौरान जो कुछ भी हुआ, उसे लोगों ने माफ कर दिया है। भाजपा इस तथ्य को पचा नहीं पा रही है और 50 साल बाद कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। लेकिन देश की जनता गुजरात, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में होने वाले आगामी चुनावों में भाजपा को सबक सिखाएगी।

फैंसी नंबरों की बिक्री से विभाग ने कमाए 18 लाख

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) कार्यालय ने शुक्रवार को एक ही दिन में फैंसी नंबरों की नीलामी और बिक्री से लगभग 18.28 लाख रुपये की राशि एकत्र की। आरटीए के अधिकारियों के अनुसार, हाल ही में हुई पंजीकरण संख्या नीलामी के दौरान कई उच्च मूल्य वाले नंबरों को अच्छी रकम प्राप्त हुई।

पंजीकरण संख्या टीजी 10 9999 के लिए 6 लाख रुपये से अधिक की बोली लगी और इसी पंजीकरण संख्या के लिए 5 बोलीदाताओं के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। इसके अलावा, पंजीकरण संख्या टीजी 10 ए 0001 3.6 लाख रुपये में नीलाम हुई और टीजी 10 ए 0009 2.6 लाख रुपये में बिकी। व्यक्तिगत पंजीकरण नंबरों की मांग लगातार बढ़ रही है, कार मालिक कई तरह की पसंद जाहिर कर रहे हैं चूंकि फैंसी नंबरों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, इसलिए परिवहन विभाग को भविष्य में पंजीकरण नंबरों की नीलामी से लगातार दिलचस्पी और राजस्व मिलने की उम्मीद है।

वन अधिकारियों ने इथेनॉल संयंत्र प्रबंधन के दावों का किया खंडन

प्रमोटरों को लेनी चाहिए मंजूरी

कुमराम भीम आसिफाबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन अधिकारियों ने प्रस्तावित इथेनॉल के प्रमोटरों के दावों का खंडन किया और दोहराया कि प्रमोटरों को परियोजना स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड से मंजूरी लेनी चाहिए। शनिवार को यहां जारी एक बयान में जिला वन अधिकारी नीरज कुमार टिबरेवाल ने प्लांट के प्रमोटरों के इस दावे का खंडन किया कि उनके पास सभी मंजूरियां हैं।

उन्होंने बताया कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के प्रवेश 2.0 ऐप पर निर्णय सहायता प्रणाली (डीएसएस) पर उपलब्ध कराए गए मंजूरियों का नक्शा, सांकेतिक सूची केवल मार्गदर्शन के उद्देश्य से है। यह कोई कानूनी राय या सलाह नहीं है।

डीएफओ ने कहा कि प्रबंधन यह कहकर गुमराह कर रहा है कि वन्यजीव बोर्ड की मंजूरी की आवश्यकता नहीं है। हालांकि वन्यजीव बोर्ड की मंजूरी अनिवार्य थी क्योंकि परियोजना स्थल ऐसे क्षेत्र में स्थित था जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 380 (1) (जी) के अनुसार बाघ रिजर्व का हिस्सा है। उन्होंने प्रबंधन पर वन विभाग पर 'अनुचित दबाव' डालने और निचले कर्मचारियों को धमकाने के अलावा राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड को दरकिनार करने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि प्रबंधन ने पर्यावरण मंजूरी के तहत वन्यजीव प्रभाव को कम करने के लिए पीसीसीएफ द्वारा प्रस्तावित 2.16 करोड़ रुपये के बजट के साथ संरक्षण योजना के लिए 2023 और 2024 से संबंधित धनराशि अभी तक जमा नहीं की है। उन्होंने कहा कि प्रमोटरों ने एनबीडब्ल्यूएल से अनुरोध करने के बाद भी कभी भी वन्यजीव मंजूरी नहीं मांगी। इन स्तंभों पर प्रकाशित एक रिपोर्ट में, कागजनगर मंडल के मेटपल्ली गांव में प्रस्तावित ऐथनोल सिबस प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एसीपीपीएल) के प्रबंध निदेशक श्रीधर वेणीगल्ला ने दावा किया कि इसके पास सभी मंजूरियां हैं और वन अधिकारी जानबूझकर इसे परेशान कर रहे हैं।

टैंगो की मौत

15 हत्याओं, 84 चोरियों के खुलासे में की थी मदद

राजन्ना-सिरसिल्ला, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आठ साल पहले पुलिस विभाग में शामिल हुए जर्मन शेफर्ड कुत्ते टैंगो की शनिवार सुबह मौत हो गई। उसने 15 हत्याओं और 84 चोरियों सहित 99 मामलों में आरोपियों का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने कुत्ते के प्रशिक्षक लक्ष्मण के साथ सिरसिला स्थित पुलिस मुख्यालय में पुष्पांजलि अर्पित कर टैंगो को श्रद्धांजलि दी। एसपी ने पिछले आठ वर्षों में टैंगो द्वारा पुलिस विभाग को दी गई सेवाओं को याद किया। एसपी ने कहा कि 2017 में आईआईटीए- मोइनाबाद में बुनियादी प्रशिक्षण दिए जाने के बाद टैंगो को जिले को आवंटित किया गया था और उन्होंने पुलिस कुत्ते की सेवाओं की सराहना की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रैया, आरआई यादगिरी, मधुकर, रमेश, डॉग स्कायड स्टाफ व अन्य मौजूद थे।

पेड़ से कार टकराई, बच्चे की मौत, 3 घायल

मंचेरियल, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जन्नाराम मंडल के थोम्मिडिगुडीसेलापल्ली गांव में शुक्रवार रात एक कार के सड़क किनारे पेड़ से टकरा जाने से 10 वर्षीय एक लड़के की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। जन्नाराम के उपनिरीक्षक गुंडेटी राज्यवर्धन ने बताया कि आदिलाबाद जिले के लिंगापुर मंडल के कोथापल्ली निवासी गोपीचंद जाधव के पुत्र जैसान राज को कार के पेड़ से टकराने पर गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी तत्काल मौत हो गई। दुर्घटना में नारनूर इंस्पेक्टर के गनमैन गोपीचंद, उनकी पत्नी गीता और मां जीजाबाई गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों घायलों को हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दुर्घटना के समय वे मंदामर्री में एक जन्मदिन समारोह में भाग लेने के बाद कोथापल्ली लौट रहे थे। गोपीचंद से प्राप्त शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

सीजेआई बोले-इंग्लिश मां के प्यार को ट्रांसलेट नहीं कर सकती

लखनऊ में कहा-वकील हिंदी में बेहतरीन तरीके से पक्ष रखते हैं एलएलवी हिंदी में भी पढ़ाई जानी चाहिए

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लिश मां के प्यार को ट्रांसलेट नहीं कर सकती है। इंग्लिश में 2 किसानों के बीच के बातचीत को सही तरीके से नहीं बता सकते हैं। स्थानीय भाषा में ताल और तलैया का मतलब यही आकर मुझे पता चला। अभी जज-वकील तो अंग्रेजी समझते हैं, लेकिन भोजपुरी का किसान नहीं समझता। इसे बदलने की जरूरत है। वकील भी हिंदी में बेहतरीन तरीके से पक्ष रखते हैं। हिंदी में भी एलएलवी की पढ़ाई होनी चाहिए। मैं ये नहीं कह रहा हूं कि कानूनी शिक्षा से अंग्रेजी को हटा देना चाहिए, लेकिन स्थानीय भाषा में भी किया जाना चाहिए। ये बातें चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवीई चंद्रचूड़ ने लखनऊ में शनिवार को कहीं। वह डॉ। राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (आरएमएलएनएलयू) का तीसरे दीक्षांत समारोह में पहुंचे थे। इस दौरान सीएम योगी और सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरूण भंसाली भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में 132 मेधाविर्यों को सम्मानित किया गया।

सीजेआई बोले- छात्र को खसरा-खतौनी की जानकारी नहीं तो मदद कैसे करेगा

सीजेआई ने कहा- मैं सोचता हूं कि आरएमएलएनएलयू को हिंदी में जरूर एलएलवी कोर्स करना चाहिए। अगर छात्र को खसरा और खतौनी की जानकारी नहीं, तो वो कैसे लोगों की मदद करेगा। बॉम्बे हाईकोर्ट से जब मैं इलाहाबाद हाईकोर्ट आया, तब मुझे पता चला यहां के वकील हिंदी में बेहतरीन तरीके से पक्ष रख लेते हैं।

आम लोगों के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों को अनुवाद हो रहा

न्याय प्रक्रिया को आम लोगों के लिए और आसान की हमारी कोशिश है। उदाहरण के लिए आम लोगों के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों को अनुवाद हो रहा है। 1950 से लेकर अब तक 37000 जजमेंट का हिंदी में अनुवाद हो चुका है। मेरा आग्रह है कि आप इससे उपयोग करें। अगर सरल भाषा में आम लोगों को नहीं समझा पा रहे हैं। योजनाओं के बावजूद अगर किसी व्यक्ति को सरल भाषा मे नहीं बता पाएंगे, तो ये योजना अधूरी हैं।

सीएम योगी ने सीजेआई की तारीफ की। उन्होंने कहा-सुप्रीम कोर्ट जाने से पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट में उनका कार्यकाल स्मरणीय रहा। प्रदेश का हर व्यक्ति उसकी सराहना करता है। इस विश्वविद्यालय का सौभाग्य है कि तीसरी बार फिर न्यायमूर्ति डॉ। चंद्रचूड़ का सानिध्य मिल रहा है। न्याय समय पर मिले, इसको सभी की जरूरत है।

सीएम ने कहा- भारत की विधि के शासन के लिए ही दुनियाभर में पहचान है। पुरानी कहावत है कि परिवार के हित में व्यक्ति को छोड़ना पड़े तो परवाह नहीं करनी चाहिए। ऐसे ही राष्ट्र के हित में कुछ छोड़ना चाहिए तो उसे छोड़ने में कतई परहेज नहीं करना चाहिए। सुशासन की पहली शर्त है-'विधि का शासन'।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस बोले- बदलाव के लिए तैयार रहें

इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरूण भंसाली ने कहा- सभी मेडलिस्ट और उपाधि पाने वाले स्टूडेंट्स को बहुत बधाई। भागवत गीता का ये श्लोक आपको जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा। ' कर्मण्ये वाधिकारस्ते मां फलेषु कदाचन। इन्फॉर्मेशन बदलाव के इस दौर में आप सभी को इसके लिए तैयार रहना होगा।

9 साल बाद हो रहा दीक्षांत समारोह

विधि विश्वविद्यालय में 9 साल बाद दीक्षांत समारोह हुआ। सत्र 2011 से लेकर सत्र 2024 में पास हुए बीए-एलएलवी और एलएलएम के मेधावी छात्रों को पदक दिए गए। विश्वविद्यालय मीडिया प्रभारी शशांक शेखर ने बताया कि डॉ। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर सभागार में कार्यक्रम किया गया।

वहशीपन की हद, दिव्यांग लड़कियों के साथ अनाथालय में गैंगरेप, तीन गिरफ्तार

आगरा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में एक अनाथालय में दिव्यांग लड़कियों से कथित रेप के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यहां एक आश्रम में 41 से ज्यादा दिव्यांग लड़कियां रहती थीं। आरोप है कि प्रबंधन से जुड़े लोगों ने दो दिव्यांग लड़कियों के साथ गैंगरेप किया। दरअसल, पूरा मामला जिले की हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नरेन्द्रपुर में स्थित अमर दिव्यांग सेवा संस्थान आश्रय गृह का है। यहां की संचालिका सुनीता देवी ने 9 जुलाई को थाने में पुलिस को सूचना दी कि 21 जून को संस्थान के डायरेक्टर राजेश कुमार रत्नाकर अपने साथी रामकैलाश और अमृता देवी अपनी सफेद कार से एक दिव्यांग किशोरी को बहला फुसलाकर कर ले गए हैं। आरोप है कि इस लड़की के साथ गैंगरेप किया गया।

अग्निवीर पर लोगों की चिंताएं बरकरार

इधर-उधर की बातें कर रहा केंद्र : मायावती

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अग्निपथ योजना के तहत सेना में भर्ती किए जाने वाले अग्निवीरों को लेकर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई जैसी राष्ट्रीय समस्याओं की तरह इस मामले पर भी केवल इधर-उधर की बातें कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने एक्स पोस्ट में कहा कि पूर्व अग्निवीरों को आरक्षण देने की तैयारी में केंद्रीय सुरक्षा बल, यह मीडिया में नया सरकारी बयान है। किंतु यह ऐसी नई बात नहीं है जो पहले नहीं कही गयी जिसे लोगों ने स्वीकार कर लिया हो। सेना में भर्ती सिर्फ नौकरी नहीं बल्कि जज़्बा एवं सम्मान से जुड़ा है जिस पर सरकार को जरूर ध्यान देना चाहिए। सेना में अग्निपथ योजना के तहत भर्ती किए जाने वाले अग्निवीरों के रूप में अल्पकालीन व अस्थाई भर्ती का मामला जन व देशहित से जुड़ा ऐसा मुद्दा है जिस पर लोगों की चिंताएं बरकरार हैं। किन्तु सरकार महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी आदि जैसी राष्ट्रीय समस्याओं की तरह इस मामले में भी केवल इधर-उधर की बात कर रही है, जो क्या उचित?

यूपी की एसडीएम संगीता राघव सर-सर कहती रहीं

फोन करने वाला बोला- जूते से सिर फोड़ देंगे

सहारनपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के सहारनपुर जिले की एसडीएम संगीता राघव को फोन पर धमकी देने वाले के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। धमकी देने वाले की पहचान देवरिया के संजय सिंह के रूप में हुई है। उसने किसी मामले की सिफारिश के लिए संगीता राघव को फोन किया था। लेकिन बाद में अभद्र भाषा में बात करने लगा। इसके बाद संजय ने अपना फोन स्विच ऑफ कर लिया है। इस बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर वायरल है। पुलिस ने संजय सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत कई धाराओं में मामला दर्ज किया है। सहारनपुर जिले के नकुड़ क्षेत्र में बतौर एसडीएम तैनात संगीता राघव की एक कथित कॉल रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर वायरल है। उनके पास जिले के हरेंद्र सिंह के एक मामले को लेकर फोन आया। फोन करने वाले ने अमर्यादित शब्दों में बात की। बात यहां तक बढ़ गई कि उसने संगीता राघव को जूता मारकर सिर फोड़ देने तक की धमकी दे दी। वे उस व्यक्ति को लगातार 'सर-सर' कहकर संबोधित कर रही थीं। लेकिन कॉल करने वाले ने अपने शब्दों और एसडीएम के पद का लिहाज नहीं किया। उसने काम न होने पर चक्का जाम करने की धमकी तक दे डाली। रिपोर्ट के अनुसार, एसडीएम संगीता ने सहारनपुर के कोतवाली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने बताया, मेरे आधिकारिक मोबाइल नंबर पर सोमवार शाम 7 बजे एक कॉल आई। फोन करने वाले ने हरेंद्र सिंह से जुड़े एक पेंडिंग केस को लेकर सिफारिश की। जब मैंने उसकी बात मानने से इनकार कर दिया तो उसने देख लेने की धमकी दे दी। अगले दिन उसी नंबर से फिर कॉल करके उसने धमकी देना जारी रखा। इस बार उसकी भाषा ज्यादा अभद्र थी।

11 केजी गोल्ड के साथ लखनऊ में तस्कर गिरफ्तार

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे के टोल प्लाजा पर 11 केजी गोल्ड ले जाते हुए तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। डीआरआई की टीम ने मुखबिर की सूचना पर लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे के पहले टोल प्लाजा पर यह करवाई की है। पकड़े गए आरोपी के पास से बरामद गोल्ड की कीमत 8.09 करोड़ रुपए बताई जा रही है। डीआरआई की टीम ने रात 12:30 बजे गिरफ्तारी की है। तस्कर सोहन गोयल दिल्ली के करोल बाग का रहने वाला है। उसके पास से बरामद गोल्ड दुबई मेड है। डीआरआई की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लखनऊ की कस्टम कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे 14 दिन के कस्टडी में जेल भेज दिया गया है। आरोपी के पास से लखनऊ के नंबर की महिंद्र एक्सयूवी भी बरामद हुई है। डीआरआई अधिकारी के अनुसार लखनऊ में शक होने पर वाहन की तलाशी ली गई। जिसमें दुबई से आया विदेशी मूल का 10 किलो गोल्ड और 1 किलो सोने के आभूषण बरामद हुए। जिनकी कुल कीमत 8.09 करोड़ रुपए थी।

'तलाक, ट्रिपल तलाक का केस है या नहीं यह ट्रायल कोर्ट में तय होगा, हाई कोर्ट ने की टिप्पणी

प्रयागराज, 13 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने ट्रिपल तलाक (तलाक -ए -बिद्दत) को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। कोर्ट ने कहा है कि तलाक, ट्रिपल तलाक है अथवा नहीं, यह तथ्य का विषय है और ट्रायल कोर्ट में साक्ष्य लेकर तय होगा। इसलिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत अंतर्निहित शक्ति का इस्तेमाल कर दाखिल चार्जशीट या केस कार्रवाई रद नहीं की जा सकती।

कोर्ट ने मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) कानून की धारा 3/4के तहत जारी समन रद करने से इन्कार कर दिया है। हालांकि कहा है भारतीय दंड संहिता की धारा 494 (एक बीवी के रहते दूसरी शादी करने पर) दंड के मामले में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 198 अदालत को संज्ञान लेने से रोकती है। इसलिए इस धारा में जारी समन अवैध होने के कारण रद किया जाता है। याची के खिलाफ केवल ट्रिपल तलाक के आरोप में ही ट्रायल चलेगा। यह आदेश न्यायमूर्ति राजबीर सिंह ने थाना खोराबार, गोरखपुर के जान मोहम्मद की याचिका निस्तारित करते हुए दिया है।

याची की तरफ से अधिवक्ता सैयद वाजिद अली ने बहस की। इनका कहना था कि याची के खिलाफ ट्रिपल तलाक का केस नहीं बनता, क्योंकि उसने एक माह के अंतराल पर तलाक की तीन नोटिस देने के बाद तलाक दिया है। यह तलाक -ए-बिद्दत नहीं है और धारा 494के अपराध पर कोर्ट को संज्ञान लेने का अधिकार नहीं है। यह धारा 198 से वर्जित है, यदि पीड़िता ने शिकायत न की हो। पीड़िता ने दूसरी शादी की शिकायत नहीं की है इसलिए याची के खिलाफ दायर चार्जशीट समन और केस कार्रवाई रद की जाए। सरकारी वकील का कहना था कि याची के बेटे सलमान खान ने भी तीन तलाक दिए जाने का बयान दिया है। साथ ही शिकायतकर्ता के तीन तलाक देने के आरोप पर पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की है और अदालत ने उस पर संज्ञान भी लिया है। ऐसे में यह नहीं कह सकते कि प्रथमदृष्टया याची पर अपराध नहीं बनता, इसलिए याचिका खारिज की जाए। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के भजनलाल केस सहित तमाम केसों का हवाला देते हुए कहा कि यदि प्रथमदृष्टया अपराध सामने आता है तो हाई कोर्ट चार्जशीट व प्राथमिकी रद नहीं कर सकती। उसे केस के तथ्यों की जांच करने का अधिकार नहीं है। केवल असामान्य स्थिति में ही केस कार्रवाई रद की जा सकती है। कोर्ट ने धारा 494 की कार्रवाई रद कर दी है परंतु कहा है कि धारा 3/4 डब्ल्यू एम एक्ट के तहत केस चलेगा।

क्या है धारा 482

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 482 उच्च न्यायालयों को अंतर्निहित शक्तियां प्रदान करती है। उन्हें कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग रोकने और न्याय का उद्देश्य सुरक्षित करने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र के प्रयोग करने का अधिकार देती है।

एटा पुलिस की सराहनीय पहल, दिव्यांग युवक की आर्थिक मदद की

एटा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की एटा पुलिस का एक बार फिर मानवीय चेहरा देखने को मिला है। यूं तो यूपी की पुलिस का नाम अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए जाना जाता है, लेकिन उत्तर प्रदेश के एटा जिले की पुलिस ने बहुत ही प्रशंसनीय काम किया है। एटा पुलिस कप्तान राजेश कुमार सिंह ने एक हादसे के शिकार युवक को आर्थिक रूप से मदद की है। पूरा मामला जिले के पुलिस मुख्यालय का है। जहां पर अतुल कुमार (24) कुछ दिन पहले एटा पुलिस मुख्यालय पर पहुंच गया। पीड़ित युवक जसवंतनगर का रहने वाला है। पीड़ित ने एसएसपी को अपनी आपबीती बताई। कप्तान को बताया कि 2021 में मोटरसाइकिल से बहन से राखी बंधा कर लौटते समय एक वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अतुल को परिजनों ने चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों को उसका बायां पैर काटना पड़ा। एसएसपी एटा ने युवक की आपबीती सुनी और भावुक होते हुए युवक को अपने पास से तत्काल 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद की। साथ ही अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों से मदद की अपील की। एसएसपी की अपील पर मौजूद सभी पुलिस कर्मियों ने अपनी इच्छा से युवक को 43 हजार रुपये जुटाए।

भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष समेत 42 पर अश्लीलता फैलाने का केस

गर्ल्स हॉस्टल संचालक की पत्नी ने कराई एफआईआर

प्रयागराज, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मम्फोर्डगंज में 27 जून की रात हुई घटना के मामले में नया मोड़ आ गया है। पूर्व में मुकदमा दर्ज कराने वाले भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा समेत 42 पर अब अश्लीलता फैलाने समेत अन्य आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। रिपोर्ट स्वाती सिंह ने दर्ज कराई है, जिनके पति राहुल सिंह पर हत्या के प्रयास का मुकदमा रोहित ने दर्ज कराया था। उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके बच्चे की तबीयत खराब थी, ऐसे में उनके पति 27 जून की रात डेढ़ बजे दवा लेने निकले। आरोप लगाया कि उनके मकान के ऊपर गर्ल्स हॉस्टल है और बाहर रोहित मिश्रा अपने 3-4 अन्य साथियों के साथ खड़े थे जिस पर पति ने वहां खड़े होने का कारण पूछा। आरोप है कि इस पर नाराज होकर रोहित गालियां देने लगे जिसे सीसीटीवी फुटेज में सुना जा सकता है। गाली देने से रोकने पर वह अन्य 3-4 लोगों के साथ पति पर हमलावर हो गए। डंडों व लात-घूसों से मारा-पीटा और उठाकर पटक दिया। इससे पति के सिर, पैर और शरीर के अन्य हिस्से पर काफी चोट आई। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग निकले और बीचबचाव किया तो रोहित ने पति को जान से मारने की धमकी दी।

पति ने 112 नंबर पर फोन किया और पुलिस के आने पर अपनी जान बचाई। सुबह 4.10 बजे 30-40 लड़के आवास पर आकर उनके पति को पुलिस के सामने गाली व जान से मारने की धमकी देने लगे। रोहित के साथ आए निर्भय द्विवेदी ने गोली मारने की धमकी दी। पति के दोबारा 112 नंबर पर फोन करने पर पुलिस के आने के बावजूद आरोपी गेट के आसपास ही धमकी देते रहे। स्वाती का आरोप है कि आए दिन आरोपी रात में उनके घर के सामने खड़े होकर हॉस्टल में रहने वाली लड़कियों पर अश्लील टिप्पणी करते हैं। कर्नलगंज पुलिस ने इस मामले में रोहित, निर्भय को नामजद व 40 अज्ञात को आरोपी बनाया है। प्रभारी प्रदीप कुमार का कहना है कि जांच की जा रही है।

जामा मस्जिद की सीढ़ियों में श्रीकृष्ण के विग्रह होने का दावा, फिर से दायर की गई याचिका

आगरा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। आगरा की जामा मस्जिद को लेकर एक बार फिर से विवाद सामने आया है। आगरा जामा मस्जिद की सीढ़ियों ने भगवान श्री कृष्ण के विग्रह दबे होने का दावा किया गया है।यह दावा कानूनी रूप से दायर किया गया ।सनातन धर्म रक्षा पीठ वृंदावन के पीठाधीश्वर की ओर से आगरा न्यायालय में याचिका दायर की गई है और दावा किया गया है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मूल गर्भगृह की प्राण प्रतिष्ठित विग्रह को आगरा की जामा मस्जिद को सीढ़ियों से में निकलवाने के लिए यह याचिका दायर की गई है। सनातन धर्म रक्षा पीठ वृंदावन के पीठाधीश्वर कौशल किशोर की ओर से याचिका दायर की गई। केस में मुख्य रूप से याचिकाकर्ताओं ने बताया कि श्रीकृष्ण के मूल वंशज जादौन जडेजा भाटी छौंकर रावल शूरसैनी आदि हैं।

यह विग्रह उनके अस्तित्व की विरासत है उस यदुवंशी समाज के अस्तित्व की विरासत को बचाने एवं ब्रज के अस्तित्व निर्माण का कार्य सनातन धर्म रक्षा पीठ कर रही है। सनातन धर्म का सबसे बड़ा ज्ञान गीता उपदेश देने वाले श्री कृष्ण का विग्रह एवं सनातन धर्म के सबसे महत्वपूर्ण भगवान श्रीकृष्ण की है। इसी सनातन को बचाने के लिए एवं ब्रजवासी जनों के भाव की रक्षा करने के लिए याचिकाकर्ता ने अपने इष्ट देव भगवान श्रीकृष्ण के केशवदेव विग्रह को निकलवाने के लिए याचिका दायर की है।

याचिकाकर्ता की मांग कि न्यायालय जामा मस्जिद की सीढ़ियों का सर्वे कराए। सर्वे में सीढ़ियों की सच्चाई सामने आ जाएगी। अगर हमारे इष्ट भगवान के विग्रह दबे हुए है तो उनको निकाला जाए। सीढ़ियों का जो भी नुकसान होगा, उसकी भरपाई हम करेंगे।

आगरा न्यायालय में वाद दाखिल करने वाले सनातन धर्म रक्षा पीठ वृंदावन के पीठाधीश्वर कौशल किशोर के साथ सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता रीना सिंह और सामाजिक लोग शामिल हुए ।याचिकाकर्ता का कहना है, हमारी आस्था है और हम अपनी आस्था के लिए न्यायालय पहुंचे। कोर्ट से हम मांग कर रहे है कि जामा मस्जिद की सीढ़ियों की जांच कराई जाए। उसमे विग्रह निकल कर सामने आयेंगे। सीढ़ियों में जो भी नुकसान होगा। उसकी भरपाई हम करेंगे, सब सर्वे कराया जाए।

पेड़ से बांधा, मुंह में ठूसा आम फिर पीटा

मासूमों के साथ माली ने की हैवानियत

महाराजगंज, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज में चौक थाना के पिपरिया गुरु गोविंद राय गांव में एक बागीचे में आम उठाने गए तीन छोटे बच्चों के साथ बर्बरता का मामला सामने आया है। बच्चों को माली ने पेड़ से रस्सी से बांध कर मारने पीटने का आरोप लगाया गया है। वृहस्पतिवार को जब सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस के हाथ पांव फुल गए। पुलिस ने जब मामले की जांच की तो बागीचे के माली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, बुधवार की सुबह करीब दस बजे चौक थाना क्षेत्र के पिपरिया गुरु गोविंद राय गांव में तीन बच्चे आम के बाग किनारे घूमने गए थे। तीनों बच्चे बागीचे में पहुंच गए और गिरा हुआ आम उठाने लगे। इसी दौरान बाग का माली वहां पहुंच गया और तीनों बच्चों को पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि माली ने तीनों बच्चों को रस्सी से पेड़ पर बांध दिया। माली ने तीनों बच्चों के मुंह में आम ठूस दिया। बच्चों के पेड़ में बांधने की जानकारी मिलते ही वहां पर भीड़ इकट्ठा हो गई।

विजिलेंस टीम के बिछाए जाल में फंसी रिश्वतखोर महिला क्लर्क

आगरा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में तैनात महिला वरिष्ठ सहायक को नेत्र परीक्षण अधिकारी से 45 हजार रुपये घूस लेते विजिलेंस ने गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित और महिला कर्मचारी के बयान के आधार पर विजिलेंस ने भ्रष्टाचार के मुकदमे में हाथरस के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को भी आरोपित बनाया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुरसान पर तैनात नेत्र परीक्षण अधिकारी ननकेश विमल का सितंबर, अक्टूबर और नवंबर 2023 का वेतन रुका हुआ है।

उनके वेतन, एरियर और पत्नी के उपचार में खर्च हुए बिल की फाइल कई महीने से हाथरस मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में पड़ी थी। जिसे पास कराने के लिए वह सीएमओ कार्यालय के चक्कर काट रहे थे। ननकेश कुमार विमल से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा। मंजीत सिंह 40 हजार रुपये घूस मांग रहे थे। उन्होंने ननकेश को अपने कार्यालय में तैनात बाबू मधु भाटिया से संपर्क करने को कहा। नेत्र परीक्षण अधिकारी मधु भाटिया से मिले तो उसने 40 हजार रुपये सीएमओ और पांच हजार रुपये अपने लिए मांगे।

सीएमओ कार्यालय में भ्रष्टाचार से परेशान ननकेश ने एसपी विजिलेंस शगुन गौतम से एक सप्ताह पूर्व मिले। घूस मांगे जाने की शिकायत की। साक्ष्य के रूप में आडियो आदि दिखाए। विजिलेंस द्वारा जांच के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी और उनकी महिला बाबू द्वारा घूस मांगने के आरोप की पुष्टि हुई।

14 साल के लड़के को उठा ले गया तेंदुआ, हो गई मौत

बहराइच, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में कतर्नियाघाट वन्य क्षेत्र के एक गांव में तेंदुए के हमले में 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। प्रभागीय वनाधिकारी बी।शिवशंकर ने शनिवार को बताया कि मोतीपुर वन रेंज अंतर्गत ग्राम सोमईगौढ़ी मजरा मनोहरपुरवा निवासी अरविंद कुमार (14) परिवार के साथ शुक्रवार देर शाम मक्के के खेत की रखवाली के लिए गया था। उन्होंने बताया कि शाम करीब सात बजे खेत में बैठे तेंदुए ने अरविंद पर हमला कर दिया और उसे दबोच कर ले जाने लगा, इसपर परिजनों व आसपास मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए तेंदुए को डराने का प्रयास किया जिससे वह किशोर को छोड़कर भाग गया । उन्होंने बताया कि परिजन घायल किशोर को पास के सरकारी अस्पताल ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

दुबई से पति ने व्हाट्सअप पर दे दिया 3 तलाक, हलाला के नाम पर जेठ ने किया शारीरिक शोषण! 5 के खिलाफ एफआईआर

बरेली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक विवाहिता का आरोप है कि उसके पति ने उसे दुबई से व्हाट्सअप पर तीन तलाक दे दिया। पुलिस से शिकायत होने पर पति ने गलती मानी और फिर से निकाह कर पहले की तरह बतौर पत्नी रखने पर हामी भर दी। आरोप है कि इसके लिए शरीयत के मुताबिक विवाहिता के जेठ से हलाला करा पति ने दोबारा निकाह कर दिया। लेकिन हलाला के बाद भी जेठ उसका यौन शोषण करता रहा। विवाहिता ने जेठ की हरकत की शिकायत पति से की तो आरोप है कि पति ने दोबारा तलाक दे दिया। अब विवाहिता की शिकायत पर पति जेठ समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर पुलिस ने लिखी हैं। घटना बरेली जिले के कैंट थाना क्षेत्र के एक गांव की हैं। इस गांव की विवाहिता ने पुलिस को उसका गांव के ही युवक से प्रेम प्रसंग था। दोनों शादी करना चाहते थे लेकिन प्रेमी के परिजन दहेज में पांच लाख रुपये और बाइक की मांग कर रहे थे। जिस कारण शादी नहीं होने दे रहे थे। विवाहिता का कहना है कि प्रेमी ने उसे बातों में फंसा लिया और मेरे माता-पिता एक लाख रुपये लेकर निकाह कर लिया। विवाहिता के मुताबिक ससुराल वाले इस शादी से खुश नहीं थे। वे प्रताड़ित करने लगे। 2021 में उसका पति दुबई चला गया। किसी बात पर विवाद के बाद पति ने दुबई से वॉटसऐप मैसेज के जरिये तीन तलाक दे दिया। विवाहित ने इसकी शिकायत थाने पहुंची तो ससुराल वालों ने कहा कि वह पति के साथ ही रख लेंगे। लेकिन शरीयत के मुताबिक दूसरा निकाह तब होगा जब उसे हलाला करना होगा। इसके लिए विवाहिता का जेठ से हलाला कराया। उसके बाद 19 जुलाई 2022 को पति से दोबारा निकाह करा दिया। आरोप है कि निकाह होने के बाद भी जेठ उसका शारीरिक शोषण करता रहा। जनवरी में पति को सारी बात बताई तो उसने दोबारा तलाक दे दिया और घर से भी निकाल दिया। वह किराए के मकान में रहने लगी। आरोप है कि अब ससुराल पक्ष के लोग दोबारा हलाला कराने का दबाव बना रहे हैं। ताकि तीसरी बार भी पहले पति से निकाह कराया जा सके।

तकनीक की चुनौतियों से निपटने की कवायद जारी

संविधान को लेकर मचे हल्ले के बीच हो रही नई तैयारी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। संविधान को लेकर सड़क से संसद तक खूब हंगामा हो रहा है। विपक्ष संविधान बचाओ का नारा दे रहा है तो प्रधानमंत्री हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाने की घोषणा कर रहे हैं। इस हो- हल्ले के बीच में केन्द्र सरकार नई तकनीकों के विकास के मुताबिक देश के संविधान में नए प्रवधान शामिल करने की दिशा में काम कर रही है। कानून मंत्रालय के सचिव राजीव मणि त्रिपाठी ने इसके बाबत विशेषज्ञों से सुझाव लेने की प्रक्रिया तेज कर दी है। विधि एवं कानून मंत्रालय के सूत्र बताते हैं कि ऐसी पहल कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से मिले संकेत के बाद हो रहे हैं। अमर उजाला को इन विशेषज्ञों में से एक संविधान विशेषज्ञ ने समीक्षा की प्रक्रिया शुरू किए जाने की पुष्टि की और बताया कि जल्द ही वह अपने सुझाव मंत्रालय के अधिकारी के साथ साझा करेंगे। मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी (विधि आयोग) सूत्र के मुताबिक इस तरह का प्रयास अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय में भी हुआ था। लेकिन जब तक यह संवैधानिक समीक्षा की रिपोर्ट अपना कोई आकार ले पाती, इसके पहले ही अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार गिर गई थी। सूत्र का कहना है कि अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, इंटरनेट, मोबाइल फोन और 5 जी, 6जी का दौर आ गया है। हमने इसे चिह्नित कर लिया और इस दिशा में आगे काम करने की जरूरत है।

एक जून 2024 को आम चुनाव का मतदान संपन्न हुआ। 04 जून को नतीजा आया। विपक्षी दल कांग्रेस ने 99 सीटें प्राप्त की और सत्ता पक्ष भाजपा की सीट 2019 के 303 के मुकाबले घटकर 240 सीट पर आ गई। उत्तर प्रदेश में भाजपा को करारा झटका लगा। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन को जबरदस्त लाभ हुआ। भाजपा के रणनीतिकार इस झटके के लिए प्रधानमंत्री द्वारा दिये गए नारे-अबकी बार 400 पार और विपक्ष द्वारा जनता के बीच में 400 पार के बाद भावी सरकार की संविधान को बदल देने की मंशा वाले दुष्प्रचार को बड़ा कारण मानते हैं।

विपक्षी इंडिया गठबंधन ने चुनाव प्रचार के दौरान पूरे देश में संविधान में बदलाव की सरकार की मंशा को बड़ा मुद्दा बनाया। कहा कि 400 पार का नारा इसीलिए है, ताकि संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान को बदला जा सके। यह मामला इतना जोर पकड़ा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को खुद इस पर सफाई देनी पड़ी। उन्हें मंच से कहना पड़ा कि बाबा साहब के संविधान को वह नहीं बदल सकते। उनकी सरकार ऐसा सोच भी नहीं सकती।

शपथ लेते समय राहुल, अखिलेश ने संविधान की कॉपी हाथ में ली और सदस्यों ने कहा जय संविधान

देश में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को आपातकाल की सिफारिश की थी। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद इसे अपनी मंजूरी दी और आपातकाल घोषित हुआ। यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत 21 महीने (21 मार्च 1977) तक लगा रहा। दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद सभापति ओम बिरला पहली बार आसन से आपातकाल विरुद्ध निंदा प्रस्ताव लाए। विपक्ष ने इसकी तीखी आलोचना की। लोकसभा के नव निर्वाचित सदस्यों में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के सांसदों में संविधान की कॉपी लेकर सदस्यता की शपथ ली। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव समेत अन्य ने संविधान की रक्षा को महत्वपूर्ण लक्ष्य का संदेश दिया। जय संविधान का नारा लगा। दिलचस्प है, सत्ता पक्ष द्वारा इतने साल बाद आपातकाल को बहुत सलीके से याद किया गया। 12 जुलाई को प्रधानमंत्री ने 25 जून को हर साल संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की।

'अटल बिहारी वाजपेयी भी आपातकाल लगा देते..'

इमरजेंसी के बचाव में उतरे शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कांग्रेस सरकार द्वारा साल 1975 में देश में आपातकाल लागू करने के फैसले का बचाव किया है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का एलान किया।

इस पर संजय राउत ने केंद्र पर हमला बोला और दावा किया कि अगर उन परिस्थितियों में अटल बिहारी वाजपेयी भी प्रधानमंत्री होते तो वह भी आपातकाल लागू कर देते।

'अटल बिहारी वाजपेयी भी आपातकाल लगा देते..'

संजय राउत ने कहा 'आपातकाल लागू हुए 50 साल बीत चुके हैं और लोग भी आपातकाल को भूल चुके हैं। देश में आपातकाल क्यों लागू किया गया? कुछ लोग देश में अराजकता फैलाना चाहते थे। रामलीला मैदान से खुलेआम एलान किया गया, हमारे जवान, सेना को कहा गया कि वह सरकार के आदेश न मानें...ऐसी परिस्थिति में अगर अटल बिहारी वाजपेयी भी प्रधानमंत्री होते तो वो भी आपातकाल लागू कर देते। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला था। देश में कुछ लोग बम बना रहे थे और विभिन्न स्थानों पर बम फट रहे थे। बालासाहब ठाकरे ने खुलकर आपातकाल का समर्थन किया था। आरएसएस ने भी उसका समर्थन किया था।'

बालासाहब ठाकरे ने किया था आपातकाल का समर्थन

शिवसेना यूबीटी नेता ने कहा 'बालासाहब ठाकरे ने खुलकर साल 1975 में लगाए गए आपातकाल का समर्थन किया था। उन्होंने इंदिरा गांधी का भी समर्थन किया था और जब वे मुंबई आईं थी तो उनका स्वागत किया गया था। उन्होंने आपातकाल का समर्थन इसलिए किया था क्योंकि उन्हें लगा था कि देश में अराजकता को नियंत्रित करने की जरूरत है। इसमें क्या गलत था?' संजय राउत ने भाजपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि 'भाजपा के बीते 10 वर्षों में जो हुआ, उसे भी याद रखा जाएगा। वे भी संविधान के रक्षक नहीं हैं।'

केरल राज्यपाल का राज्य सरकार पर आरोप

बोले-ऐसे काम करते हैं जो कानून के मुताबिक नहीं

तिरुवनंतपुरम, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केरल के राज्यपाल और केरल सरकार के बीच मनमुटाव बना हुआ है। अब हाल ही में राज्यपाल ने केरल सरकार के फैसलों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि वे ऐसे कई काम करती हैं जो कि कानून के मुताबिक नहीं होते हैं। दरअसल केटीयू के कुलपति के चयन के लिए कुलाधिपति के नामित व्यक्ति के बिना ही समिति गठित कर दी थी। कुछ समय से राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों सहित नियुक्तियों के मुद्दे पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और वामपंथी प्रशासन पिछले कुछ समय से आमने-सामने हैं। जहां एक ओर राज्यपाल ने सरकार पर विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है, वहीं वाम मोर्चे ने आरोप लगाया है कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान राज्य में उच्च शिक्षा का भगवाकरण करने के लिए आरएसएस और संघ परिवार के एजेंडे को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शनिवार को कहा कि केरल सरकार कई ऐसे काम करती है जो कानून के मुताबिक नहीं होते।

दरअसल एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (केटीयू) के कुलपति का चयन करने के लिए कुलाधिपति के नामित व्यक्ति के बिना खोज समिति बनाने को लेकर राज्यपाल नाराज हैं। उन्होंने कहा है कि सरकार पर निर्भर करता है कि वे क्या करना चाहते हैं।

वे कई ऐसे काम कर रहे हैं जो कि कानून के मुलाबिक नहीं हैं। बता दें कि राज्य सरकार ने शुक्रवार को कथित तौर पर केटीयू के कुलपति का चयन करने के लिए पांच सदस्यीय खोज-सह-चयन समिति का गठन किया था। इस पूरे मामले पर केरल के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, आखिरकार, इस मामले का निपटारा तो अब अदालत ही करेगी।

बंगाल के कंगारू कोर्ट में महिलाओं की पिटाई का सच

› *महिलाओं को निर्वस्त्र किया, लाठी-डंडों से पीटा* › *टीएमसी बोली-हमने कार्रवाई की*

कोलकाता, 13 जुलाई (एजेंसियां)। एक महिला और उसका साथी सड़क पर बैठे हैं, लोग उन्हें चारों तरफ से घेरे हुए हैं। तभी एक तंदरुस्त सा दिखने वाला आदमी हाथ में तीन-चार लकड़ी की छड़ी लिए आता है। आते ही महिला को इन छड़ियों से जोर-जोर से पीटने लगता है। महिला दर्द से कराह उठती है, सड़क पर ही लेटकर तड़पने लगती है। ये शख्स महिला के साथी की तरफ बढ़ता है और उसे भी पीटने लगता है। कुछ लोग एक महिला के घर के बाहर इकट्ठा हैं। इनमें से दो लोग घर में घुसे और महिला को घसीट कर सड़क पर ले आए। फिर इन लोगों ने मारपीट के दौरान महिला के कपड़े भी फाड़ दिए। इनका मन इतने से भी नहीं भरा तो उसे इसी हालत में पानी में डुबोकर मारने की कोशिश की गई। महिला बेहोश हो गई। इन दोनों वीडियो में कुछ लोग इकट्ठा होकर किसी महिला को पीट रहे हैं, लेकिन एक और बात इन दोनों घटनाओं में एक जैसी है। ये दोनों वीडियो पश्चिम बंगाल में कथित तौर पर चल रहे टीएमसी के कंगारू कोर्ट के हैं। पीटने वाले लोग भी टीएमसी के लोकल लीडर बताए जा रहे हैं। पहली महिला को प्रेमी के साथ चले जाने की सजा दी गई, जबकि दूसरी महिला को टीएमसी में न शामिल होने की सजा दी जा रही थी।

हालांकि, ये महज एक-दो किस्से नहीं है। एक महीने में ऐसे कई वीडियो सामने आ चुके हैं। आरोप है कि यहां टीएमसी के लीडर या उनके करीबी अदालत चला रहे और फैसले सुना रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ये कंगारु कोर्ट क्या है, ये कैसे काम करती है? ये कब से चल रही है और इसे कौन चलाता है? दैनिक भास्कर ने इस तमाम सवालों के जवाब जानने के लिए विक्टिम की फैमिलीज, पुलिस, पॉलिटिकल लीडर्स और एक्सपर्ट्स से बात की। ये रिपोर्ट पढ़िए...

सबसे पहले बात कथित कंगारू कोर्ट के फैसलों की

नॉर्थ 24 परगना के कमरहटी जिले के अरिदाहा का एक 3 साल पुराना वीडियो 8 जुलाई को सामने आया। चार लोगों ने मिलकर एक युवक के हाथ-पैर पकड़ रखे हैं। वहीं, दो लोग उसे डंडों से मारते नजर आ रहे हैं। इस दौरान युवक चीखता है, लेकिन आरोपी मारना बंद नहीं करते। टीएमसी के लोकल लीडर जयंत सिंह और उसके सहयोगियों पर पिटाई का आरोप है। वीडियो की पड़ताल करने पर पता चला कि इसकी पिटाई कथित कंगारू कोर्ट के फैसले के तहत की गई। इसके बाद पीड़ित परिवार से मिलने हम अरिदाहा पहुंचे। परिवार से मुलाकात तो नहीं हो सकी। यहां आकर पता चला कि आरोपी जयंत सिंह का इलाके में काफी दबदबा है। 1 जुलाई को उसने अपने साथियों के साथ मिलकार यहां रहने वाले सायंतन पाजा और उसकी मां को बेरहमी से पीटा था। ये पिटाई भी सजा के तौर पर की गई थी।

टीएमसी विधायक का करीबी है जयंत

जयंत सिंह, कमरहटी से टीएमसी विधायक मदन मित्रा का करीबी बताया जाता है। शुरुआत में वसूली और लोगों को इसके लिए धमकाने का काम किया करता था। राजनीति से जुड़ने के बाद अरिदाहा में उसने अपना दबदबा बना लिया। जयंत सिंह के लिए कहा जाता है कि वो टीएमसी के हाथों तैयार किया गया गुंडा है। वो अपने सहयोगियों के साथ मिलकर लोगों को मारता-पीटता और धमकाता है। जयंत कई बार जेल जा चुका है, लेकिन हर बार कुछ हफ्तों में बाहर आ जाता है।

बेटे की फीस जमा करने के लिए पिता को पैरोल

बॉम्बे एचसी बोला-गम बांटने के लिए छूट, तो खुशी में क्यों नहीं

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक पैरोल याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि जब किसी व्यक्ति को दुख बांटने के लिए पैरोल मिल सकता है। तो खुशियों के लिए भी बराबर के अवसर मिलने चाहिए। कोर्ट विवेक श्रीवास्तव नाम के एक कैदी की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। याचिकाकर्ता ने अपने बेटे की ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के लिए ट्यूशन फीस और अन्य खर्चों का इंतजाम करने और उसे विदाई देने के लिए पैरोल की मांग की थी।

जेल में बंद व्यक्ति भी किसी का पिता है

जस्टिस भारती डांगरे और जस्टिस मंजूषा देशपांडे की बेंच ने कहा कि पैरोल के तौर पर दोषियों को थोड़े समय के लिए सशर्त रिहाई दी जाती है। ताकि वे बाहरी दुनिया से जुड़ सकें और अपनी पर्सनल और पारिवारिक जिम्मेदारियों का ध्यान रख सकें।

मेंटल स्टेबिलिटी बनाए रखने के लिए जरूरी है पैरोल

कोर्ट ने कहा कि पैरोल और फरलो जैसे प्रावधान जेल में बंद लोगों के लिए मानवीय दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए है। कोर्ट ने कहा सजा में सशर्त छूट का उद्देश्य कैदी को जेल जीवन के बुरे प्रभावों से बचाने, मेंटल स्टेबिलटी और भविष्य के लिए उम्मीद बनाए रखने के लिए जरूरी है। दरअसल विरोधी पक्ष के वकील ने दोषी को मिलने वाले पैरोल का विरोध किया था। उनका दावा था कि पैरोल आमतौर पर इमरजेंसी स्थितियों में दिया जाता है। ऐसे फीस का इंतजाम करना और बेटे को विदा करना पैरोल का आधार नहीं बन सकता है।

पिता-पुत्र एक दूसरे से मिलने के हकदार हैं

इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि दुख के साथ-साथ सुख भी एक भावना है। अगर शादी का जश्न मनाने के लिए पैरोल मिल सकती है तो मौजूदा मामले में भी दोषी को राहत मिलनी चाहिए। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को 10 दिन की पैरोल दी है। साथ ही कहा कि यह खुशी का मौका है, एक बेटा अपने पिता की शुभकामनाओं के साथ अलविदा का हकदार है। हम नहीं चाहते कि उसे इस पल से दूर रखा जाए। जो एक पिता होने के नाते उसके लिए गर्व की बात है।

क्या है पैरोल और फरलो के नियम

पैरोल के तहत कैदी को निश्चित अवधि के लिए सशर्त रिहाई दी जाती है। किसी कैदी को पैरोल मिलेगा या नहीं यह जेल के अंदर उसके व्यवहार पर भी निर्भर करता है। पैरोल कोई अधिकार नहीं, बल्कि किसी विशेष कारण से दी गई रियायत भर है। पैरोल के दौरान कैदी को समय-समय अधिकारियों को रिपोर्ट भी करना होता है। यदि संबंधित अधिकारी को लगता है कि कैदी समाज के लिए खतरा है तो पैरोल देने से मना भी किया जा सकता है।

ट्रक ने कार को मारी टक्कर, चार की मौत

नासिक, 13 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में हाइवे पर टायर फटने से ट्रक और कार की जोरदार टक्कर हो गई। इससे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, दो घायल हैं। वहीं दूसरा सड़क हादसा ओड़िशा में हुआ। यहां तीर्थयात्रियों से भरी बस और ट्रक में टक्कर हुई। जिससे तीन लोगों की मौत हो गई, 14 लोग घायल हैं।

नासिक जिले में हाईवे पर एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। ट्रक का टायर फटने से वह एक कार से टकरा गया। इस कार से कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो अन्य लोग घायल हो गए। हादसा इतना जोरदार था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, शवों को बाहर निकालने के लिए कार को काटना पड़ा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ट्रक चालक बापू अहिरे (51) और सचिन म्हास्के (45) घायल हो गए और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

संदिग्ध चांदीपुरा वायरस से चार बच्चों की मौत

दो अस्पताल में भर्ती-एनआईवी को भेजे गए रक्त नमूने

हिम्मतनगर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के साबरकांठा जिले में संदिग्ध चांदीपुरा वायरस के संक्रमण से चार बच्चों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य का उपचार चल रहा है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

चांदीपुरा वायरस क्या है

दोनों बच्चों का इलाज जिले के हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल में चल रहा है। चांदीपुरा वायरस बुखार, फ्लू के समान लक्षणों और तीव्र एन्सेफलाइटिस (मस्तिष्क की सूजन) का कारण बनता है। यह वायरस रोगजनक रबडोविरिडे परिवार के वेसिकुलोवायरस जीन का सदस्य है। यह मच्छरों और मक्खियों जैसे रोगवाहकों से फैसला है।

एनआईवी को भेजे गए रक्त नमूने

साबरकांठा जिले के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी राज सुतारिया ने बताया कि सभी छह बच्चों के रक्त के नमूने पुष्टि के लिए पुणे के राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) को भेजे गए है और उनके नतीजों का इंतजार है। उन्होंने बताया कि हिम्मतनगर सिविल अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञों ने दस जुलाई को चांदीपुरा वायरस की वजह से चार बच्चों की मौत के बाद संदेह जताया था। सुतारिया ने बताया कि अस्पताल में भर्ती दो अन्य बच्चों में भी इसी तरह के लक्षण दिखाई दिए हैं। ऐसा लगता है कि वे भी इसी वायरस से संक्रमित हैं। जिन चार बच्चों की मौत हुई है, उनमें से एक साबरकांठा जिले का था और दो पड़ोसी अरावली जिले के थे। चौथा बच्चा राजस्थान का रहने वाला था। उन्होंने बताया कि अस्पताल में जिन दो बच्चों का इलाज चल रहा है वे भी राजस्थान के हैं। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि राजस्थान में अधिकारियों को बच्चों की मौत के बारे में सूचित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, हमने मरने वाले चार बच्चों सहित सभी छह नमूने पुणे स्थित एनआईवी भेज दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि संक्रमण को रोकने के लिए जिला अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों में मक्खियों को मारने के लिए निवारक उपाय करने के लिए टीमों को तैनात किया है।

आप नेता संजय सिंह का दावा

जेल में अरविंद केजरीवाल का कम हुआ 8.5 किलो वजन

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का लगातार वजन घटने पर आम आदमी पार्टी ने गंभीर चिंता जताई है। आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद से अब तक उनका करीब 8.5 किलो वजन घट गया है। वजन का लगातार कम होना गंभीर बीमार का संकेत हो सकता है। 21 मार्च को गिरफ्तारी के समय उनका वजन 70 किलो था। अब यह घटकर 61.5 किलो रह गया है। इस बीच 5 बार सोने के दौरान सीएम का शुगर लेवल गिरकर 50 तक आ चुका है। अगर सोते समय अचानक शुगर गिरता है तो व्यक्ति कोमा में जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा और पीएम मोदी केजरीवाल को जेल में रखने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने की साजिश रच रहे हैं। इसी साजिश के तहत इनकी ईडी ने केजरीवाल की जमानत पर गैर कानूनी ढंग से स्टे लिया और बाद इन्होंने झूठे केस में सीबीआई से उन्हें गिरफ्तार करा दिया। आपको उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सीबीआई मामले में भी सीएम केजरीवाल को जल्द राहत मिलेगी।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि हम पहले दिन से कह रहे हैं कि भाजपा का मकसद एक तरफ अरविंद केजरीवाल को जेल में रखकर उन्हें प्रताड़ित करना है और दूसरी तरफ वे उनकी जिंदगी के साथ खिलवाड़ करना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उन्हें कोई गंभीर बीमारी हो जाए या जेल में उनका स्वास्थ्य खराब हो जाए। इसके लिए भाजपा एक गहरी साजिश रच रही है। जब 21 मार्च को केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई थी, तब उनका वजन 70 किलोग्राम था, लेकिन आज उनका वजन 8.5 किलो घटकर 61.5 किलोग्राम रह गया है।

'बांधों के निर्माण से जलधारा बनकर रह गई है सतलुज नदी'

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश संजय करोल ने जलवायु परिवर्तन पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि सतलुज नदी पर बांधों के निर्माण की वजह से ये एक छोटी से जलधारा बनकर रह गई है। जस्टिस संजय करोल ने कहा कि इससे पूरा पारिस्थितिकी तंत्र बदल गया है।

'नदियां सूख रही हैं'

सुप्रीम कोर्ट जज ने कहा कि 'बढ़ते तापमान और मानवीय गतिविधियों के कारण कुछ नदियों के हिस्से सूख रहे हैं। भारत की एकमात्र ट्रांस-हिमालयी नदी सतलुज कई बांधों के निर्माण के कारण एक छोटी से जलधारा बनकर रह गई है।' जस्टिस करोल ने कहा कि 'विभिन्न सरकारों ने गंगा की सफाई पर 30,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। हम मौजूदा स्थिति को जानते हैं। इस मुद्दे पर बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। दुर्भाग्य से, प्रसिद्ध गंगा नदी डॉल्फ़िन कहीं नहीं दिखती हैं।' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन की वजह से खेती को नुकसान हुआ है।

'जलवायु परिवर्तन से कृषि उपज में आ रही कमी'

जस्टिस करोल ने कहा, 'भारत की लगभग 58 प्रतिशत आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों पर निर्भर है। कई क्षेत्रों में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है लेकिन कृषि ने अपना प्रभुत्व बनाए रखा है। भारत ने 1970 के दशक में हरित क्रांति के साथ खाद्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल की और अब हम अपनी पूरी आबादी के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न का उत्पादन करते हैं, लेकिन अब जलवायु परिवर्तन के कारण भारत की कृषि उपज में कमी आई है। खेती की स्थिति और भारी रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से कृषि उपज में कमी आई है। हमने देखा है कि पंजाब में क्या हो रहा है - अत्यधिक सिंचाई से भूजल का स्तर लगातार कम हो रहा है।

जस्टिस करोल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में कृषि क्षेत्र देश की नदियों से जुड़ा हुआ है, लेकिन हाल के वर्षों में मानसून के पैटर्न में बदलाव के कारण, नदियाँ और वनस्पतियों, जीवों और समुदायों का विशाल नेटवर्क प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा, 'यह समय की मांग है कि सभी को पर्यावरण कानूनों, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और इससे बचाव के आधुनिक तरीकों के बारे में लोगों को जागरुक किया जाए।' इसी कार्यक्रम में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन ने भी कहा कि 'जलवायु परिवर्तन अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा है और उन्होंने इस समस्या का व्यापक समाधान खोजने के लिए नीति आयोग की तरह भारत में एक स्थायी आयोग की स्थापना का आह्वान किया।'

ऐ ज़िंदगी गले लगा ले : इलैया राजा

अतुल कुमार

जब भी उनकी बनायी संगीत की धुन फिज़ां में गूंजती तो सुनने वालों के बीच हलचल पैदा कर देती है क्यों कि उसका अनूठा , अनुपम और आकर्षक रूप उनके दिलों में बसता .सातवें दशक में पहली बार प्रसिद्ध संगीत निर्देशक सलिल चौधरी ने यह घोषणा की कि मैने उस समय का नाम (मद्रास) में ऐसे संगीतकार की नायाब धुनों को सुना जो देश के महान संगीत निर्देशक बनने जा रहे हैं . उनके संगीत की विशेषता है कि जो उसे एक बार सुन लेगा उसको कभी भुला नहीं पायेगा बांसुरी और गिटार बजाने में उनका कोई सानी नहीं है . इसका वादन कर रहे थे तब मैंने उनके जादुई वादन को ध्यान से सुना और उनके कौशल को निहारता रहा . मुंबई में आर डी बर्मन ने उनके संगीत की धुनों को सुना तो उसकी मिठास और नयेपन से इतने प्रभावित हुए कि उनसे नोट्स लिये और उनको हैरत से हाथ जोडे .यह महान संगीतकार कोई और नहीं बल्कि भारतीय संगीत जगत के नामी संगीत निर्देशक इलैया राजा हैं जिन्होंने अपने संगीत से कई सुनहरे अध्याय मौसिकी की दुनिया में लिखे .

तमिल ,तेलुगु , मलयालम, कन्नड और हिंदी सिनेमा के जानेमाने इस संगीतकार ने पहले दो गैर फिल्मी अल्बमों में भारतीय और पश्चिमी संगीत के मिश्रण को ले पहली बार प्रस्तुति दी तो उसकी सर्वत्र सराहना हुई और श्रोता उसे सुन मुग्ध हुए . पहला " हाउ टू नेम इट " और दूसरा " नथिंग बट विंड " शीर्षक के अनुसार उनका मंतव्य है कि संगीत एक प्राकृतिक घटना है जो हवा की धाराओं के विभिन्न रूपों के समान है . हिंदी फिल्म गानों के रसिक कमल हासन और श्रीदेवी की चर्चित फिल्म " सदमा " के गीत " ऐ ज़िंदगी गले लगा ले " को भूले नहीं है जिसने श्रोताओं को लुभाया . किसी भी म्यूसिक डायरेक्टर के लिये 1000 फिल्मों में संगीत देना आसान नहीं है लेकिन ईलैया राजा ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल कर अपने संगीत की ऐसी धाक जमायी कि वह संगीत महर्षि कहलाए.

कम लोगों को पता है कि मशहूर संगीत निर्देशक ए आर रहमान ने अपने कैरीयर की शुरुआत उनके असिस्टेंट के रूप में की . सन 2015 में 1000 वी फिल्म का संगीत निर्देशन किया तब रहमान ने ट्वीट किया कि " संगीत के आचार्य का धन्यवाद जिन्होंने हज़ार फिल्मों में क्वालिटी म्यूसिक दे संगीत प्रेमियों का दिल जीता जो इंस्पायरिंग और सीखने योग्य है " . इलैया राजा ने अधिकतर तमिल फिल्मों में संगीत दिया लेकिन अन्य भाषाओं की फिल्मों में संगीत दे शोहरत की उंचाइयों को हासिल किया . फिल्म " नायकन " के संगीत ने लिसनर्स को मोहित किया.

उनके रचे संगीत की फिलासफी एकदम अलग है उनकी धारणा है कि संगीत स्वतः बनता है न कि उसे बनाया जाता है गीतों के भावों संग वो इतना घुल मिल जाता है कि उसे प्राणवंत बना देता है . पूरी दुनिया में संगीत ऐसी भाषा है जिसे सभी समझते और जानते हैं इसलिये वह टाइमलेस है . ज़िंदगी के अनुभव और तालीमों से जो मिलता है संगीत में वही उतरता है इसलिये श्रोताओं को उनमें अपनी ट्यूंस सुनायी दीं जो दिल के करीब बनीं . कहा भी कि जिस प्रकार " महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को कठिन से कठिन मैथ्स के प्रश्न हल करने के लिये किसी दैवी शक्ति का आशीर्वाद था उसी तरह मेरी म्यूसिक कंपोसिंग को भी वही आशीर्वाद मिलता है क्यों कि जब भी कोई धुन दिमाग में आती है तो नये पन को ले कर आती है . वास्तव में यह कला की अनमोल देन है . कई बार धुनों को तैयार करने में कई दिन लगते है लेकिन कई जल्दी बनती हैं क्योंकि मस्तिष्क में आइडियास तभी आयेंगे जब वह पूरी तरह समर्पित हो इसलिये यह तपस्या है " .

इलैया राजा को सन 1976 में फिल्म " अन्नाकिल्ली " के हिट होने के बाद जो सफलता मिली उसके बाद पीछे मुड कर नहीं देखा . अपनी हर धुन के लिये कडी मेहनत करते . क्यों कि इसमें सेंस आफ फ्रेशनेस होनी चाहिये, संगीत हर तरफ सुना जाता है लेकिन मन में जगह तभी बनती है जब उसमें ताज़गी और मौलिकता हो . इन दिनों संगीत तैयार करने के लिये तकनालाजी ने कई मैकानिज़्म तो बना दिये हैं लेकिन आत्मा को छूने वाला संगीत वाद्यों से ही निकलता है जिसको हम टाइमलेस पर्फार्मेंस कहते हैं . जो सालों बाद भी कानों में मिठास घोलता है . इलैया राजा के अनुसार संगीत में वह शक्ति है जो अशांत मन को शांत कर उसे फिर से उत्साहित ,ऊर्जावान और उमंगित बना सकता है .

उम्दा संगीत बनाने की सनक के चलते उन्होंने सबसे पहले तमिल लोक गीतों और संस्कृति से जुडी रचनाओं को इकट्ठा किया और दक्षिण भारतीय म्यूसिक के मेंन स्ट्रीम में इंडियन और वेस्टर्न म्यूसिक के मिलान से उनकी भावनाओं को इतनी प्रभावी तर्ज़ों में बांधा कि श्रोताओं के लिये शानदार अपील का माध्यम बने देश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को संगीत के दिलकश अंदाज़ में पेश किया . गौर तलब है कि किसी भी ट्यून या चले संगीत को कभी दुहराया नहीं बीती 3 जून को उम्र के 81 वे वर्ष में प्रवेश किया लेकिन अब भी विद्यार्थी की तरह संगीत के नये पाठ सीखने ,जानने और मनन करने में पीछे नहीं रहते . इस यशस्वी संगीत साधक के संगीत के प्रति आकर्षित होने की दिलचस्प घटना है . पारिवारिक पेशे खेती को करते हुए लोकगीतों ,भजनों और सांस्कृतिक गानों को सुन बचपन में बाल मित्रों के साथ आनंदित हो झूमते गाते . उनका जन्म 3 जून 1943 को तमिल नाडु

के थेनी ज़िले के पन्नापुरम गांव के गरीब ग्रामीण परिवार में हुआ खेतों में काम करते और हल चलाते हुए लोक गीतों को सीखा और बांसुरी बना उस पर हाथ आज़माया और उसके वादन में इतने पारंगत हुए कि लोग उनके बांसुरी वादन में अपने प्रिय गीतों को सुन हैरान हुए . कुछ ही समय में गांव गांव में उनकी चर्चा होने लगी . फिल्म संगीत के क्षेत्र में उनके आगमन ने फिल्म इंडस्ट्री में नयी ज़मीन तोडी .फिल्मों के लिये ध्वनियों की समृद्ध श्रंखला को तैयार किया जिसने सिने दर्शकों से प्रशंसा बटोरी .

ग्रामीण लोगों के लिये लयबद्ध लोक गुणवत्ता , शास्त्रीय संगीत के उत्साहित जनों के लिये कर्नाटक रागों के इस्तेमाल और शहरी लोगों के लिये आधुंनिक पश्चिमी संगीत ने उनकी विशाल फैन फालोविंग बनायी अपने चुंबकीय संगीत से 8000 से अधिक गानों की धुनों को कंपोस कर शोहरत की बुलंदियों को हासिल किया .कहा गया कि " ज़िंदगी एक सफर है सुहाना \ इस सफर में सिर्फ मुझे संगीत ने ही जाना // " इलैया राजा ने इसे सार्थक किया . खेत खलिहानों से निकल पूरे संसार को मोहित किया . सोचिये ! कितनी महान साधाना की होगी . पांच बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए . अपने कौशल से मद्रास को संगीत की राजधानी के रूप में बदला. कंप्यूटर पर पहली बार फिल्म " पुन्नामई मन्नन " का म्यूसिक कंपोस कर हैरान किया. तमिल गानों को सुनने के रुझान को बढाया युवा वर्ग ने सिर्फ उनका संगीत सुनने के लिये सिनेमा घरों का रुख किया क्योंकि उसमें मधुर मेलोडी होती .

संगीत के महान आर्टिस्ट होने के साथ शालीन, विनम्र और उसके प्रसार में जुटे रहते हैं उदाहरण के लिये कुछ युवाओं ने मिल क्राउड फंडिंग से फिल्म बनायी और उनसे मुफ्त में संगीत तैयार करने का अनुरोध किया तो सहर्ष मान गये . भारतीय संगीत में ऐतिहासिक योगदान के लिये सन 2022 में उनको राज्य सभा के माननीय सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया . भारतीय सिनेमा के 100 वर्ष पूरे होने पर कुछ प्रसिद्ध चैनलों द्वारा सन 2013 में सर्वश्रेष्ठ संगीतकार चुनने के लिये देश में पोलिंग करवायी गयी जिसमें 50% वोट पा " बेस्ट म्यूसिक डायरेक्टर " के रूप में चुने गये .उच्च कोटि के लेखक भी हैं उनकी लिखी पुस्तकें " मेरे आध्यात्मिक अनुभव " और " फोक : द क्राफ्टिंग आफ ए रूरल पापुलर म्यूसिक इन साउथ इंडिया " आदि के कई संस्करण प्रकाशित हो चुके हैं . अन्नामलाई विश्वविद्यालय द्वारा उनको डाक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया .

वास्तव में संगीत उनकी धमनियों में बस चुका है इसलिये वो जो भी संगीत रचते हैं उसमें सुनने वालों के दिलों की आस होती है . सबसे बडा सवाल है कि हम भिन्न क्षेत्रों के लीजेंड्स को नायक न मान एक दो क्षेत्रों की बडी हस्तियों तक कब तक सिमटे रहेंगे ? सोचिये ! ज़िंदगी से जुडे गीतों को इलैया राजा ने जिस संगीत में पिरोया वह टाइमलेस है . उन्हीं की बनायी धुन से सजा गीत है " ऐ ज़िंदगी गले लगा ले / हमने भी तेरे हर इक गम को गले से लगाया है , है न ? "

काव्य कुंज

मेरी ज़िंदगी

-बलविंदर सिंह, गुरदासपुर

अगर आंसूयों में रवानी ना होती।
मेरी जिंदगी जिंदगानी ना होती।
ना करता कभी मैं तेरे दर पे सजदा।
अगर वाकफियत पुरानी ना होती
अगर दोस्ती में ना आंसू बरसते,
कभी दुश्मनी पानी पानी ना होती।
ना मिलती मुझे इन फकीरों की संगत,
गुरू की अगर मेहर बानी ना होती।
किसी से मुहोब्बत ना होती किसी से,
अगर ज़िंदगी आनी जानी ना होती।
अगर ना मुहोब्बत के शोले बरसते,
किसी दिल जले पर जवानी ना होती।
अगर मौत आई ना मुझको ऐ बालम
मेरी ज़िंदगी इक कहानी ना होती।

गाँव में एक रात

अभी रात का एक बजने को है,
झींगुर अपनी सुरमई आवाज में
गा रहे हैं
कुत्तों के भोंकने की आवाज से निश्चिन्त।
बेरोजगार लड़के छत पर
लालटेन जलाकर तपा रहे हैं बदन
फोड़ रहे हैं आँखें
बुन रहे हैं स्वप्न
एक कोई भी नौकरी का।
सारा गाँव चैन की नींद सोता है,
तब गाँव के कुछ होनहार लड़के
सारे महाद्वीप पर हाईलाइटर से
कर रहे हैं रंग-रोगन किताबों का।
जिनके पास हैं ज़मीनें,
जिनके पास है, नठियाई का धन!
अक्सर देखना,
उनके बच्चे नहीं पढ़ते एक आँख।
लो अब एक बज गया
बगल के एक गाँव में हो रहा है
बरमदेव महाराज के थान पर तमाशा।
विदूषक कह रहा है - 'तमाशा देखनें
वाले तमाशा खुद न बन जाना' ।
झींगुर शाश्वत प्रेम के प्रतीक हैं
गाँव में जितनी घुप्प अँधेरी रात होगी,
प्रेम में पड़े लोग निकल जायँगे
किसी वीरान पड़ी झोपड़ी में।
और मद्धिम स्वर में दौरायँगे-
जिंदगी में कुछ न कर सको तो
प्रेम करना गाँव की साँवली लड़की से।

राजकुमार बघेल प्रभात, कासगंज

पीड़ा और माध्यम

संजय एम. तराणेकर

मैं अक्सर सोचता हूँ
कैसी व्यक्त होती हैं पीड़ा.
देखा ज़ब एक दिन
स्वयं को व्यक्त होते हुए.
हिम्मत नहीं थीं,
कुछ भी कार्य कर पाने की.
फिर भी अव्यक्त हो,
निरंतर करता गया.
हो रही पीड़ाओ को,
बिन कुछ कहे सहता गया.
मैंने देखा क्यू होता हैं,
कैसे व्यक्त होता हैं,
व्याकुल मन के भाव
आँसुओ में लिपट बहने लगे.
फट पड़ा क्या मेरी पीड़ा,
तभी दिल की गहराईयों को
अंदर तक छू पाएगी,
ज़ब अश्रुओं की धारा बहेगी.
सच पीड़ा को भी,
व्यक्त होने के लिए
माध्यम का साथ चाहिए.

प्यारी आई

प्रतिमा सिंह हैदराबाद

मेरे पड़ोस में दो बच्चे हैं,
नन्हे मुन्ने प्यारे- न्यारे हर
वक्त कहें या कि हर लम्हे
आई- आई रटते रहते हैं।
कितना माधुर्य कितना रस है,
इन दो शब्दों की बोली में,
एक चित्र लिखित दृश्य झलक आती है,
अदृश्य से इन नैयनों में।
मुंह अंधेरे उठकर आई,
कितना कुछ कर जाती है ।
रसोई बनाती लाड- लड़ाती,
प्यार से उनको जगाती है।
आई स्कूल नहीं जाना, मेरे कपड़े?
मेरा बैग? आई मेरा टिफिन ??
अंतहीन है उनकी बातें कभी खत्म नहीं होती,
धैर्य करुणा ,वात्सल्य की मूर्ति,
आई कभी नहीं थकती है ।
प्यार मनुहार से इन्हें पालती,
स्नेह - सुधा से सींचती है।
त्याग समर्पण के भावों से रहती है,हरी-भरी
तभी तो मिलती, मातृत्व की गरिमा।
धरा की जैसी मां भी होती है ।
हर दुख को सह जाती है।
तभी तो मां कहलाती है,
तभी तो आई कहलाती है।

राधिका की अभिलाषा

अमित पाठक शाकद्वीपी

मुझे बना कर बंसी कान्हा,
उन अधरन पर तुम सजालो,
तन मन तुझको सौंप दिया है,
तुम चाहो तो मुझे अपनालों।
तुम बीन जीवन फीका फीका,
तुम जो दिखे फिर कोई न दिखा,
तेरे प्रेम की पाती बनकर,
मैंने जीवन जीना सीखा।
मुझ राधा को तुझको अर्पण,
किया प्रीत में सर्व समर्पण,
हम तुम दोनो रमें रहें यूं,
छवि तेरी मेरा मन हो दर्पण।
बन कर बंसी जैसी संगी,
जैसे उमा शंकर अर्धंगी,
अपने रंग में रंग लो कान्हा,
मैं तो तेरे रंग में रंगी।
हर पल तेरे संग रहूंगी,
शब्द स्वरों में बात करूंगी,
कब तक तेरा राह निहारूं,
तुम बीन कब तक आह भरूंगी।
करते हो ये वादा तुम जो,
सब कुछ आधा आधा अब तो,
श्याम नाम की शोभा बढ़े जब,
नाम हमारा तेरे संग हो,
इतने में प्रभु जी मुस्काए,
लिए राधिका अंक लगाए,
झूम उठी फिर दसो दिशाएं,
धरती गगन समीर हर्षाए।
कही प्रभु ने बात ये सुन्दर,
बसे हो तुम तो उर के अंदर,
तुमसे ही है सब हमारा,
बंसी लेती नाम तुम्हारा।
क्यों मैं संग रखूं ये वेणु,
जब जब जाऊं चराने धेनु,
इस बंसी में बास तुम्हारा,
तुम हो इसकी रेणु रेणु।

अधूरे ख्वाब

गीता अग्रवाल हैदराबाद

अधूरे ख्वाब लिए बैठे ,
सोचा न था न पूरे होंगे !
जिंदगी गुजर गई आधी,
लगता नहीं अब पूरे होंगे !!
धर्म नाम पे लड़ना बंद
हो, एक ख्वाब सजाया था,
न जाति में वोट बंटे, यह भी समझ तो आया था,
गरीब अमीर खाई पट जाए,कितना जोर लगाया था
ख्वाब तो ख्वाब रह गए, सोचा न था अधूरे होंगे ।
अधूरे ख्वाब लिए बैठे , सोचा न था न पूरे होंगे !
जिंदगी गुजर गई आधी, लगता नहीं अब पूरे होंगे !!
मिलजुलकर जंग लड़ी थी, पाने को आजादी को,
स्वार्थी बन खड़े हो गए,आग लगाने वादी को,
गर्व बजाय, कोस रहे हैं अपनी ही आबादी को
अपने ही अपनों को लूटें, ऐसे पैदा लुटेरे होंगे !
अधूरे ख्वाब लिए बैठे , सोचा न था न पूरे होंगे !
जिंदगी गुजर गई आधी, लगता नहीं अब पूरे होंगे !!
राम-कृष्ण का देश ही देखो, लगता है एक सपना सा,
कहीं कंस,कहीं दुर्योधन, किसको समझे अपना सा,
कहां से ढूंढ के लाएं, जो सच्चाई का नपना था,
रामराज का ख्वाब अधूरा, पैदा रावण घनेरे होंगे !
अधूरे ख्वाब लिए बैठे , सोचा न था न पूरे होंगे !
जिंदगीगुजर गई आधी, लगता नहीं अब पूरे होंगे !!

खुशियाँ-गम

टी तारासिंह हैदराबाद

जिंदगी है छोटी खुशियाँ हो ज्यादा
खुशियाँ मना ले गम को भूल जा
गम तो चोली दामन का साथ रहता
जिंदगी जीना है जींदा दिली से
खुशियाँ खरीदी नही बेची भी नही जाती
गम बेची नही खरीदी भी नही जाती
ये तो कुदरत का बनाया नियम है
खुशियाँ-गम जिंदगी मे बराबर नही होते
खुशियाँ को चखले मिठाई की तरह
प्यार से जरा मन मे भी बसा ले
मन को जरा ओर उल्लासित कर ले
गम को दवाई की तरह खा ले
गम को सहन करना सिख ले
तभी तो हो जाते जिंदगी के इरादे मजबूत
तभी तो चलते हो सही पथ पर
अपना लक्ष्य आसानी से पा लेते हो ।।

हाँ मैं हिन्दू हूँ

जे गंगाधर 'गंध' जियागुडा,हैदराबाद

हाँ मैं हिन्दू हूँ,
सर्वधर्म समभाव मानता हूँ
इसीलिए मैं हिन्दू हूँ।
मानव सेवा ही माधव सेवा,
अहिंसा परमो धर्मः मानता हूँ,
हिंसा धर्म तथैवचा भी जानता हूँ,
सर्वभूतानां सुखिनः संतो मार्ग है मेरा,
सौभ्रातृत्व समैक्यवाद का चिंतक हूँ,
वसुधैव कुटुंबकम का पथिक हूँ,
मिलनसार आत्मीयता का द्योतक हूँ,
चींटी को भी आटा खिलाता हूँ,
गजराज को भी खिलाता हूँ ग्रास,
हर कोई मेरे लिए होता है खास,
प्रकृति का आराधक हूँ, सुसंस्कृति का वारिस हूँ,
विकृति का प्रतिरोधक हूँ, इसीलिए मैं हिन्दू हूँ।
मात्र मैं सामाजिक प्राणी ही नहीं,
परमपिता परमात्मा का अंश भी हूँ,
कंकर कंकर में शंकर के दर्शन करता हूँ,
गौ हमारी माता है, जन्म जन्मांतर का नाता है,
हर नारी का सम्मान करता हूँ, इसीलिए मैं हिन्दू हूँ।
हिमालय पर्यंत हिन्द महासागर मध्य
गंधार से लेकर बर्मा तक के आंचल में
बसा एक जागरूक भारतीय नागरिक हूँ
धर्मो रक्षति रक्षितः कर्म है मेरा,
जय श्री राम पुरुषोत्तम आदर्श है,
श्री कृष्ण का पथ प्रदर्शन आकर्ष है,
भारत भारतीय भारतीयता, यह गंगा की धरा है,
जहाँ गंगा की धारा है, परम पावनी जीवन दायिनी
गंगा की धार है, हिन्दुत्व का सार है
हाँ तो मैं हिन्दू हूँ। जननी जन्म भूमि हमारी
स्वर्ग से महान है न्यारी परम वैभव हो उन्नति हमारी
यही कामना है साधना सारी धरती हमारी पूज्य है प्यारी
इसी तथ्य को जानता हूँ, सत्य सनातन ही मानता हूँ,
हाँ हाँ मैं हिन्दू हूँ। हाँ मैं हिन्दू हूँ।

सजन

रेणुका अग्रवाल हैदराबाद

बदले बदले से हालात है
रूठे रूठे से जज़्बात है
क्यों काली तन्हा रात है
क्यों बेबस मुलाकात है।
सजन क्या भूल हुई है।
दुनिया तो शूल हुई है।
अफ़सोस की बात है बरस रही बरसात है
दिल पे हुआ आघात है उदास खयालात है।
सजन क्या भूल हुई है। दुनिया तो शूल हुई है।
तारे भीचमक रहे है। जुगनू भी दमक रहे है।
बिजली डरा रही धक धक, बादल घुमड़ घुमड़ रहे है।
सजन क्या भूल हुई है दुनिया तो शूल हुई है।
कल कल नदिया बह रही। सागर की ओर चल रही।
अपनी मंजिल पाने को,प्यार अपना जताने को।
सजन क्या भूल हुई है सांसे क्यों शूल हुई है।
जीवन मेरा तुमसे है सनम। रात दिन क्यों अंधेरा है।
फूल से रोज़ मेहको खूब, सूरज से निकलो रोज़ सवेरे।
ज़िस्त ऐसे क्यों कबूल हुई है। सजन क्या भूल हुई है।
दुनिया तो शूल हुई है।फिर भी जिंदगी, कुबूल हुई है।
सजन क्या भूल हुई है। ये दुनिया तो शूल हुई है।

जिसके ऊपर तू स्वामी...

दर्शन सिंह हैदराबाद

चौखट से बाहर रखे ही थे कदम
व्यवधानों की बरसात
ओफ यह क्या
दिशादिगत अवसादों विषादों की बारात
हां आ भी जाती है नीचे से ऊपर थकान
बस बन कर रह गया खंडहरों की मचान
जो कुछ भी हो,कर अरदास
देख कैसे काज तेरे सवारे
जिसके सिर ऊपर तू स्वामी
सो दुःख कैसा पावे
कभी कभार महसूस होता है
सब का सुख ही चाहा था
अपनी लक्ष्मण रेखा में रहा था
न जाने क्यों फलीभूत नहीं हो पाता हूं
आगे कुआं पीछे खाई, गड्ढों में धस जाता हूं
बंदिया क्यों काली पैना वे
भोर होगी, निश्चित अमृतफल चाखे
जिसके ऊपर तू स्वामी...
याद रख किसी से अपने को कंपैरिजन नहीं करना है
बस एक नेकी के पथ पर चलना है
प्रभु टेस्ट लेता है देखना चाहता है स्थिर या अस्थिर
हिरण्यकश्यप दुःख देता रहा
लेकिन बाल प्रहलाद अडोल रहा
हुआ दिन प्रतिदिन प्रखर
रंग बिरंगी दुनिया प्यारे
रख धैर्य,बन विश्वस्त, कनारे लगावे
जिसके ऊपर तू स्वामी..

जख्म

संजीव ठाकुर, रायपुर

जख्म ऐ दिल मत दिखा जमाने को।
कि तूने समझा ही क्या जमाने को।
हाथ मिला हमसाया बन।
हमदर्द बना जमाने को ।
देखना चाहता असली चेहरे ।
आईना दिखा दे जमाने को ।
दोगली सियासत फ़िज़ा की।
बेनकाब कर दिखा जमाने को ।
अपने ही लोग कांटे बिछाएंगे ।
बनाकर चमन,दिखा जमाने को ।
मोहब्बत,इश्क,शायरी बेमानी।
शोहरत कमा, दिखा जमाने को,
कर दे रहें संजीव फूलों भरी,
कवि तू ही चला जमाने को।।

छूटते जुड़ते रिश्ते

कमलेश झा

बचपन का वो आँगन
जिस में खेलते थे हम ।
मीठी एहसास का डोर
आज भी यादों से बांधे हम।।
पता नहीं चला कब खेल आंगन से गया ?
और मित्रों की टोली में वह खेल कैसे बदल गया ??
फिर वह टोले मोहल्ले की गलियां ही हो गई मैदान ।
कभी उधम या धमाचौकड़ी कर बीता वह समय महान ।।
आगे स्कूल का वह बक्सा हाथ में लिए स्कूल गया।
अपने सहपाठी और भाई बंधु संग मौज भी खूब किया ।।
पीपल की वह छावं बगीचे का वह आम-अमरुद ।
अधपका सा होकर भी रस से लगता था भरपूर ।।
फिर धीरे-धीरे सारे मित्र मंडली बिछड़ने लगे ।
कोई रोजगार तो कोई अपने पढ़ाई में व्यस्त हुए ।।
कॉलेज का दौड़ जहाँ मिले सभी नए चेहरे ।
पुराने दोस्तों की छवि ढूंढने उसी में लगे रहे ।।
कुछ खट्टी कुछ मीठी यादें आज भी याद है ।
अब उन दोस्तों का पता नहीं क्या हाल है ??
कभी गूगल तो कभी फेसबुक का
सहारा लेकर उनको ढूंढते रहते हैं।
मिल जाने पर अजीब सा सुकून महसूस करते हैं ।।
गांव की वह ताजी हवा याद बहुत आती है ।
गांव वाली मित्रमंडली दिल छू कर जाती है ।।
माता का वह प्यार दुलार अब कहाँ मिल सकता है ?
बचपन का वह खेल खिलौना अब कहाँ मिल सकता है ??
अब तो बस जिम्मेदारी बस घर और परिवार का ।
बेटा बेटी और पत्नी इसी के आधार का ।।
रोजी रोटी घर का छत इसी के इंतजाम में ।
जवानी की सीमा पार कर ली इसी के इंतजाम में ।।
मन में बस तसल्ली है जो मैं कर रहा हूं वही शायद सब करते हैं ।
इसी को मानव जीवन का विभिन्न पड़ाव कहते हैं ।।
मानव जीवन में अलग-अलग पड़ाव है ।
हर पड़ाव का अपना ही एक पड़ाव है ।।
इन्हीं खट्टी मीठी यादों से ही मानव जीवन सफल हो जाता है ।
यही कारण है कि मानव धरा पर बार-बार आना चाहता है ।।

मोहब्बत_उनके ख़ातिर

आकाश पंत गुना

फ़िर से मोहब्बत होती मुझें,
तो शायद मैं दोबारा उनसे ही करता..!!
मेरे हाल-ए-दिल का दर्द समझें ही नहीं वो,
मोहब्बत कैसे जताता उन्हें..!!
आँखों में लिखें मोहब्बत के लफ़्ज़ मेरे,
उनके नज़रो में रहते हुए वो मेरे लफ़्ज़ों को
पढ़ ना सकें.!!
मैं शायद इसलिए खो दूंगा मोहब्बत मेरी,
मैं अपनी मोहब्बत के जज़्बात जुबां से वयं करना सका उन्हें,
शायद वो जान कर अनजान बनें हैं..!!
महज़ यह रिश्ता गुमनाम न हो जाए.,
मेरे हिस्से की मोहब्बत मुझें मिले न मिले उनसे,
शायद मैं बिन बताए उन्हें,
उनके हिस्से की मोहब्बत ताउम्र करता ही रहूं..
- मेरे_अनकहे_शब्द_ ।।

अभाव

हेमंत सुराना

पहले अभावो में खुशियाँ,
आज खुशियों का अभाव
आत्मनियता का अभाव,
भावनाओं का दुर्भाव
जैसा है अपना भाव, वैसा है अपना प्रभाव
समय का अभाव, कम शब्द, ज्यादा प्रभाव
मन के भाव, जीवन का स्वाभाव बुद्धि का अभाव,
नैतिकता में झुकाव बदलाव है स्वभाव, प्रकृति का बर्ताव
अभावो के भावों ने, गहनता को जन्म दिया
अभावो में रहकर ही, इंसान को आगे बढ़ाया
अभावो में रहकर ही, इंसान को आगे बढ़ाया ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी

रविवार 14, जुलाई 2024

12 पैग लगाकर एक्सीडेंट, गर्लफ्रेंड को 40 कॉल

क्या नए कानून में हिट एंड रन को भुगतनी पड़ेगी दोगुनी सजा

7 जुलाई को मुंबई का वर्ली इलाका। तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने स्कूटी सवार कपल को टक्कर मारी। टक्कर इतनी तेज थी कि महिला कार के बोनट पर जा गिरी। कार में बैठे मिहिर शाह ने भागने की कोशिश में महिला को कुचल दिया और डेड बॉडी को 1.5 किलोमीटर तक घसीटा। घटना के बाद बचने के लिए मिहिर ने न सिर्फ गर्लफ्रेंड को 40 कॉल किए बल्कि पहचान छुपाने के लिए अपनी दाढ़ी और बाल कटवा लिए। उन पर 1 जुलाई से लागू नए क्रिमिनल कानून के तहत केस दर्ज किया गया है, जिसमें हिट एंड रन पर दोगुनी सजा का प्रावधान है।

बता दें कि शनिवार, 6 जुलाई की रात करीब 11 बजे मिहिर अपने 2 दोस्तों के साथ जुहू स्थित तापस बार पहुंचा। यहां मिहिर ने अपने दोनों दोस्तों के साथ शराब पार्टी की। मिहिर और उनके दोस्तों ने बार में व्हिस्की के 12 बड़े पैग पिए। पब मैनेजमेंट ने आरोप लगाया है कि मिहिर शाह ने उन्हें जो पहचान पत्र दिखाया, जिसमें उसकी उम्र 27 साल थी। उसके साथ तीन दोस्त भी आए थे, जिनकी उम्र 30 साल से अधिक थी। पुलिस का दावा है कि ऑफिशियल रिकॉर्ड के अनुसार मिहिर 24 साल का है, जबकि शराब पीने की न्यूनतम कानूनी उम्र 25 वर्ष है।

रात के करीब 1.30 बजे मिहिर और उसके दोस्त बार से बाहर निकले। अपने दोस्तों को बोरीवली में उनके घर छोड़ने के बाद मिहिर ने सुबह करीब 3.30 बजे ड्राइवर से मरीन ड्राइव चलने के लिए कहा। पुलिस के मुताबिक मरीन ड्राइव से लौटते समय वर्ली में मिहिर खुद गाड़ी ड्राइव करने लगा।

सुबह करीब 5:30 बजे अटरिया मॉल के पास तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू ने स्कूटी सवार कपल को टक्कर मार दी। कोलीवाड़ा इलाके में रहने वाले मछुआरे प्रदीप नखवा ससून डॉक से मछली खरीदकर लौट रहे थे। स्कूटी पर उनके साथ उनकी पत्नी कावेरी भी बैठी थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी पलट गई और दोनों पति-पत्नी कार के बोनट पर गिर गए। पति खुद को बचाने की कोशिश में बोनट से कूद गया, लेकिन पत्नी उठ नहीं सकी। घायल महिला को मुंबई सेंट्रल स्थित नायर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

पुलिस के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में यह दिखा कि घटना के बाद मिहिर शाह ने कावेरी नखवा की डेड बॉडी को करीब 1.5 किलोमीटर तक घसीटने के बाद कार रोकी थी। इसके बाद मिहिर ने अपने ड्राइवर के साथ सीट बदल ली। ड्राइवर ने स्टेयरिंग संभालने के बाद कार बैक गियर में पीछे की तरफ चलाई और सड़क पर गिरी कावेरी को कुचल दिया। इसके बाद दोनों वहां से भाग गए।

ड्राइवर राजर्षि बिदावत कार को ड्राइव करते हुए बांद्रा के कला नगर पहुंचा। यहां उसने कार की विंडशील्ड पर लगे शिवसेना का स्टीकर हटाया, झंडा और नंबर प्लेट भी उतार दी। इसके बाद मिहिर ऑटो से मुंबई के गोरेगांव में रहने वाली अपनी गर्लफ्रेंड के घर पहुंचा। बांद्रा से गोरेगांव जाने के दौरान उसने अपनी गर्लफ्रेंड को 40 बार कॉल किया। गर्लफ्रेंड के घर मिहिर ने करीब 2 घंटे तक आराम किया। इसके बाद मिहिर की बहन आई और उसे लेकर बोरीवली स्थित घर पहुंची। बोरीवली से मिहिर अपनी मां मीना, दो बहनें पूजा और किंजल, दोस्त अवदीप के साथ शाहपुर के एक रिसॉर्ट के लिए रवाना हुआ, जो मुंबई से लगभग 70 किलोमीटर दूर है। इधर, पुलिस लोकेशन ट्रेस कर मिहिर का पता लगाने की कोशिश करती रही। पुलिस ने फुटेज के आधार पर पता लगाया कि ये गाड़ी राजेश शाह नाम के शख्स की है। राजेश शिवसेना (शिंदे) गुट के नेता हैं। जब पुलिस उनके घर पहुंची तो घर पर ताला लगा था। इसके बाद मुंबई पुलिस ने मिहिर शाह की गिरफ्तारी के लिए तेजी दिखाई। पुलिस उसके परिवार, गर्लफ्रेंड और करीबी दोस्तों के फोन लगातार ट्रैक कर रही थी। मुंबई पुलिस ने मिहिर को गिरफ्तार करने के लिए 11 टीमें बनाई।

मिहिर शाह के खिलाफ एक लुक आउट सर्कुलर भी जारी किया गया। इसी बीच 8 जुलाई की रात मिहिर अपने दोस्त अवदीप के घर विरार आया। अवदीप ने 15 मिनट के लिए अपना फोन चालू किया। इससे पुलिस को उसकी लोकेशन मिल गई। इस तरह घटना के तीसरे दिन मिहिर शाह और उसका दोस्त अवदीप गिरफ्तार हो गया। उसे 16 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेजा गया है। पुलिस ने रिजॉर्ट से उसकी मां और बहनों को भी हिरासत में लिया है।

मिहिर शाह के खिलाफ पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 यानी गैर इरादतन हत्या, धारा 281 यानी रैश ड्राइविंग, धारा-125 B यानी गंभीर चोट पहुंचाना, 238 यानी अपराध के सबूतों को गायब करना, धारा 184 (खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाना), 134 A यानी घायल को अस्पताल नहीं ले जाना, 134 B यानी पुलिस को जानकारी नहीं देना और एक्सीडेंट से जुड़ी धारा 187 में केस दर्ज किया है। आईपीसी के पुराने कानून की धारा-304 की जगह नए बीएनएस कानून में धारा-105 शामिल की गई है। इसमें गैर-इरादतन हत्या के आरोप में अधिकतम आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है।

अगर कोई लापरवाही से वाहन चलाकर किसी व्यक्ति की मौत का कारण बनता है। ऐसे एक्सीडेंट से हुई मौतों के मामलों में बीएनएस कानून में धारा-106 शामिल की गई है। धारा-106 (1) के तहत अधिकतम 5 साल की सजा और जुर्माना लगाया जा सकता है।

नए कानून के मुताबिक आरोपी व्यक्ति एक्सीडेंट करने के बाद पुलिस या मजिस्ट्रेट को सूचित किए बगैर वारदात स्थल से भाग जाए तो उसके खिलाफ धारा-106 (2) के तहत मामला दर्ज हो सकता है। इसमें दोगुनी यानी 10 साल तक की सजा और जुर्माना हो सकता है।

ऐसे मामलों में पहले की तरह थाने से जमानत नहीं मिलेगी। लेकिन, घटनास्थल से भागने पर सजा दोगुनी होने को कठोर मानते हुए ट्रक ड्राइवरों ने हड़ताल कर दी थी। उसके बाद सरकार ने इस कानून पर दोबारा से विचार करने का आश्वासन दिया था।

1 जुलाई से नए कानून लागू होने के बाद नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी NCRB के संकलन एप में धारा-106 (2) को लाल रंग से डिस्प्ले किया जा रहा है। इसके मुताबिक BNS कानून की इस धारा को 1 जुलाई से लागू नहीं किया गया। इस बारे में सभी राज्यों की पुलिस को सही से जानकारी नहीं है। यही वजह है कि महाराष्ट्र के नागपुर में 106 (2) के तहत केस भी दर्ज हुआ है। इसके बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय को नोटिफिकेशन जारी कर पुलिस विभाग को साफ-साफ जानकारी देने की जरूरत है। नए कानून के मुताबिक मोटर व्हीकल एक्ट की धारा-134 में भी केंद्रीय और राज्यों के स्तर पर बदलाव करने की जरूरत है।

नए आपराधिक कानून दिसंबर 2023 में बने थे और फिर उन्हें 1 जुलाई 2024 से लागू करने के लिए 24 फरवरी को अधिसूचना जारी की गई थी। सरकार अगर किसी धारा को लागू करने पर रोक लगाना चाहती है तो उसके लिए नोटिफिकेशन में साफ तौर पर इसकी जानकारी देना जरूरी है। सरकार अगर ऐसा नहीं करती है तो नए कानून की सभी धाराएं 1 जुलाई से लागू हो जाएंगी।

मिहिर शाह के पिता राजेश शाह के खिलाफ भी पुलिस ने बीएनएस कानून की धारा-105 के तहत मामला दर्ज कर लिया था। बचाव पक्ष के अनुसार राजेश ना तो गाड़ी चला रहे थे और ना ही मौके-ए-वारदात में थे। इसलिए उनके खिलाफ धारा-105 यानी गैर-इरादतन हत्या करने का मामला नहीं बनता।

लेकिन, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मिहिर शाह के भागने के बाद उसके पिता राजेश शाह गाड़ी को छिपाने की फिराक में थे। बचाव पक्ष की दलीलों के आधार पर जज ने चेतावनी देते हुए राजेश शाह को 15,000 रुपए के बॉन्ड पर जमानत दे दी। आपराधिक मामलों में सभी आरोपियों के खिलाफ एक जैसी धाराओं में मनगढंत तरीके से केस दर्ज करने से पूरा मामला कमजोर हो जाता है। कई बार अकर्मण्यता की वजह से और कई बार जानबूझकर पुलिस वाले ऐसी गलती करते हैं, जिसका फायदा आरोपियों को अदालत में मिलता है।

संविधान रक्षा मुहिम का जवाब है "संविधान हत्या दिवस"

संविधान की रक्षा को लेकर लोकसभा चुनाव के पहले से ही कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल एक तरह का आंदोलन चलाए हुए हैं। नई सरकार के गठन के बाद पहले संसद सत्र में भी विपक्षी दल के सदस्य संविधान की प्रति लेकर सदन में पहुँचे थे। संविधान की प्रति हाथों में लेकर ही विपक्षी सदस्यों ने सांसद पद की शपथ भी ली थी। सत्ता पक्ष को विपक्ष के इस शस्त्र की सचमुच दिव्य काट मिल गई। उसने इमरजेंसी का मुद्दा उठाया। कहा- इमरजेंसी लगाकर और इमरजेंसी के दौरान संविधान की बुरी तरह हत्या करने वाले लोग संविधान की रक्षा की दुहाई न ही दें तो अच्छा रहेगा। बात पुरानी है, लेकिन यह सही है कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाकर संविधान के तहत आम आदमी को प्रदत्त तमाम अधिकारों को कुचल डाला था। जिसको चाहे सरकार जेल में ठूँस रही थी। तमाम विपक्षी नेता जेलों में बंद कर दिए गए थे। मीडिया में वे ही खबरें आती थीं जो सरकार की वाहवाही से भरी होती थीं। बाक़ी खबरों के प्रकाशन या प्रसारण का मीडिया को अधिकार नहीं था। कुल मिलाकर सत्ता पक्ष ने विपक्ष के संविधान बचाओ आंदोलन या मुहिम की तोड़ निकाली और आखिरकार शुक्रवार को एक नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया, जिसमें 25 जून को "संविधान हत्या दिवस" घोषित कर दिया गया। सरकार का कहना है कि इस दिन को याद करके लोगों को और आने वाली पीढ़ी को यह पता चलेगा कि 25 जून 1975 को आख़िर क्या हुआ था और भारत के संविधान को किस तरह कुचला गया था। इधर कांग्रेस का कहना है कि सुर्ख़ियाँ बटोरने का सत्ता पक्ष का ये एक और प्रयास है। कांग्रेस का कहना है कि आपातकाल तो पिछले दस वर्षों से इस सरकार ने भी लगा रखा है। फ़र्क़ बस इतना सा है कि यह अघोषित आपातकाल है।

बहरहाल, संविधान की रक्षा और उसे तोड़ने- मरोड़ने की विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच की यह लड़ाई लंबे समय से चल रही है। आगे भी चलती रहेगी। इसका कोई सिरा फ़िलहाल नज़र नहीं आता। दोनों पक्ष अपनी- अपनी जगह सही हैं। ये बात सही है कि इमरजेंसी के सवाल का कांग्रेस के पास कोई जवाब नहीं है। हो भी नहीं सकता, क्योंकि वह दौर ही ऐसा था कि जिसने भोगा, वही जानता है। इसी इमरजेंसी की वजह से पहली बार कांग्रेस को केंद्र की सत्ता खोनी पड़ी थी। जहां तक सत्ता पक्ष का सवाल है, उसने संविधान को तोड़ा- मरोड़ा तो नहीं ही है। कुछ छोटे नेताओं के बयानों को छोड़ दिया जाए तो सरकार ने ऐसा कोई कदम तो फिलहाल नहीं उठाया जिससे संविधान की आत्मा को चोट पहुँचे।

शहीद की वसीयत बनाम ज्ञान की बाढ़

इष्ट देव सांकृत्यायन

वीरगति प्राप्त करने वाले सैनिकों के मरणोपरांत दी जाने वाली राशि का क्या किया जाए, इस पर अपना अत्यंत बहुमूल्य ज्ञान देने से पहले जरूरी है कि उस सैनिक की मनःस्थिति के बारे में भी एक बार जान लिया जाए। यह बात भी ध्यान रखी जाए कि वह सैनिक की अपनी कमाई हुई राशि होती है, वरासत में मिली हुई नहीं। वह कमाई हुई राशि भी कोई मामूली नहीं होती है। उस राशि के बदले में उसने अपना केवल श्रम और कौशल या अपनी विशेषज्ञता नहीं दी होती, यथार्थतः अपनी जान दी होती है। कई बार तो ऐसी जगह जहाँ शरीर के चीथड़े उड़ गए होते हैं और वो चीथड़े भी बटोर कर लाए नहीं जा पाते। मुद्दे पर अपना ज्ञान देने और निरर्थक बहस का मुद्दा बनाने से पहले एक बार सोच लिया करें कि जिनके मन के कोने-कोने में एक रिश्ते के रूप में उस अस्तित्व की स्मृतियाँ समाई होती हैं, जिनके लिए वह एक राजनैतिक या सामाजिक या विधिक मुद्दा भर नहीं होता, उन पर आपके इस महान योगदान से क्या प्रभाव पड़ेगा। जिस तरह किसी सिविलियन का अपनी कमाई हुई राशि पर पूरा अधिकार होता है, वैसे ही सैनिक का भी अपनी कमाई हुई राशि पर पूरा अधिकार होता है। यह ऐसे ही नहीं होता, सेना की दो दशकों से चली आ रही एनओके (नेक्स्ट ऑफ किन यानी निकटतम रिश्तेदार) पॉलिसी के तहत होता है। यह पॉलिसी कोई आज ही नहीं लागू की गई है और न ही बिना सोचे-समझे लागू की गई है। जो लोग अपनी फ्लॉप राजनीति चमकाने के लिए आज कैप्टन अंशुमान के माता-पिता के बहाने उनकी पत्नी की भावनाओं से बर्बरतापूर्वक खेल रहे हैं, उन्हें बहुत अच्छी तरह पता है कि इसे ले आने और लागू कराने का श्रेय जनरल वीपी मलिक को दिया जाता है, जिनका कार्यकाल 30 सितंबर 2000 को ही संपन्न हो गया था। जिस ईवीएम को आज वे गालियाँ दे रहे हैं, उसी ईवीएम के दम पर बीच में दस साल उनकी सरकार रह चुकी है। उनकी सरकार रहते ऐसे कितने कैप्टन शहीद हुए और उनके परिजनों के साथ क्या व्यवहार हुआ, यह शायद अभी के ज्ञानचंद जी लोग भूल गए हैं लेकिन, यह प्रश्न और इसका औचित्य समझने के लिए किसी रॉकेट साइंस के ज्ञान की आवश्यकता नहीं है कि अपनी सरकार रहते उन्हें इस पॉलिसी में संशोधन की जरूरत क्यों नहीं महसूस हुई? अब जब आप यह अमूल्य ज्ञान बिखेर रहे हैं कि उस राशि में माता का कितना हिस्सा होना चाहिए, पिता, या भाई, या बहन, या बुआ, या फूफा, या पत्नी, या बेटी, या बहू, या दामाद, या गर्लफ्रेंड, या पड़ोसन, या फिर किसी और का कितना अधिकार या हिस्सा होना चाहिए... तो प्रभु, आप उस हुतात्मा की इच्छा को ठेंगा दिखा रहे हैं, जो वह पहले ही सेना को अपनी वसीयत में लिखकर दे चुका है। इस वसीयत पर कुछ गवाहों के हस्ताक्षर भी होते हैं और वह चाहे तो उसे अंतिम क्षण तक बदल भी सकता है। क्या आपको अच्छा लगेगा कि आपके कमाए हुए धन के लिए आपकी वसीयत तामील कराए जाने से पहले उस पर देश भर के ज्ञानचंदों से वोटिंग कराई जाए? अगर आपको वसीयत बनाने का अधिकार है और आप चाहते हैं कि उस पर बिना किसी चूं चपड़ के अमल किया जाए, तो किसी सैनिक से उसके न्यायसंगत मूलभूत नागरिक अधिकार आप क्यों छीनना चाहते हैं? केवल इसलिए कि उसने अपना घर-परिवार और सुख-सुविधाएं सब छोड़कर आपकी रक्षा की? क्या आपको नहीं लगता कि आपका यह ओवरफ्लोइंग ज्ञानचंदत्व उसकी वीरगति का घोर अपमान है? इन प्रश्नों से जूझते हुए यह भी ध्यान रहे कि बतौर सिविलियन आपके कमाने और एक सैनिक के कमाने में बहुत अंतर होता है।अगर वाकई अपने ज्ञान का जनहित में कुछ सदुपयोग चाहते हैं तो कभी यह प्रश्न भी उठाइए कि देश की अर्थव्यवस्था पर ज्यादा भार किससे पड़ रहा है?

क्या मुस्लिम महिलाओं के हक में आने वाले फैसले से देश की राजनीति पर पड़ेगा बड़ा असर ?

अशोक भाटिया

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (10 जुलाई) को बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि एक मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत अपने पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है। अदालत ने कहा कि सीआरपीसी का ये प्रावधान सभी शादीशुदा महिलाओं पर लागू होता है, फिर वे किसी भी धर्म को मानती हों। अदालत ने ये भी साफ कर दिया कि मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 को धर्मनिरपेक्ष कानून पर तरजीह नहीं मिलेगी। हालांकि, भले ही आज कोर्ट ने महिलाओं को गुजारा भत्ता देने का आदेश दे दिया है लेकिन एक दौर ऐसा भी था, जब इस मुद्दे पर इतनी ज्यादा सियासत हुई कि इसने देश की राजनीति को ही बदल कर रख दिया। दरअसल, हम 1985 के शाह बानो केस की बात कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो को गुजारा भत्ता देना सही ठहराया था लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को संसद में बदल दिया था। इस फैसले से राजनीति में बड़ा बदलाव हुआ था । शाह बानो मध्य प्रदेश के इंदौर की रहने वाली एक महिला थीं। उनके पति मोहम्मद अहमद खान ने उन्हें तलाक दे दिया था। अहमद खान इंदौर के जाने-माने वाले वकील थे, इसके बाद भी उन्होंने शाह बानो और उनके पांच बच्चों को उनके हाल पर ही छोड़ दिया। शाह बानो ने 1978 में इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने अदालत से गुजारिश की कि उनके पति को उन्हें गुजारा भत्ता देने के लिए निर्देश दिया जाए।

ज्ञात हो कि साल 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया शाहबानो मामले पर फैसले से देशभर में राजनीतिक माहौल गरमा गया था। मुस्लिम धर्मगुरुओं और पर्सनल लॉ बोर्ड ने इस फैसले का पुरजोर विरोध किया था तो इसके जवाब में तत्कालीन राजीव गांधी की सरकार ने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 1986 लागू कर दिया। इस अधिनियम ने तलाक के बाद केवल 90 दिनों तक मुस्लिम तलाकशुदा महिलाओं को अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता पाने के अधिकार को प्रतिबंधित कर दिया। उस समय से लेकर अब तक यह मामला काफी सुर्खियों में रहा है।

इसके बाद साल 2001 में राजीव गांधी सरकार की ओर से लाये गए इस अधिनियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी इसके यह सुनिश्चित हुआ कि मुस्लिम महिलाओं को सम्मानपूर्वक जीवन जीतने के लिए उचित सहायता मिले। 2001 में डेनियल लतीफी नाम के वकील ने 1986 की कानून की वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून की वैधता बरकरार रखते हुए साफ किया था कि 1986 का कानून सिर्फ इद्दत की अवधि तक ही गुजारा भत्ता देने तक सीमित नहीं है। वर्तमान मामला शुरू हुआ था 15 नवंबर 2012 से। उस दिन मुस्लिम महिला ने अपने पति का घर छोड़ दिया। 2017 में महिला ने अपने पति के खिलाफ आईपीसी की धारा 498A और 406 के तहत केस दर्ज कराया। इससे नाराज होकर पति ने महिला को तीन तलाक दे दिया। 28 सितंबर 2017 को उनके तलाक का सर्टिफिकेट जारी हो गया।

दावा है कि तलाक के बाद इद्दत की अवधि तक पति ने महिला को हर महीने 15 हजार रुपये का गुजारा भत्ता देने की पेशकश की।

बिहार: गुनाहगार कोई भी हो, अपराधी पुल ही रहेगा... !

वैसे तो इन दिनो देश में घटिया और जल्दबाजी में किए गए निर्माणों तथा उनके उद्घाटनों की राजनीतिक जल्दबाजी के चलते पुलों, इमारतों, छज्जों के गिरने, ध्वस्त होने और ऐसे अप्रत्याशित हादसों में जान गंवाने की घटनाएं अचानक से बढ़ गई हैं, लेकिन बिहार में जिस तरह एक माह से भी कम समय में विभिन्न नदी-नालों पर बने 13 पुल पुलिया गिरी हैं या गिर रही है, वह यही साबित करता है कि राज्य भ्रष्टाचार के पुल असली पुलों के मुकाबिल बहुत ज्यादा मजबूत हैं। ऐसे पुल, जिनके ध्वस्त होते जाने को लेकर किसी के माथे पर खास शिकन नहीं है। यानी पुल ही तो था, जो गिर गया। अब क्या करें का भाव।

इसको लेकर मीडिया में बहुत हल्ला हुआ तो राज्य की नीतीश सरकार ने 15 इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया। ठेकेदारों पर कार्रवाई की बात भी कही जा रही है। चूंकि बिहार में नीतीश सरकार कपड़ों की मानिंद अपना आवरण बदलती है, इसलिए सभी पार्टियां घटिया पुल निर्माण के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार बता रही हैं। इसमें भी यह सावधानी बरती जा रही है कि उसी पुल के बारे में सरकार को कटघरे में खड़ा किया जाए, जिस वक्त आरोपी पार्टी सत्ता में रही हो।

इस बीच राज्य सरकार ने गिरे हुए पुलों को फिर से बनाने का आदेश दे दिया है। बने अथवा निर्माणाधीन पुल क्यों गिर गए, इसकी जांच-वांच चलती रहेगी। मजबूर बिहारवासी फिर नावों के सहारे या तैर कर नदियां पार कर रहे हैं और अपनी किस्मत को कोस रहे हैं। दूसरी तरफ गैर बिहारवासियों के मन में खौफ समा गया है बिहार से गुजरता खतरे से खाली नहीं है। न जाने कौन सा पुल कब धंस जाए और कोई यात्रा अंतिम यात्रा में बदल जाए।

इस देश में प्राकृतिक आपदा, घटिया निर्माण, गलत डिजाइन आदि के चलते पुलों, भवनों का गिरना कोई नई बात नहीं है। दूसरे राज्यों में भी ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। क्योंकि निर्माण के हर टेंडर में भ्रष्टाचार एक अलिखित लेकिन अनिवार्य शर्त होती है, जो सार्वजनीन है। फर्क सिर्फ इतना होता है कई जगह भ्रष्टाचार और कमीशनबाजी की लक्ष्मण रेखा के परे एक लोकलाज की अदृश्य रेखा भी होती है, जिसे ध्यान में रखकर इतनी सावधानी बरतने की कोशिश होती है कि सिर मुंडाते ही ओले न पड़ जाएं। ऐसे में बहुत सी इमारते और पुल निर्माण के कुछ बरस बाद टूटकर व्यवस्था पर भरोसा कायम रखते हैं।

टूटने या गिरने की स्थिति में उनके उम्रदराज होने का वाजिब कारण बताया जा सकता है। अलबत्ता बिहार में जो पुल गिरे हैं, वो तो बाल्यावस्था से लेकर जवानी में ही दम तोड़ रहे हैं। ऐसी इक्का-दुक्का घटनाएं पहले भी होती रही हैं, लेकिन पुल ध्वस्तीकरण का यह अटूट सिलसिला राज्य में पिछले माह 18 जून से शुरू हुआ, जहां 7 जुलाई तक 13 पुल दम तोड़ चुके थे। टूटने वाली तेरहवीं एक पुलिया है। इस क्रम में गिरने वाला पहला पुल राज्य के अररिया जिले के सिकटी प्रखंड में था।

इसके भी पहले इसी साल मार्च के महीने में सुपौल ज़िले में कोसी नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिरा था। इस हादसे में एक मज़दूर की मौत हो गई थी, जबकि 10 अन्य घायल हुए थे। इसी तरह बिहार में पिछले साल गंगा नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिर गया था। यह पुल क़रीब 1 हजार 717 करोड़ की लागत से भागलपुर ज़िले के सुल्तानगंज और खगड़िया ज़िले के अगुवानी नाम की जगह के बीच बन रहा था। पुल गिरने की इस तस्वीर को बड़ी संख्या में लोगों ने सोशल मीडिया पर साझा किया था और सरकार ने जांच के आदेश भी दिए थे। आगे क्या हुआ किसी को नहीं पता।

यूं भारत में पुलों के बनने और उनके गिरते जाने का अपना इतिहास है, जो देश के सामाजिक और राजनीतिक ताने- बाने के बनने और बिगड़ने के समांतर निर्विकार भाव से चलता रहता है। यह भी हकीकत है कि आज देश में कई पुल ऐसे भी हैं, जो अंगरेजों के जमाने के हैं, लेकिन उम्र ढलने के बाद भी यातायात का बोझा ढो रहे हैं। पुल ध्वस्तीकरण की बात करें तो आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भारत में 2012 से 2022 के बीच 285 पुल ध्वस्त हुए, जिसमें 2022 गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बना पुल टूटने से 141 लोगों की मौत का भीषण हादसा भी शामिल है।

यूं पुल निर्माण में जोड़ने का भाव निहित है। दूरियां कम करके यातायात और सामाजिक आर्थिक संपर्कों को सुगम बनाने का उपक्रम है। पुल अपने आप में रचनात्मकता और सौहार्द का प्रतीक हैं। नार्वे के नोबेल विजेता वैज्ञानिक और मानवतावादी फ्रिजॉफ नानसेन ने कहा था कि मैं अपने पीछे उस पुल को ढहा दूंगा ताकि आगे बढ़ने के अलावा कोई रास्ता न बचे। यानी पुल पीछे लौटने का नहीं, आगे बढ़ने का रास्ता है। लेकिन भारत में पुल देश को पीछे भी ले जाते हैं। हमारे यहां मानो पुल की परिभाषा केवल रेत सीमेंट की ऐसी संरचनाएं है, जिसकी आत्मा को करप्शन ने पहले ही लील लिया होता है।

पुल आखिर गिर क्यों जाते हैं? विशेषज्ञ इसका पहला कारण तो प्राकृतिक आपदा को मानते हैं, जिसके आगे इंसान का कोई बस नहीं। इसे अलग रखें तो गलत डिजाइन, लापरवाही, उम्र से ज्यादा समय तक इस्तेमाल, प्राकृतिक आपदा, घटिया सामग्री का इस्तेमाल, ओवर लोडिंग या फिर मानव निर्मित आपदाएं जैसे कि बेजा रेत खनन या लापरवाही से किया गया नदी का गहरीकरण, नदी की प्रकृति की अनदेखी आदि। वैसे भारत में एक पुल की औसत आयु 34.5 साल मानी गई है। लेकिन हमारे यहां पुलों की शिशु मृत्यु दर भी कम नहीं है।

यहां तर्क दिया जा सकता है कि भारत में जितनी बड़ी तादाद में पुल-पुलिया बने हैं, उनके अनुपात में गिरने वाले पुल- पुलियाओं की संख्या बहुत कम है। अगर भारतीय पुल प्रबंध प्रणाली (आईबीएमएस) के आंकड़ों को देखें तो भारत में नेशनल हाइवे पर कुल 1 लाख 17 हजार 517 पुल- पुलिया हैं। इनमे 30 फीसदी पुलिया, 15 फीसदी छोटे पुल 8.1 प्रतिशत बड़े. पुल तथा 5 फीसदी ज्यादा लंबे पुल खराब हालत में हैं। जबकि इनमें से असमय गिरने वाले पुलों की संख्या बहुत कम है। लिहाजा भारत को 'गिरते पुलों का देश' कहना ठीक नहीं है। पर इसी के साथ यह सवाल भी नत्थी है कि पुलो के गिरने में बिहार ही 'देश की राजधानी' क्यों बना हुआ है? इसके निश्चित कारण शायद किसी जांच रिपोर्ट में सामने आएं, लेकिन एक बात मोटे तौर पर साफ है, वह है राज्य में गुणवत्ता की जगह कम लागत पर जोर। कम लागत में से भी जरूरी कमीशन को और कम कर दें तो निर्माण पर होने वाला वास्तविक खर्च खुद ब खुद समझ में आ जाएगा। स्वयं को गरीब और पिछड़ा राज्य कहलाने और उसी खुमारी में जीते रहने का यह आत्मसंतोषी बहाना है।

कौन थी दुर्योधन की अपूर्व सुंदरी पत्नी
क्यों बाद में किया अर्जुन से विवाह

महाभारत के मुख्य पात्र दुर्योधन के बारे में बहुत लिखा और कहा गया है लेकिन क्या आपको मालूम है कि उनकी पत्नी कौन थी, जिसे वह बहुत प्यार करते थे। उसका महाभारत के युद्ध में पति समेत कौरवों की मृत्यु के बाद क्या हुआ। दुर्योधन की पत्नी का नाम भानुमति था, जो अपूर्व सुंदरी थी। आंचलिक कथाओं में ये कहा गया कि जब दुर्योधन नहीं रहा तो भानुमति ने अर्जुन से विवाह कर लिया। कहा जाता है कि दुर्योधन से विवाह करने से पहले वह मन ही मन अर्जुन को चाहती थीं। हालांकि अर्जुन से विवाह के कोई पुख्ता साक्ष्य महाभारत या उसकी उत्तर कथा वाले ग्रंथों में नहीं मिलते।

महाभारत के मुताबिक दुर्योधन की पत्नी का नाम भानुमति था। महाभारत में दुर्योधन की पत्नी का तीन बार ज़िक्र मिलता है। शांति पर्व में बताया गया है कि दुर्योधन ने कर्ण की मदद से राजा चित्रांगद की बेटी भानुमति का स्वयंवर से अपहरण करके विवाह कर लिया था। बाद में, स्त्री पर्व में भी दुर्योधन की सास गांधारी ने भानुमति का ज़िक्र किया है। भानुमती के एक बेटा और एक बेटी थी।

शांति पर्व में ऋषि नारद दुर्योधन और कर्ण की मित्रता के बारे में एक कहानी सुनाते हुए बताते हैं कि किस तरह कर्ण की मदद से दुर्योधन ने कलिंग राजा चित्रांगद की बेटी का अपहरण कर शादी की थी।

ताजिंदगी कृष्ण की पूजा

भानुमति के बारे में उल्लेख हुआ है कि वह ताजिंदगी कृष्ण की पूजा करती रही। बेशक उसके पति दुर्योधन ने कई बार कृष्ण को खरीखोटी सुनाई, अपमान भी किया लेकिन भानुमति के लिए वह हमेशा आराध्य रहे। यहां तक कि पति के निधन के बाद भी वह उनकी भक्त बनी रही।

महाभारत के स्त्री पर्व में दुर्योधन की मां गांधारी , कृष्ण से अपनी पुत्रवधू का वर्णन इस प्रकार करती हैं। भानुमति के बेटे का नाम लक्ष्मण था, जो खुद महाभारत के युद्ध में मारा गया। बेटी का नाम लक्ष्मणा था।

गांधारी कृष्ण से कहती हैं, हे कृष्ण! देखो, ये दृश्य मेरे पुत्र की मृत्यु से भी अधिक दुःखदायी है। दुर्योधन की प्रिय पत्नी महाबुद्धिमान कन्या है, देखो वह कैसे अपने पति और बेटे के लिए विलाप कर रही है।

क्यों किया था अर्जुन से विवाह

अब सवाल ये उठता है कि भानुमति ने पति दुर्योधन के सबसे बड़े दुश्मन पांडु पुत्र अर्जुन से क्यों विवाह कर लिया। भानुमति जितनी रूपवती थी, उतनी ही चतुर भी। कहा जाता है कि जब महाभारत का युद्ध तय हो गया, तब भानुमति को पता था कि कौरवों का सर्वनाश हो जाएगा। अपने कुनबे को बचाने के लिए उसने ही भगवान श्री कृष्ण के पुत्र साम्ब को अपनी पुत्री लक्ष्मणा को भगाकर ले जाने की युक्ति सुझाई।

कृष्ण के बेटे साम्ब से रचाई बेटी की शादी

एक अन्य कथा के अनुसार साम्ब जब लक्ष्मणा का अपहरण कर फरार हो गया तो भानुमति ने दुर्योधन को अपने अपहरण की याद दिलाई और साम्ब से लक्ष्मणा के विवाह में अहम भूमिका निभाई। भानुमति ने अपने कुनबे को बचाने के लिए हर वो असंगत कार्य किया, हर उस चीज को जोड़ा, जिसका जुड़ना संभव नहीं था। इसीलिए कहीं का ईंट, कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा। संबंधित कहावत बनी। क्या कृष्ण ने कराया भानुमति और अर्जुन का विवाह पुत्र की मृत्यु से लक्ष्मणा को गहरा झटका लगा था, महाभारत के युद्ध में अभिमन्यु के हाथों दुर्योधन के पुत्र की मृत्यु हुई थी। इसके बाद भी भानुमति को मालूम था कि खुद को सुरक्षित रखने के लिए अर्जुन से विवाह कर लेना चाहिए। भगवान कृष्ण ने इसमें खास भूमिका अदा की। उन्होंने अर्जुन और भानुमति का विवाह कराया।

दुर्योधन से शादी के पहले वह अर्जुन को ही पसंद करती थी

इसके पीछे एक कहानी और कही जाती है कि भानुमती शल्य की बेटी थी, जो नकुल और सहदेव के चाचा थे। वह पहले अर्जुन से ही शादी करना चाहती थी। जब स्वयंवर हुआ तो अर्जुन उसमें आए ही नहीं, तब उसने पिता की इच्छा थी कि वह दुर्योधन से शादी करे तो उसने वैसा ही किया लेकिन पति के निधन के बाद अर्जुन की नौवीं पत्नी बनना पसंद किया। इसकी वजह ये भी थी कि अब कोई लड़ाई नहीं हो और कुनबे में शांति बनी रहे।

पांडव भी करते थे भानुमति का सम्मान

महाभारत में युद्ध के बाद की उत्तर कथा ज्यादा नहीं मिलती, लिहाजा किसी बड़े ग्रंथ में अर्जुन और भानुमति के विवाह की कोई जानकारी नहीं मिलती। लेकिन ये बात एकदम तय है कि महाभारत युद्ध में भीम के हाथों दुर्योधन की मृत्यु के बाद पांडवों ने भानुमति का सम्मान किया। वह अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित थी। उसने कौरव और पांडव परिवारों को एकजुट करने की कोशिश की। कुछ जानकारियां ये भी कहती हैं कि वह पति के निधन के बाद विधवा रहीं।

कथाएं ये भी कहती हैं कि भानुमति ने अपने ससुराल में रहकर धृतराष्ट्र की सेवा की। धृतराष्ट्र के साथ गंगा नदी के किनारे रहकर तपस्या की।बाद में भानुमति ने गंगा में समाधि ले ली।

भानुमति को जब लगा कि दुर्योधन उस पर शक ना करे

एक तमिल लोककथा है, जिसमें बताया गया कि दुर्योधन के कहने पर कर्ण अक्सर भानुमति की देखभाल के लिए उसके पास आ जाता था। कर्ण और भानुमती ने पासा खेलना शुरू किया। धीरे-धीरे कर्ण जीतने लगा। इसी बीच दुर्योधन लौटा। कमरे में प्रवेश किया। पति को अंदर आते देख भानुमती सम्मान से खड़ी हो गई। कर्ण को पता नहीं लगा। उसको लगा कि भानुमति इसलिए उठ गई क्योंकि हारना नहीं चाहती।

कर्ण ने भानुमती की शॉल पकड़कर खींचा तो शॉल के मोती बिखर गए। इससे भानुमति की स्थिति बहुत विचित्र हो गई, वह स्तब्ध हो गई कि अब पति पता नहीं क्या सोचेगा और करेगा। तब दुर्योधन ने समझदारी का परिचय देते हुए दोनों को अप्रिय स्थिति से बचा लिया। उसने पत्नी से कहा, "क्या मुझे सिर्फ मोतियों को इकट्ठा करना चाहिए या क्या आप चाहेंगी कि मैं उन्हें भी पिरोऊँ?" दरअसल दुर्योधन को अपनी पत्नी पर बहुत विश्वास था।

शिवाजी सावंत के उपन्यास मृत्युंजय में , जो कर्ण के जीवन पर आधारित है, उसमें लिखा है कि भानुमती की एक दासी थी जिसका नाम सुप्रिया था, जो उसके बहुत करीब थी। जब दुर्योधन और कर्ण ने भानुमती का अपहरण किया तो सुप्रिया भी साथ चली आई। जब भानुमती ने दुर्योधन को अपना जीवनसाथी स्वीकार कर लिया तो सुप्रिया ने कर्ण को पति चुना।

श्री कृष्ण की वो चालें जिनसे बचे अर्जुन के प्राण

भगवान श्री कृष्ण ने गोर्वधन पर्वत उठाकर जब देवराज इंद्र का अहंकार दूर किया था उस समय इंद्र की विनती पर अर्जुन की रक्षा करने का वचन दिया था। इस घटना का उल्लेख विष्णु पुराण एवं महाभारत में भी मिलता। अपने इस वचन को निभाने के लिए श्री कृष्ण ने कई बार मृत्यु के मुंह में जाने से अर्जुन को बचाया।

कर्ण के घातक बाण से रक्षा

महाभारत युद्ध के दौरान जब कर्ण ने अर्जुन पर सर्पमखास्त्र का प्रयोग किया तो अर्जुन के पास इसका कोई काट नहीं था। अर्जुन के प्राण संकट में देखकर श्रीकृष्ण ने अपना अंगूठा भूमि मे टिका दिया जिससे भूमि नीचे दब गई और बाण अर्जुन के मुकुट को काटते हुए चला गया। इससे अर्जुन की जान बच गई।

अग्नि समाधि से रक्षा

दूसरी बार श्रीकृष्ण ने अर्जुन की जान तब बचाई जब सूर्यास्त से पहले जयद्रथ को न मार पाने के वचन के अधूरा रह जाने पर अर्जुन अग्नि समाधि लेने वाले थे। श्रीकृष्ण ने इस अवसर पर अपने चक्र से सूर्य को ढ़क दिया जिससे जयद्रथ निडर होकर अर्जुन के सामने आ गया। श्रीकृष्ण ने झट से अपना चक्र सूर्य से हटा लिया और अर्जुन ने जयद्रथ का वध कर दिया। इससे अर्जुन आत्मदाह करने से बच गए।

श्रीकृष्ण के इस चाल से बची जान

तीसरी बार श्रीकृष्ण ने इंद्र के शक्ति बाण से अर्जुन की रक्षा की। कर्ण ने इंद्र को अपना कवच और कुंडल दान देने के बाद उनसे वरदान में शक्ति बाण मांग लिया। कर्ण इससे अर्जुन को मारना चाहता था। लेकिन अर्जुन की जान बचाने के लिए श्रीकृष्ण भीम पुत्र घटोत्कच को युद्ध भूमि में उतार लाए जिसने कौरव सेना का सर्वनाश करना शुरू कर दिया। हालात बिगड़ते देख कर्ण को घटोत्कच पर शक्ति बाण चलाना पड़ा।

अर्जुन के लिए सिर का दान

भीम के पौत्र बर्बरीक ने प्रतिज्ञा ली थी कि जो महाभारत के युद्ध में कमजोर पड़ेगा वह उनकी ओर से युद्ध करेगा। बर्बरीक अपने एक बाण से ही महाभारत युद्ध खत्म कर सकते थे इसलिए कृष्ण को सबसे अधिक भय अर्जुन के लिए था। अर्जुन के प्राण बचाने के लिए श्रीकृष्ण ने बर्बरीक से सिर का दान मांग लिया।

माया से बचाए प्राण

महाभारत युद्ध खत्म होने के बाद जब अर्जुन अपने शिविर में लौटे तो श्रीकृष्ण ने पहले अर्जुन को रथ से उतारा फिर स्वयं उतरे। जबकि हर दिन पहले श्रीकृष्ण रथ से उतारते थे फिर अर्जुन। श्रीकृष्ण के रथ उतरते ही रथ अश्व सहित जलने लगा। श्रीकृष्ण ने कहा कि रथ तो पहले ही जल चुका था लेकिन मैने इसे अपनी माया से बचाए रखा था।

नींद में पाण्डवों की बचाई जान

छठी बार श्रीकृष्ण ने अर्जुन सहित सभी पांडवों की जान बचाई थी। युद्ध समाप्त होने के बाद अश्वत्थामा एक रात चुपके से पांडव शिविर में प्रवेश कर गया और नींद में ही पांडव समझकर द्रौपदी के पांचों पुत्रों को मार डाला। दरअसल उस रात श्रीकृष्ण ने पांडवों को अलग सुला दिया था जिससे इनके प्राण बच गए।

दूसरे विवाह का कारण बन सकते हैं कुंडली के ये ग्रह

ज्योतिष शास्त्र में सप्तम भाव को विवाह का भाव कहा जाता है। इसलिए ये जानने के लिए कि, व्यक्ति का दूसरा विवाह होगा या नहीं इसी भाव को देखना जरूरी होता। अगर इस भाव और इसके स्वामी की स्थिति कुंडली में अच्छी है तो दूसरे विवाह की संभावनाएं नहीं होती। वहीं अगर इस भाव की स्थिति ठीक नहीं है तो दूसरा विवाहि हो सकता है।

कुंडली के ये ग्रह दूसरे विवाह का बन सकते हैं कारण

अगर आपकी कुंडली में शुक्र ग्रह प्रतिकूल अवस्था में है तो वैवाहिक जीवन में दिक्कतें आ सकती हैं। ऐसे लोग एक बार तलाक लेकर दूसरी शादी कर सकते हैं। शुक्र कुंडली में तब कमजोर पड़ सकता है जब मंगल, राहु, केतु, शनि जैसे ग्रहों की इस पर दृष्टि होती है।

दूसरे विवाह के बारे में विचार करने के लिए कुंडली के अष्टम भाव को भी देखा जाता है।

इस भाव में अगर शुक्र मजबूत स्थिति में बैठा हुआ है तो व्यक्ति दूसरी शादी कर सकता है।

शुक्र के आठवें भाव में बैठने से व्यक्ति शादी के बाद गुप्त संबंध बना सकता है। यह भाव अचानक होने वाली घटनाओं को भी दर्शाता है इसलिए प्रेम के कारक ग्रह शुक्र के इस स्थान में बैठने से व्यक्ति विवाह के बंधन को अचानक से भी तोड़ सकता है।

ज्योतिष में राहु और केतु को क्रूर ग्रह माना जाता है। इन दोनों में से कोई भी ग्रह अगर सप्तम भाव में है तो समझ लीजिए विवाह में ये दिक्कतें पैदा कर सकते हैं।

सप्तम भाव में इन ग्रहों में से किसी एक की स्थिति जीवनसाथी के प्रति आपके दिल में बैर भर सकती है और आप दूसरा विवाह करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।

अगर कुंडली के विवाह भाव के साथ ही अष्टम और नवम भाव में द्विस्वभाव राशियां मिथुन, कन्या, धनु और मीन हों तो दूसरे विवाह के आसार रहते हैं।

सातवें घर पर अगर शनि, राहु-केतु में से किसी की दृष्टि है तो वैवाहिक जीवन में परेशानियों के साथ ही दूसरे विवाह के योग भी बन सकते हैं।

छुआछूत और ऊंच-नीच का भेदभाव करने वाले याद रखें रामकृष्ण परमहंस की ये सीख

एक बार रामकृष्ण परमहंस, तोतापुरी नाम के एक संत के साथ ईश्वर व आध्यात्म पर चर्चा कर रहे थे। मौसम ठंड का था और शाम ढल चुकी थी इसलिए दोनों एक जलती हुई धूनी के समीप बैठे हुए थे। उस समय बगीचे का माली भी वहां कुछ काम कर रहा था।

जब माली को भी ठंड का अहसास हुआ तो उसको भी आग जलाने की जरूरत महसूस हुई और उसने तोतापुरी जी द्वारा जलाई गई धूनी में से लकड़ी का एक जलता हुआ टुकड़ा उठा लिया।

इस पर तोतापुरी जी माली पर जोर से चिल्लाते हुए बोले, "धूनी छूने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई ? तुमको पता नहीं कि यह कितनी पवित्र है।" इसके बाद उन्होंने माली को थप्पड़ मार दिए। यह सब देखकर पास बैठे रामकृष्ण परमहंस मुस्कुराने लगे, जिसे देख कर तोतापुरी और भी ज्यादा क्रोधित हो गए।

उन्होंने रामकृष्ण जी से कहा, "आप हंस रहे हैं। यह आदमी कभी पूजा-पाठ नहीं करता और कभी भी भगवान का भजन नहीं गाता। फिर भी इसने मेरे द्वारा जलाई गई पवित्र धूनी को अपने गंदे हाथों से छुआ इसीलिए मैंने उसे यह दंड दिया।" यह सुनकर रामकृष्ण परमहंस ने तोतापुरी से कहा, "मुझे तो पता ही नहीं था कि कोई चीज छूने मात्र से अपवित्र हो जाती है। अभी कुछ ही क्षण पहले आप ही तो समझा रहे थे कि यह सारा संसार ब्रह्म के प्रकाश से प्रकाशमान है।

अभी इतनी जल्दी आप अपने माली के धूनी स्पर्श कर देने मात्र से अपना सारा ज्ञान भूल गए और उसे मारने तक लगे। भला मुझे इस पर हंसी नहीं आएगी तो और क्या होगा ?"

तोतापुरी कुछ बोल पाते इससे पहले परमहंस ने गंभीरता से कहा, "इसमें आपका कोई दोष नहीं है, आप जिससे हारे हैं वो कोई मामूली शत्रु नहीं है। वह आपके अन्दर का अहंकार है, जिससे जीत पाना आसान नहीं है।" यह सुनकर तोतापुरी ने अपनी गलती समझी और मान भी ली। इसके बाद उन्होंने सौगंध खाई कि अब वह अपने अहंकार को त्याग देंगे और कभी भी छुआछूत और ऊंच- नीच का भेदभाव नहीं करेंगे।

बद्रीनाथ धाम में नए पुजारी होंगे नियुक्त

1776 से बद्रीनाथ मंदिर में चल रही है रावल की परंपरा भगवान को छूने का अधिकार सिर्फ रावल का

देश के और उत्तराखंड के चारधाम में से एक बद्रीनाथ धाम में आज 13 जुलाई को नए रावल की नियुक्ति हो रही है। बद्रीनाथ की पूजा करने वाले मुख्य पुजारी को रावल कहते हैं। मंदिर के गर्भ गृह में प्रवेश और बद्रीनाथ जी की मूर्ति को स्पर्श करने का अधिकार सिर्फ रावल को ही है।

चारधाम पुरोहित महापंचायत के महासचिव डॉ बृजेश सती के मुताबिक, बद्रीनाथ मंदिर रावल द्वारा भगवान की पूजा करने की परंपरा 1776 से शुरू हुई है। तब से अब तक 20 रावल हुए हैं। अभी ईश्वरी प्रसाद नंबूदरी मंदिर के रावल हैं। ये 2014 से बद्रीनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी हैं। अब ईश्वरी प्रसाद पारिवारिक और स्वास्थ्य संबंधी कारणों के चलते बद्रीनाथ मंदिर के रावल का पद छोड़ रहे हैं। इनके बाद मौजूदा नायब रावल अमरनाथ नंबूदरी मंदिर के नए रावल होंगे। आज रावल पद पर अमरनाथ नंबूदरी का तिलपात्र (नियुक्त) किया जाएगा।

तिलपात्र कैसे होता है?

नए रावल का मुंडन किया जाएगा, लेकिन शिखा रहेगी। यज्ञोपवित बदली जाएगी। इसके बाद पंचोपचार स्नान कराया जाएगा। फिर वे अपने आवास के कुंड में स्नान करेंगे।

घर में स्नान के बाद बद्रीनाथ की पंच धाराएं कूर्म धारा, प्रहलाद धारा, इंद्र धारा, उर्वशी और भृगु धारा में पंच स्नान करेंगे पंच स्नान करके नए रावल बद्रीनाथ मंदिर पहुंचेंगे।

मंदिर के धर्माधिकारी और वेदपाठी ब्राह्मण मंत्र जप करते हुए तिलपात्र की परंपराएं पूरी करेंगे।

मंदिर में हवन होगा। ये पूरी प्रक्रियाएं 13 जुलाई को होंगी।

अगले दिन यानी 14 जुलाई की सुबह वर्तमान रावल ईश्वरी प्रसाद नंबूदरी के साथ नए रावल मंदिर जाएंगे। मंदिर में भगवान का महाअभिषेक करेंगे। पुराने रावल नए रावल को भगवान की पूजा पद्धति की जानकारी देंगे। इस तरह अमरनाथ नंबूदरी का बद्रीनाथ जी के रावल बन जाएंगे।

ईश्वरी प्रसाद नंबूदरी भगवान बद्रीनाथ के वर्तमान रावल हैं। ये पारिवारिक और स्वास्थ्य संबंधी कारणों से रावल पद छोड़ रहे हैं।

ईश्वरी प्रसाद नंबूदरी भगवान बद्रीनाथ के वर्तमान रावल हैं। ये पारिवारिक और स्वास्थ्य संबंधी कारणों से रावल पद छोड़ रहे हैं।

कब से शुरू हुई बद्रीनाथ में रावल की परंपरा?

मंदिर में मुख्य पुजारी को रावल की उपाधि देने की परंपरा टिहरी नरेश ने 1776 में शुरू की थी। तब टिहरी नरेश प्रदीप शाह थे। प्रदीप शाह बद्रीपुरी के प्रवास पर थे। उस समय उन्हें पता चला कि बद्रीनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी जो ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य हुआ करते थे, वे ब्रह्मलीन हो गए हैं। इसके बाद टिहरी नरेश ने मंदिर में पूजा करने के लिए गोपाल नंबूदरी को मंदिर का पहला रावल नियुक्त किया।

पहले टिहरी नरेश ही नायब और रावल की नियुक्त करते थे, लेकिन अब बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति इनकी नियुक्ति करती है।

कैसी होती है बद्रीनाथ के रावल की दिनचर्या?

मंदिर का रावल नैष्ठिक ब्रह्मचारी होता है। केरल राज्य के कालडी गांव के नंबूदरी ब्राह्मण ही रावल पद पर नियुक्त किए जाते हैं। पूर्व में रावल पद पर नियुक्ति का अधिकार टिहरी नरेश के पास था, लेकिन अब बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के पास ये अधिकार है।

नायब रावल ही रावल पद पर नियुक्त होता है। हालांकि पूर्व में जब टिहरी नरेश द्वारा रावल का तिलपात्र किया जाता था।

आदिगुरु शंकराचार्य 11वर्ष की अवस्था में बद्रीनाथ धाम पहुंचे थे। यहां उन्होंने अपने तपोवल की ऊर्जा से नारद कुंड में पड़ी भगवान बद्री विशाल की प्रतिमा को निकाल कर मंदिर के गर्भ गृह में स्थापित किया था। मंदिर में नियमित पूजा अर्चना और इसका कुशल प्रबंधन हो, इसके लिए उन्होंने अपने शिष्य टोटकाचार्य को ज्योतिर्मठ मठ का शंकराचार्य नियुक्त किया था।

ज्योतिर्मठ के प्रथम आचार्य टोटकाचार्य से आचार्य परंपरा शुरू हुई। यहां 42वें आचार्य रामकृष्ण तीर्थ स्वामी तक आचार्य परंपरा चलती रही। 1776 में पीठ के आचार्य रामकृष्ण तीर्थ ब्रह्मलीन हो गए, इनके बाद टिहरी राजा ने यहां रावल नियुक्त करने की परंपरा शुरू की। उस समय आचार्य रामकृष्ण के सेवक गोपाल नंबूदरी को बद्रीनाथ मंदिर का पहला रावल नियुक्त किया गया था।

पिछले 248 वर्षों से मंदिर के मुख्य पुजारी के रूप में दक्षिण भारत के केरल राज्य के नंबूदरी ब्राह्मण ही पूजा करते हैं। रावल संस्कृत भाषा के अच्छे जानकार होते हैं।

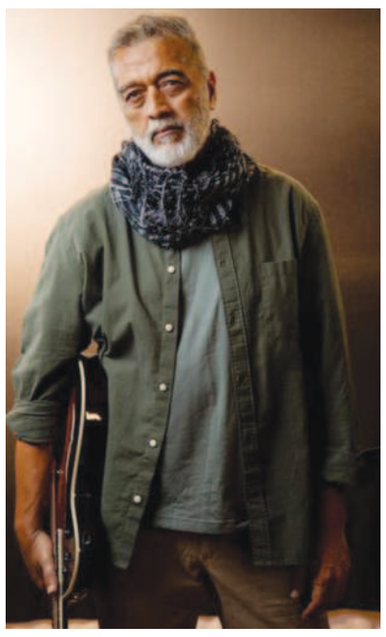

अकेलेपन पर लकी अली का इमोशनल पोस्ट: बोले

मुस्लिम होने पर दोस्त आपको छोड़ देंगे और दुनिया आतंकवादी कहेगी

वेटरन एक्टर महमूद के बेटे और सिंगर लकी अली ने देश में मुसलमानों की स्थिति पर बात करते हुए शॉकिंग बयान दिए हैं। लकी ने एक इमोशनल पोस्ट शेयर करते हुए अपने अकेलेपन का जिम्मेदार अपने धर्म को बताया। लकी ने लिखा, 'आज दुनिया में मुस्लिम होना एक अकेलापन है। पैगंबर की सुन्नत का पालन करना एक अकेलापन है, आपके दोस्त आपको छोड़ देंगे और दुनिया आपको आतंकवादी कहेगी।'

पिता की फिल्म में ही गाया पहला गाना

अली ने 3 साल की उम्र में फिल्म 'छोटे नवाब' (1961) से डेब्यू किया था। कुछ फिल्मों में नजर आने के बाद अली पूरी तरह से म्यूजिक को डेडिकेट हो गए। लकी अली ने अपना पहला गाना भी महमूद की फिल्म 'एक बाप छह बेटे' के लिए ही गाया था। 1996 में लकी ने अपना पहला म्यूजिक एल्बम 'सुनो' लॉन्च किया। वो 'ओ सनम', 'एक पल का जीना', 'सफरनामा' और 'ना तुम जानो ना हम' जैसे गानों के लिए पहचाने जाते हैं।

अनंत-राधिका की शादी के बाद घर निकलीं प्रियंका चोपड़ा

एयरपोर्ट पर हाथ जोड़े आईं नजर

मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी हो चुकी है। इस ग्रैंड शादी में दुनियाभर के सितारे नजर आए। शादी में बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड और राजनेताओं ने गजब की एंट्री मारी। इन तमाम हस्तियों ने अनंत और राधिका को ढेर सारा आशीर्वाद दिया। इस शादी में प्रियंका चोपड़ा भी अपने पति निक जोनस के साथ पहुंचीं। प्रियंका ने शादी में खूब धमाल मचाया, जिसकी तस्वीरें और वीडियोज सामने आ चुके हैं। लेकिन अब वह अपने घर जा चुकी हैं। प्रियंका अपने पति निकल जोनस संग शादी में शामिल होकर तुरंत लॉस एंजिल्स के लिए निकल गई हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है।

इस फिल्म की शूटिंग के वक्त

आलिया भट्ट ने हीरो से नहीं की थी 25 दिनों तक बात

आलिया भट्ट बॉलीवुड की एक कॉन्फिडेंस और उम्दा एक्ट्रेस में से एक हीरोइन हैं। फिल्मी परिवार से भी हैं तो इस इंडस्ट्री को खूब समझती हैं। क्या आप यकीन कर सकते हैं कि इतनी कॉन्फिडेंस आलिया भट्ट किसी हीरो से डर सकती हैं। शायद ये बात आपके गले भी न उतरे। लेकिन ये बात सौ फीसदी सही है। इंडस्ट्री एक हीरो ऐसा भी है जिसके साथ काम करते वक्त आलिया भट्ट इससे डरी हुई ही रहती थीं। वो भी इस कदर कि वो उस हीरो से बात तक नहीं करती थीं। ये खुलासा एक इंटरव्यू में खुद उस हीरो ने किया था।

ये हैं वो हीरो

जिस हीरो से आलिया भट्ट इस कदर डरती थीं वो हीरो हैं रणदीप हुड्डा। जो फिल्म हाईवे में उनके को स्टार थे। इस फिल्म की शूटिंग के समय आलिया भट्ट, रणदीप हुड्डा से बेहद डरी हुईं थीं। उन्होंने शूटिंग के दौरान करीब 25 दिन रणदीप हुड्डा से बात तक नहीं की थी। एक इंटरव्यू में खुद रणदीप हुड्डा ने इस मजेदार बात का खुलासा किया था। उन्होंने बताया कि आलिया भट्ट उनसे डरती थीं और उन्होंने आलिया भट्ट का डर दूर करने की कोशिश भी नहीं की। वो चाहते थे कि आलिया भट्ट अगर डरी हुई रहती हैं तो वो कैरेक्टर में ही नजर आएंगी।

ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे को दिए अपने एक इंटरव्यू में रणदीप हुड्डा ने बताया कि हाईवे मूवी में वो आलिया भट्ट के किडनेपर थे। इस वजह में शुरुआत में उन्हें रणदीप हुड्डा से डरा हुआ ही दिखाना था। हाईवे से पहले आलिया भट्ट ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर की थी। वो जुहू में पली बड़ी। रणदीप हुड्डा का सोचना था कि आलिया भट्ट गुर्जर और जाट के बारे में ज्यादा नहीं जानती होंगी। उनसे डरी हुई रहेंगी तो कैरेक्टर में बेहतर नजर आएंगी। इसलिए रणदीप हुड्डा ने शुरुआत में उनसे दोस्ती करने की कोशिश भी नहीं की।

क्या उखाड़ लिया मैंने

आखिर किस बात पर छलका अक्षय कुमार का दर्द? कह गए ऐसी बात

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी नई फिल्म सरफिरा के लिए खूब सुर्खियों का हिस्सा बने हुए हैं। सरफिरा के प्रमोशन्स के लिए अक्षय कुमार ने कई इंटरव्यू भी दिए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्टर ने बैक-टू-बैक फिल्मों के फ्लॉप होने और उसके बाद मिली आलोचनाओं पर रिएक्ट किया है। अक्षय ने इंटरव्यू में कहा कि अगर वह साल में एक दो फिल्में भी करें तो यह कोई गारंटी नहीं है कि वह हिट होंगी।

फ्लॉप फिल्मों पर मिली आलोचना पर अक्षय का रिएक्शन

अक्षय कुमार ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है, जहां एक्टर ने फ्लॉप फिल्मों के बाद मिली आलोचना और चुनिंदा फिल्में करने की सलाह पर अपना रिएक्शन दिया है। अक्षय ने कहा- - अगर वह साल में दो फिल्में करें, तो यह कोई गारंटी नहीं है कि वह दोनों ही हिट होंगी। अक्षय ने कहा- उन्होंने ओएमजी 2 में 12 दिन काम किया था, जबकि उनका सपोर्टिंग रोल था। इसी तरह जॉली एलएलबी 3 के लिए 45 दिन शूट किया था। एक्टर ने आगे कहा वह जरूरत से ज्यादा समय तक खुद को फिल्ममेकर्स और प्रोड्यूसर पर थोप नहीं सकते हैं।

अमिताभ बच्चन से मिली अक्षय को सलाह

अक्षय ने इंटरव्यू में कहा- बड़े मियां छोटे मियां में 80 दिन काम किया। क्या उखाड़ लिया? मैंने ऐसे लोगों को देखा है जो चुनिंदा तरीके से काम करते हैं और उनकी फिल्में फ्लॉप भी हो जाती हैं। हमारी इंडस्ट्री में ऐसा होता है कि अगर आप फ्लॉप फिल्में देते हैं तो लोग आपको काम देना बंद कर देते हैं। मिस्टर बच्चन को देखिए, उन्होंने कहा था अक्षय, काम करते रहना बेटा। काम मत छोड़ना। मैंने उनसे यह सीखा। हिसाब लगाना गलत है, हेराफेरी करना गलत है।'

कृति सैनन ने अलीबाग के प्रीमियम प्रोजेक्ट में खरीदी जमीन

रियल स्टेट की दुनिया पर रखा पहला कदम

बॉलीवुड स्टार कृति सैनन ने 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोधा' (होएबीएल) के साथ अपना पहला इनवेस्टमेंट की है। उन्होंने उनके प्रीमियम अलीबाग प्रोजेक्ट सोल डी अलीबाग में 2000 वर्ग फीट जमीन खरीदी है। खबरों की मानें तो इस जमीन की कीमत 2 करोड़ रुपये है। उनके निवेश से होएबीएल की स्थिति मजबूत हुई है, क्योंकि यह भारत में लग्जरी लाइफ़स्टाइल और एक्सक्लूसिव लैंड ओनरशिप को दर्शा रही है। खबरों की मानें तो इस जमीन की कीमत 2 करोड़ रुपये है।

मंडवा जेट्टी से सिर्फ़ 20 मिनट दूर और साउथ मुंबई के समुद्र तक पहुंचने के लिए 60 मिनट की दूरी पर स्थित यह प्रोजेक्ट अलीबाग में स्थित है। हाल ही में शुरू की गई एमटीएचएल कनेक्टिविटी सुविधा को और बढ़ाती है, जिससे यह प्रोजेक्ट अलीबाग के रियल एस्टेट परिदृश्य में एक परिष्कृत रिट्रीट की तलाश करने वालों के लिए और भी आकर्षक विकल्प बन गया है।

कृति सेनन ने अपने इस इनवेस्टमेंट को लेकर कहा, मैं अब द हाउस ऑफ अभिनंदन लोधा के खूबसूरत विकास, सोल दे अलीबाग में जमीन लेकर काफी खुश हूं। खुद ज़मीन खरीदना मेरे लिए एक सशक्त यात्रा रही और मैं कुछ समय से अलीबाग पर नज़र रखे हुए थी। मैं इस बारे में बिल्कुल स्पष्ट थी कि मैं क्या चाहती हूं

यहां शादी, प्राइवेसी और एक शानदार इनवेस्टमेंट है। मेरे पिता भी इस निवेश से प्रभावित थे। यह एक बेहतरीन जगह है, अलीबाग के ठीक बीच में, मंडवा जेटी से 20 मिनट से भी कम की दूरी पर है, जो मुंबई के ट्रैफिक और दूरियों के हिसाब से फायदेमंद साबित होगा। मुझे सबसे ज़्यादा यह पसंद आया कि होएबीएल ने मेरे लिए ज़मीन खरीदने की प्रक्रिया को कितना आसान बना दिया। अलीबाग में निवेश करने के लिए इससे बेहतर समय और कोई नहीं हो सकता!

अलीज़ेह का नाम आलिया भट्ट और ज्योतिका के साथ इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ़ मेलबर्न की बेस्ट एक्ट्रेस केटेगरी में हुआ शामिल

एंटरटेनमेंट फिल्म फर्रे से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर अभिनेत्री अलीज़ेह ने एक जबरदस्त शुरुआत की थी। अपनी पहली फिल्म के लिए इतना साहसिक किरदार चुनने के लिए लोगों ने उनकी जमकर तारीफ की। उनके स्वाभाविक और सहज प्रदर्शन ने कई लोगों को प्रभावित किया। अलीज़ेह को बहुत सराहना मिली और उन्होंने प्रतिष्ठित फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार सहित पाँच फ़िल्म पुरस्कार जीते। अब अलीज़ेह को एक बार फिर मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में फर्रे में उनके प्रदर्शन के लिए नामांकित किया गया है। इस नामांकन को और भी खास बनाने वाली बात यह है कि अलीज़ेह इस सूची में आलिया भट्ट और ज्योतिका के साथ शामिल हैं। एक और प्रतिष्ठित नामांकन के साथ, अलीज़ेह काफ़ी प्रभावशाली बन गई हैं। फ़र्रे के साथ, अलीज़ेह ने निश्चित रूप से अपने लिए बैंकेबल एक्टर का टैग अर्जित किया है।

मृणाल ठाकुर ने 'तौबा तौबा' पर विक्की कौशल के डांस स्टेप को की रिपीट

टीवी से बॉलीवुड में कदम रखने वाली एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने शनिवार को अपना एक मजेदार डांस वीडियो शेयर किया। मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ये डांस वीडियो अपलोड किया। वीडियो में वह अपनी दोस्तों के साथ विक्की कौशल के लेटेस्ट वायरल ट्रैक वीडियो को वैनिटी वैन में शूट किया गया है, जो मोनोक्रोम है। मृणाल ने टैंक टॉप और जॉगर्स पहने हुए हैं और वह 'तौबा तौबा' गाने पर विक्की के हुक स्टेप्स की कॉपी करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन सफल नहीं हो पा रहीं। मृणाल ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'विक्की कौशल नहीं आ रहा है यार। तुम इसमें कितने अच्छे हो। कुशा कपिला बहन सिखा दे प्लीज।' वीडियो में सोशल मीडिया की जानी मानी शख्सियत और एक्ट्रेस कुशा 'तौबा तौबा' पर विक्की के हुक स्टेप्स को बेहतरीन तरीके से परफॉर्म कर रही है।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड को सामने देख जाह्नवी कपूर हुईं लाल

छूपा नहीं पाईं प्यार, शरमा गई क्या

काफी इंतजार के बाद, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी ने मुंबई के शानदार जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में राधिका मर्चेंट के साथ सात फेरे लिए। अनंत अंबानी की शानदार बारात के वीडियो सोशल मीडिया पर छा गए। अगल-अलग फील्ड से आए मेहमानों में जाह्नवी कपूर भी शादी में पहुंचकर सुर्खियां बटोरीं। 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की एक्ट्रेस उस टाइम शर्मा गई, जब उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया उनके सामने आ गए। फेमस पैपराजी हैंडल फिल्म्यज्ञान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्निपेट पोस्ट किया, जिसमें जाह्नवी कपूर खूबसूरत गोल्डन लहंगे में शादी के वेन्यू के रेड कार्पेट पर पोज देती नजर आ रही हैं। जैसे ही कैमरे ने क्लिक किया, तभी अचानक रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया उनके सामने आ गए। शिखर जाह्नवी की तरफ देखा और कुछ कहा। ये देख जाह्नवी शरमा जाती हैं। इसके बाद जबकि पैपराजी उन्हें साथ में पोज देने के लिए कहा तो जाह्नवी और भी शरमा गईं।

हम दोस्त नहीं बातों ही बातों में इमरान हाशमी ने खोली सलमान खान की पोल

भाईजान के लिए कह दी ऐसी बात

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी इन दिनों अपनी सीरीज 'शोटाइम' के प्रमोशन में खूब बिजी चल रहे हैं। इसके लिए इमरान बैक-टू-बैक इंटरव्यू भी दे रहे हैं। हाल ही में इमरान हाशमी ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने सलमान खान संग अपनी दोस्ती और भाईजान के सेट पर हमेशा लेट आने की अफवाह पर रिएक्ट किया है। इमरान हाशमी का कहना है सलमान का अपना एक शेड्यूल है। इमरान हाशमी ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है। जहां इमरान ने सलमान खान संग अपनी इक्वेशन पर बात की है। इमरान से इंटरव्यू में एक फैन का सवाल पूछा गया कि क्या सलमान खान सेट पर हमेशा लेट आते हैं। जिसपर इमरान ने हंसकर जवाब दिया- 'मैं कहना चाहूंगा कि उनका अपना एक शेड्यूल है। उनकी एक अपनी टाइमिंग और शेड्यूल है, लेकिन वह साथ काम करने वाले लोगों में से बेस्ट शख्स हैं। वह मुझे बहुत पसंद करते हैं, मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं।'

सलमान खान और इमरान हाशमी नहीं हैं दोस्त

इमरान हाशमी ने साथ ही कहा- 'हम दोस्त नहीं हैं लेकिन एक म्युचुअल रिस्पेक्ट है। जब हम साथ शूटिंग कर रहे होते हैं, और सेट पर साथ बैठे होते हैं, तो ऐसा लगता है कि मैं एक दोस्त से बात कर रहा हूं। वह मेरे से बहुत सीनियर हैं लेकिन हम बांद्रा के एक ही पड़ोस में बड़े हुए हैं, हम फिटनेस के बारे में बात करते हैं। मेरे साथ बात करना आसान है, कई बार ऐसा होता है कि आप कुछ लोगों के साथ खास तरह की आसानी फील करते हैं, ऐसा मैं सलमान के साथ फील करता हूं।' बता दें, सलमान खान और इमरान हाशमी फिल्म 'टाइगर 3' में साथ दिखाई दिए थे। फिल्म में इमरान हाशमी ने अपने नेगेटिव रोल के लिए खूब तारीफें बटोरी थीं।

'बागबान' में

4 बच्चों की मां बनने के लिए राजी नहीं थीं हेमा मालिनी इस खास शख्स के कहने पर की थी हां

हेमा मालिनी को जब फिल्म बागबान की स्क्रिप्ट सुनाई गई थी। उस वक्त उन्हें उनके रोल का नेरेशन दिया गया था। उन्हें बताया गया था कि हेमा इस फिल्म में 4 बच्चों की मां का रोल प्ले करेंगी। इस बात को सुनकर हेमा मालिनी इस रोल के लिए खुद को अनफिट मानने लगीं। ये किरदार उन्हें कन्वेंस नहीं कर पाया कि वे इसमें जमेंगी। लेकिन फिर ऐसा क्या हुआ कि हेमा मालिनी ने इस फिल्म के लिए हां कर दिया?

हेमा मालिनी और अमिताभ बच्चन साल 2004 में आई यश चोपड़ा की फिल्म वीर-जारा में स्क्रीन पर साथ देखे जा चुके हैं। इस फिल्म में भी ये जोड़ी कमाल लगी थी। ऐसे में हेमा मालिनी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि 2003 में आई बागबान में उन्हें उनके द्वारा किया गया रोल पहले पसंद नहीं आया था।

लेहरें रेट्रो के मुताबिक हेमा मालिनी ने कहा था- 'मुझे याद है मैं रवि चोपड़ा की फिल्म की स्क्रिप्ट सुन रही थी। मेरी मां मेरे साथ बैठी थीं। उनके जाने के बाद मैंने कहा-4 इतने बड़े-बड़े लड़कों की मां का रोल करने को बोल रहे हैं। मैं कैसे कर सकती हूं।' हेमा ने आगे बताया 'मेरी मां ने कहा- नोनोनो तुम्हें ये करना चाहिए। मैंने पूछा क्यों? तो उन्होंने कहा कि ये बहुत ही प्यारी स्टोरी है। तुम्हें इसे करना ही होगा। तो मैंने कहा कि ओके मैं करूंगी। काफी लंबे समय के बाद मैं दोबारा काम कर रही थी, तो मैंने तब सोचा था कि मैं ऐसी फिल्म क्यों करूं? लेकिन मेरी मां ने मुझे कंवेंस किया।'

'हाउसफुल 5' में अक्षय कुमार संग कॉमेडी का डोज डबल करेंगे संजय दत्त मेकर्स ने कन्फर्म की एंट्री

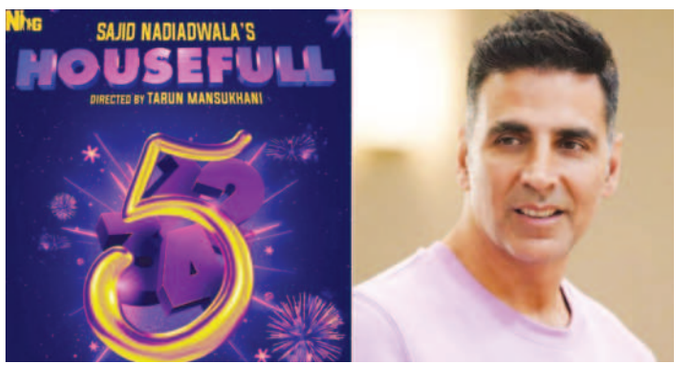

अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल' के अब तक चार पार्ट रिलीज हो चुके हैं। फिल्म के चारों पार्ट को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इस फ्रेंचाइजी के पांचवे पार्ट यानी 'हाउसफुल 5' जब से अनाउंसमेंट किया गया है तब से ये चर्चा में बनी है और लोग इसे देखने के लिए काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। हालांकि, फिल्म कि रिलीज डेट आगे बढ़ने से लोगों के निराशा हुई है। बीती मई में मेकर्स ने बताया था कि फिल्म अक्षय कुमार और रितेश देशमुख के साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आएंगे। अब मेकर्स ने फिल्म 'हाउसफुल 5' एक और एक्टर की एंट्री कन्फर्म कर दी है। फिल्म 'हाउसफुल 5' में इस एक्टर के आने से कॉमेडी का डोज डबल होने वाला है।

फिल्म 'हाउसफुल 5' में हुई संजय दत्त की एंट्री

बॉलीवुड की पॉपुलर फ्रेंचाइजी फिल्म 'हाउसफुल' के अगले पार्ट यानी फिल्म 'हाउसफुल 5' का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। अब मेकर्स ने इस फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट देकर लोगों का ज्यादा उत्साहित कर दिया है। दरअसल, फिल्म के प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला ने अपने ट्विटर हैंडल पर संजय दत्त के साथ एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ लिखा है, 'एनजीई फैमिली को ये घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि संजय दत्त हाउसफुल 5 की फैमिली को ज्वॉइन कर रहे हैं। मैडनेस से भरी इस अगली जर्नी पर काम करने के लिए उत्साहित हूं।' बताते चलें कि मेकर्स ने मई में बताया था कि अभिषेक बच्चन फिर से इस फ्रेंचाइजी फिल्म में नजर आएंगे। दरअसल, अभिषेक बच्चन 'हाउसफुल 3' में नजर आए थे और अब फिल्म 'हाउसफुल 5' में काम करते दिखाई देंगे।

'एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने वाले समूह को दिया भारी चंदा', रिपोर्ट का दावा

वॉशिंगटन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होंगे। ऐसे में सियासी दलों के चुनाव प्रचार अभियान में तेजी देखी जा रही है। राष्ट्रपति जो बाइडन की सेहत को लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर चिंताएं बढ़ रही हैं। उधर, दिग्गज अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के प्रचार अभियान के लिए उनके राजनीतिक समूह 'ग्रेट अमेरिका पीएसी' को भारी मात्रा में चंदा दिया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपब्लिकन पार्टी के दानदाताओं का होगा खुलासा

रिपोर्ट के मुताबिक, इस समूह ने हालांकि चंदे की राशि का खुलासा नहीं किया, लेकिन इसे एक 'बड़ी राशि' बताया। 'द ग्रेट अमेरिका पीएसी' 15 जुलाई को दानदाताओं की सूची का खुलासा करेगा। इस समूह ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में भी डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया था। इसकी स्थापना उसी साल एरिक बीच ने की थी, जो एक राजनीतिक रणनीतिकार और राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार अभियानों के अनुभवी हैं।

मार्च में डोनाल्ड ट्रंप ने मस्क के साथ की थी बैठक

ट्रंप को आधिकारिक तौर पर पांच नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार के रूप में नामित किए जाने की संभावना है। इससे पहले मार्च में ट्रंप ने मस्क और अन्य अमीर दानदाताओं के साथ बैठक की थी। बैठक की खबरों के बाद मस्क ने एक्स पर लिखा था, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं अमेरिकी राष्ट्रपति पद के किसी भी उम्मीदवार को चंदा नहीं दे रहा हूं। इसके बाद मई में उन्होंने मीडिया में आ रही उन खबरों को भी खारिज किया था, जिनमें कहा जा रहा था कि ट्रंप उन्हें भविष्य में राष्ट्रपति के सलाहकार की भूमिका सौंप सकते हैं।

टीडीएस रिफंड घोटाले में जांच तेज

आईपीएस अफसर के पति समेत पांच आरोपियों की संपत्तियां कुर्क

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। ईडी ने 263 करोड़ के आयकर टीडीएस रिफंड घोटाले में आईपीएस अफसर के पति पुरुषोत्तम चव्हाण समेत पांच आरोपियों की संपत्तियां कुर्क कीं। ईडी ने आरोपी पुरुषोत्तम चव्हाण के मुंबई स्थित फ्लैट, लोनावाला और राजेश बृजलाल बटरेजा की जमीन, अनिरुद्ध गांधी की एक कंपनी के बैंक डिपॉजिट, राजेश शेट्टी और भूषण अनंत पाटिल की बीमा पॉलिसी और एफडी समेत कुल 14.02 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क किया। इन संपत्तियों पर पीएमएलए एक्ट में जारी आदेश के तहत कुर्क किया गया। घोटाले में अब तक 182 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं। आयकर विभाग में हुए 263.95 करोड़ के टीडीएस रिफंड घोटाले में सीबीआई ने पूर्व वरिष्ठ कर सहायक तानाजी मंडल अधिकारी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की एफआईआर दर्ज की थी। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सामने आने के बाद ईडी ने जांच शुरू की। ईडी ने आरोप लगाया कि बृजलाल बटरेजा ने अधिकारी और अनिरुद्ध गांधी की मदद से 55.50 करोड़ रुपये भारत से बाहर भेजे। इसके बाद बटरेजा ने अन्य दो व्यक्तियों की मदद से धन को दुबई में छिपाया और इसका एक हिस्सा मुंबई और गुरुग्राम की एक कंपनी में निवेश किया। ईडी ने दावा किया कि बटरेजा ने चव्हाण के साथ मिलकर कुछ पैसे को डायवर्ट किया। जबकि 1.70 करोड़ रुपये स्वेच्छा से वापस किए। घोटाले में सितंबर में अधिकारी समेत 10 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। वहीं ताना जी मंडल अधिकारी, पाटिल, शेट्टी, बटरेजा और चव्हाण न्यायिक हिरासत में जेल में हैं।

2019 में जारी किए गए थे फर्जी टीडीएस रिफंड

मामले में एफआईआर दर्ज करने के बाद सीबीआई ने जांच में पाया था कि 15 नवंबर 2019 और 4 नवंबर 2020 के बीच अधिकारी द्वारा 263.95 करोड़ रुपये के 12 फर्जी टीडीएस रिफंड जेनरेट किए गए थे।

अबकी बार 'टमाटर' 100 के पार

कारोबारी बता रहे हैं अभी और होगा 'लाल'

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मॉनसून में जहां हर ओर हरियाली है, वहीं टमाटर और 'लाल' हुआ जा रहा है। देश में जगह-जगह हो रही बारिश का असर यूं तो सभी सब्जियों पर पड़ रहा है, लेकिन टमाटर कुछ ज्यादा ही महंगा हो रहा है। कुछ दिनों पहले रिटेल में 40 से 50 रुपये प्रति किलो बिकने वाला टमाटर 100 रुपये के पार चला गया है। कहीं यह 110 तो कहीं 120 रुपये प्रति किलो मिल रहा है। दिल्ली की कुछ पॉश कॉलोनियों अच्छी तरह की पैकिंग में टमाटर 150 रुपये किलो भी बिक रहा है।

कहीं पिछले साल की तरह तरह ना हो

इसी सीजन में पिछले साल दिल्ली में टमाटर 200 रुपये किलो बिका था। अब लोगों में डर है कि कहीं टमाटर की कीमत इस बार भी 200 के पार न चली जाएं। देश में फल एवं सब्जी की सबसे बड़ी मंडी है दिल्ली की आजादपुर सब्जी मंडी। इसी मंडी के आजादपुर वेजिटेबल्स ट्रेडर्स असोसिएशन के जनरल सेक्रेट्री और टमाटर कारोबारी अनिल मल्होत्रा ने बताया कि दिल्ली में तो खेती होती नहीं है। ऐसे में हरियाणा, बेंगलुरु और हिमाचल से ज्यादातर टमाटर दिल्ली आता है। इसलिए दूसरे राज्य में कुछ हुआ तो दिल्ली उससे प्रभावित हो जाता है।

पहले गर्मी अब वर्षा ने खेल खराब किया

अभी कुछ ही सप्ताह पहले की बात है। उत्तर

भारत में ऐसी गर्मी पड़ी कि खड़े पेड़ों के पत्ते झुलस गए। जाहिर है कि इस गर्मी में सब्जियों की पौध को तो खराब होना ही था। पहले गर्मी के कारण टमाटर की फसल खराब हुई और अब बारिश ने भी फसलों को नुकसान पहुंचाया है। मल्होत्रा बताते हैं कि बारिश के कारण बेंगलुरु से ज्यादा माल आ ही नहीं पा रहा है। ऐसे में सिर्फ हिमाचल से ही ज्यादा सप्लाई हो रही है। काफी दिनों बाद कल बेंगुलुरु से भी गाड़ी आई। हिमाचल से आने वाले टमाटर के रेट आज 1200-1500 रुपये प्रति कैरेट रहे। एक कैरेट में 25 किलो टमाटर आता है। ऐसे में थोक में यह टमाटर 48-60 रुपये प्रति किलो रहा। वहीं, बेंगुलुरु से आने वाली गाड़ियों का माल और महंगा है। आज इसके रेट 1800 रुपये प्रति कैरेट रहे, यानि थोक में इसके दाम 72 रुपये प्रति किलो रहे।

2031 तक दुनिया की दूसरी बड़ी-अर्थव्यवस्था बन सकता है भारत

भारतीय रिजर्व बैंक डिप्टी गवर्नर बोले- 2060 तक देश में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए 2048 तक का इंतजार नहीं करना पड़ेगा, बल्कि 2031 में ही देश इस उपलब्धि को हासिल कर सकता है। वहीं, 2060 तक देश में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा ने यह बात 9 जुलाई को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी में दिए भाषण में कही। उन्होंने कहा - अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के संकल्प को देखते हुए यह कल्पना करना संभव है कि भारत अगले दशक में आगे निकल जाएगा।

9.6% प्रति वर्ष की आर्थिक ग्रोथ में विकसित देश बन सकता है भारत

पात्रा ने कहा कि ऐसा अनुमान लगाया गया है कि अगर भारत अगले 10 सालों में 9.6% प्रति वर्ष की दर से आर्थिक ग्रोथ करता है तो लोअर मिडिल क्लास इनकम के ट्रैप को तोड़कर बाहर आ सकता है और विकसित देश बन सकता है। इसका असर प्रति व्यक्ति आय में भी दिखना चाहिए। हालांकि, 2047 तक विकसित देश के लिए प्रति व्यक्ति आय की सीमा 34,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 28 लाख) तक करने की जरूरत होगी।

मैक्रो इकोनॉमिक पॉलिसी और फाइनेंशियल स्टेबिलिटी पॉजिटिव ट्रैक में

डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा कहा कि भारतीय रुपए को इंटरनेशनल बनाने के लिए भी मैक्रो इकोनॉमिक पॉलिसी और फाइनेंशियल स्टेबिलिटी पॉजिटिव ट्रैक में है। भारत में महंगाई दर को वैश्विक महंगाई दर के मुताबिक करने की जरूरत है, जिससे रुपए के आंतरिक और बाहरी वैल्यू को संरक्षित (प्रिजर्व) किया जा सके। इससे रुपए की इंटरनेशनलाइजेशन ग्राउंड तैयार होगी और भारत आने वाले कल के लिए दुनिया के इकोनॉमिक पावरहाउस के रूप में उभर सकेगा।

मॉनेटरी पॉलिसी एक्शन के कारण महंगाई तय लक्ष्य के आसपास

पात्र ने कहा कि मॉनेटरी पॉलिसी एक्शन और सप्लाई रिलेटेड उठाए गए कदम के कारण महंगाई दर 4% के तय लक्ष्य के आसपास आई है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 में महंगाई दर 4.5% और वित्त वर्ष 2025-26 में 4.1% रहने का अनुमान लगाया है। जून में रिटेल महंगाई बढ़कर 5.08% पर पहुंच गई है। यह महंगाई का 4 महीने का उच्चतम स्तर है। अप्रैल में महंगाई 4.85% रही थी। वहीं एक महीने पहले मई में महंगाई 4.75% रही थी। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस ने शुक्रवार, 12 जुलाई को ये आंकड़े जारी किए।

दुनिया का 10वां सबसे बड़ा बैंक बन गया एचडीएफसी

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और आईसीआईसीआई ने भी मारी लंबी छलांग

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अभी कुछ सालों पहले ही भारी भरकम एनपीए से जूझ रहे भारतीय बैंक अब दुनिया के दिग्गज बैंकों को टक्कर दे रहे हैं. प्राइवेट सेक्टर के एचडीएफसी बैंक की मार्केट वैल्यू साल 2024 की दूसरी तिमाही के अंत तक 17 फीसदी बढ़ गई है. बैंक का मार्केट कैप भी 154.4 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है. इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक दुनिया का 10वां सबसे बड़ा बैंक बन गया है. एचडीएफसी के अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और आईसीआईसीआई बैंक भी दुनियाभर के बैंकों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं.

एचडीएफसी ग्लोबल रैंकिंग में 10वें स्थान पर

ग्लोबल डेटा के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी, एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक भारत के तीन सबसे ज्यादा लोन बांटने वाले बैंक हैं. इन तीनों ही बैंकों की मार्केट कैप में जून में समाप्ति हुई तिमाही में बढ़ोतरी दर्ज की गई है. इसके चलते ग्लोबल रैंकिंग में भी यह तीनों बैंक लगातार ऊपर गए हैं. एचडीएफसी बैंक रैंकिंग में 3 नंबर ऊपर जाकर 10वें स्थान पर पहुंच गया है. ग्लोबल डेटा के अनुसार, मजबूत तिमाही नतीजों, निवेशकों का पॉजिटिव रुख और बैंक के भविष्य को लेकर बढ़ रही उम्मीद के चलते यह उछाल आ रहा है. एचडीएफसी बैंक के तिमाही नतीजे 20 जुलाई के आने वाले हैं.

आईसीआईसीआई बैंक का 18वें नंबर पर कब्जा

रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 की पहली तिमाही के अंत में रॉयल बैंक ऑफ कनाडा 10वें स्थान पर था. उधर, आईसीआईसीआई बैंक की मार्केट वैल्यू भी जून तिमाही के अंत में 11.5 फीसदी बढ़कर 102.7 अरब डॉलर हो चुकी है. इसके साथ ही यह टॉप 25 ग्लोबल बैंकों में 18वें नंबर पर आ गया है. टीडी बैंक मार्च तिमाही में 18वें स्थान पर था. आईसीआईसीआई बैंक के तिमाही नतीजे 27 जुलाई को आने वाले हैं.

धनकुबेरों पर भारत में लगेगा बिलेनियर्स टैक्स ?

कांग्रेस ने बजट से पहले रखी बडी डिमांड

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। आर्थिक असमानता की खाई को पाटने के लिए अमीरों पर अलग से टैक्स लगाने पर सालों से बहस चल रही है. धीरे-धीरे यह बहस भारत में भी तेज हो रही है. हाल ही में लोकसभा चुनाव के दौरान भी यह मुद्दा सामने आया था. अब वित्त वर्ष 2024-25 के पूर्ण बजट से पहले एक बार फिर से मुद्दा चर्चा के केंद्र में है. मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने अरबपतियों पर बिलेनियर्स टैक्स लगाने की मांग करते हुए सरकार से पक्ष स्पष्ट करने को कहा है.

हर साल मिल सकते हैं 1.5 लाख करोड़

मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के प्रवक्ता जयराम रमेश ने इस मुद्दे पर अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर भारत में बिलेनियर्स टैक्स लगाया जाता है तो इससे सरकारी खजाने को आसानी से हर साल 1.5 लाख करोड़ रुपये मिल सकते हैं. सरकार उस रकम का इस्तेमाल देश में और स्कूल बनाने, नए अस्पताल खोलने और सामाजिक विकास की अन्य योजनाओं पर कर सकती है.

2 फीसदी की दर से बिलेनियर्स टैक्स का प्रस्ताव

कांग्रेस प्रवक्ता का कहना है- पूरी दुनिया में बिलेनियर्स टैक्स पर सहमति बनती दिख रही है. जी20 की अभी अध्यक्षता कर रहे ब्राजील ने इसे लेकर एक प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे फ्रांस, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और जर्मनी जैसे देशों ने समर्थन प्रदान किया है. दुनिया अरबपतियों पर 2 फीसदी की दर से बिलेनियर्स टैक्स लगाने की दिशा में आगे बढ़ रही है. जी20 की बैठक इसी महीने होने जा रही है. ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस प्रस्ताव पर अपनी सरकार का पक्ष स्पष्ट करना चाहिए.

दो-तिहाई भारतीय भी कर रहे सपोर्ट

यह पहली बार नहीं है, जब भारत में अमीरों पर अलग से टैक्स लगाने की बात चली हो. हाल ही में लोकसभा चुनाव के ठीक बाद हुए एक सर्वे में पता चला था कि ज्यादातर भारतीय भी सुपर रिच टैक्स या बिलेनियर्स टैक्स के पक्ष में हैं. अर्थ फोर ऑल और ग्लोबल कॉमन्स अलायंस के द्वारा किए गए सर्वे में पता चला था- 74 फीसदी भारतीय मानते हैं कि आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए अमीरों पर सुपर रिच टैक्स लगाना उचित है. यानी हर चार में से 3 भारतीय सुपर रिच टैक्स लगाए जाने के समर्थन में है. वहीं जी20 देशों में ऐसे लोगों का हिस्सा 68 फीसदी है.

ब्राजील ला सकता है संयुक्त घोषणापत्र

वैश्विक स्तर पर देखें तो कम से कम 2013 से सुपर रिच टैक्स की मांग जोर पकड़ रही है और इसके बारे में लगातार चर्चाएं चल रही हैं. कोविड के बाद आर्थिक असमानता की खाई चौड़ी होने के साथ-साथ उसे पाटने के उपायों पर बातें भी बढ़ गई हैं. अभी जी20 की अध्यक्षता कर रहा ब्राजील सुपर रिच टैक्स पर अधिक मुखर है. ब्राजील इसी महीने जी20 देशों के वित्त मंत्रियों की होने जा रही बैठक में सुपर रिच टैक्स पर संयुक्त घोषणापत्र लाने की दिशा में प्रयास कर रहा है.

महंगाई कम करने के लिए आटा मिलों और बिस्कुट कंपनियों को सस्ते दामों पर गेहूं बेचेगी सरकार

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। गेहूं की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद उपभोक्ताओं को सस्ती कीमतों में आटा और बिस्कुट उपलब्ध कराने के लिए सरकार अपने रिजर्व से आटा मिलों और बिस्कुट बनाने वाली कंपनियों जैसे बल्क कंज्यूमर्स को गेहूं बेचने की तैयारी में है. केंद्र सरकार ने कीमतों पर नकेल कसने के लिए एफसीआई को अपने इंवेटरी से गेहूं बेचने की अनुमति दे दी है जिससे बाजार में गेहूं की सप्लाई को बढ़ाई जा सके. फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ओएमएसएस के तहत गेहूं बेचेगी. अगले महीने से एफसीआई 23,250 रुपये प्रति टन के भाव पर गेहूं बेचेगी जो बाजार में मौजूदा भाव से 12 फीसदी सस्ता है. हालांकि ओपन मार्केट सेल स्कीम के तहत कितना गेहूं बेचा जाएगा ये फिलहाल तय नहीं हुआ है. पिछले वर्ष भी गेहूं की कीमतों में तेजी के बाद एफसीआई ने बल्क कंज्यूमर्स और प्राइवेट प्लेयर्स को गेहूं बेचा था. वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान एफसीआई ने ओपन मार्केट में 10 मिलियन मीट्रिक टन गेहूं बेचा जो कि रिकॉर्ड है. रॉयटर्स के रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई स्थित ग्लोबल ट्रेडिंग हाउस से जुड़े डीलर ने बताया कि एफएसआई की ओर से सस्ती कीमतों पर गेहूं ऑफर करने के कारण कई प्राइवेट प्लेयर्स बड़ी मात्रा में गेहूं खरीदने में रुचि दिखा सकते हैं. भारत में बीते एक साल में गेहूं की कीमतों में 6 फीसदी का उछाल आ चुका है. 2022 और 2023 में तापमान बढ़ने के चलते गेहूं के फसल को नुकसान पहुंचा था जिसके बाद मई 2022 में भारत सरकार ने गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने का फैसला लिया था जो अभी लागू है. मौजूदा वर्ष में भी सरकार के 112 मिलियन मीट्रिक टन के अनुमान से 6.24 फीसदी कम गेहूं का उत्पादन हुआ है. राज्यों के वेयरहाउस में गेहूं का स्टॉक घटकर 29.9 मीट्रिक टन पर आ गया है जो कि पिछले साल 31.5 मीट्रिक टन रहा था.

जून में महंगाई 4 महीने के हाई पर

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। महंगाई से परेशान जनता के लिए शुक्रवार को बुरी खबर सामने आई है. दरअसल पिछले महीने टमाटर-प्याज और दाल जैसी खान-पान की चीजों के दाम बढ़ जाने से महंगाई दर में तेजी आई है. जून के महीने में खुदरा महंगाई दर एक बार फिर 5 फीसदी के पार जा पहुंची है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जून 2024 में खुदरा महंगाई दर 5.08 फीसदी रही है जो मई 2024 में 4.80 फीसदी रही थी. महीने दर महीने के आधार पर खाद्य महंगाई दर में इजाफा देखने को मिला है और ऐसे में महंगाई दर जून महीने में 4 महीने के हाई पर पहुंच गया है.देश के कई इलाकों में तेज बारिश के चलते सब्जियों की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है जिसके चलते साग-सब्जियां महंगी हुई है. जून में सब्जियों की महंगाई दर 29.32 फीसदी रही है जो मई में 27.33 फीसदी रही थी. दालों की महंगाई दर जून में 16.07 फीसदी रही है जो मई में 17.14 फीसदी रही थी. जून में दालों की महंगाई में मामूली कमी आई है. जून में फलों की महंगाई दर 7.1 फीसदी रही है जो मई में 6.68 फीसदी रही थी. अनाज और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर 8.75 फीसदी रही है जो मई में 8.69 फीसदी रही थी. चीनी की महंगाई दर 5.83 फीसदी रही है जो मई में 5.70 फीसदी रही थी. अंडों की महंगाई दर में गिरावट आई है और ये 3.99 फीसदी रही है जो मई में 7.62 फीसदी रही थी. खुदरा महंगाई दर को कंट्रोल करने की जिम्मेदारी सरकार ने केंद्रीय बैंक को दी है. सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा है कि सीपीआई मुद्रास्फीति दोनों तरफ 2 प्रतिशत के मार्जिन के साथ 4 प्रतिशत पर बनी रहे.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -**2550**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 05-53 सूर्यास्त. - 18-50
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
कलियुग संवत् -**5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949125**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी **17-26** तक उपरान्त नवमी
मास - आषाढ़ शुक्ल , रविवार **14 July**
नक्षत्र - चित्रा **22-06** तक उपरान्त
योग - शिव **06-14** तक उप सिद्ध
करण- बव **17-26** तक उप बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सोमवार को भडली नवमी

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन..	03-50 बजे
चंद्र-	कन्या में	कर्क...	06-03 बजे
मंगल	वृष में	सिंह...	08-14 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या..	10-22 बजे
गुरु-	वृष में	तुला....	12-28 बजे
शुक्र-	कर्क में	वृश्चिक..	14-38 बजे
शनि-	कुंभ में	धनु.....	16-50 बजे
राहु-	मीन में	मकर..	18-56 बजे
केतु-	कन्या में	कुंभ....	20-48 बजे
		मीन....	22-25 बजे
		मेष....	00-01 बजे
		वृष....	01-46 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:15 से 18:53 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	05:53 - 07:29 अशुभ	शुभ	18:50 - 20:15 शुभ
चंचल	07:29 - 09:06 शुभ	अमृत	20:15 - 21:38 शुभ
लाभ	09:06 - 10:44 शुभ	चंचल	21:38 - 22:59 शुभ
अमृत	10:44 - 12:22 शुभ	रोग	22:59 - 00:22 अशुभ
काल	12:22 - 13:59 अशुभ	काल.	00:22 - 01:44 अशुभ
शुभ	13:59 - 15:38 शुभ	लाभ	01:44 - 03:07 शुभ
रोग	15:38 - 17:15 अशुभ	उत्पात	03:07 - 04:29 अशुभ
उत्पात	17:15 - 18:50 अशुभ	शुभ	04:29 - 05:53 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप अपने करियर में जो कुछ भी चाहते थे , वह सब कुछ आज आपके रास्ते में आएगा । चाहे वह प्रसिद्धि, ताक़त , पैसा या पद हो , आप अब सब कुछ पाने के लिए एक आदर्श स्थिति में हैं। बस कड़ी मेहनत करते रहे और अन्य लोगों की राय का सम्मान करे और जो भी आपने अपनी इच्छा शक्ति के बलबूते किया है , वो सब आपका होगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप लंबे समय से एक ही परियोजना पर काम कर रहे है , इसलिए आपका दिन आज आपको नीरस लग सकता है। ये आपकी प्रगति के लिए हानिकारक है , इसलिए जितनी जल्दी हो सके बदलाव लाने के लिए आप कोशिश करे । हालांकि तब तक अपने सहकर्मियों के साथ सौहार्दपूर्ण रिश्ते का आनंद लें।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आप खर्चीले साबित हो सकते है ! आपकी अवचेतन अवस्था आध्यात्मिक संदेशो के द्वारा निर्देशित हो सकती है जिस में आप फस सकते हो , सुझाव व उपायों में कोई खराबी नहीं है ,परन्तु अपनी बचत को खाली कर के नहीं । तथ्यात्मक यह सब अच्छा नहीं होगा, बस धैर्य रखने की जरुरत है और चीजे धीरे-धीरे ठीक होनी शुरू हो जाएंगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज इस बात के जबरदस्त संकेत है की आप अपने कार्य क्षेत्र का परिवर्तन कर सकते है या आप के कार्य क्षेत्र से जुडी दिशा का बदलाव हो सकता है । अभी तक आप जिस चीज़ को शौकिया तौर पर लेते थे वही चीज़ आपके लिए धन उपार्जन का रास्ता बन सकती है यहाँ तक की आप अपनी नौकरी भी इस काम के लिए छोड़ सकते है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आप अपने सहयोगियों और ग्राहकों के साथ बेहतर संबंध बनायेंगे । आज कुछ ऐसा नया करने के लिए ये दिन अच्छा है , जिसमे आपके प्रभावशाली कौशल की आवश्यकता हो , हालांकि जो लोग बीमार हैं , वो लोग घर से काम शुरू कर सकते है। इससे अप्रत्याशित रूप से आपके काम की गुणवत्ता में सुधार होगा और उस समय की बचत भी होगी जो यात्रा में बर्बाद हो रहा था ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपको आगे जाने से पहले अपने वित्तीय और कैरियर से संबंधित योजनाओं के अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों नतीजों पर विचार करना होगा । आपको कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने कैरियर से संबंधित योजना का एक खाका तैयार करना होगा जिससे आप लाभ और हानि का विश्लेषण कर सके ।दोबारा अपने निर्णय का पुनर्मूल्यांकन करे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके व्यावसायिक कौशल में तेजी आयेगी और आप एक मजबूत भावना के साथ पेशेवर दौड़ में वापस स्थापित होंगे । आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे और अभी तक आप अपने कार्य और पद की तुलना में काफी अल्प आय प्राप्त कर रहे थे।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज का दिन काफी मुश्किलो से भरा रह सकता है और आपको सख्त नियमो का पालन करते हुए काफी कठिन परिश्रम करना पड़ेगा , लेकिन यह आपके भविष्य की योजनाओं के लिए एक ठोस आधार बनाने में मदद करेगा । आज का परिश्रम आपको भविष्य में फल देगा । हो सकता है की आप अपने सहयोगी की जिम्मेदारी भी ले।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रुख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

हालाँकि , आप अच्छी तरह से अपने क्षेत्र में स्थापित हैं पर आज आप अपने काम में बैचैनी महसूस कर सकते हैं । किसी चीज को लेकर आप में असंतोष की भावना आज आपको परेशान कर सकती है हालांकि, अभी अपनी नौकरी छोड़ने का कदम बेवकूफी भरा होगा । ये क्षणिक भावनाए हैं जिससे आप गुमराह हो सकते है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे । ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है , लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा । आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी

पं। महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कोयला कारोबारी पर फायरिंग

एक हवा में और दूसरी कार के शीशे पर लगी बुलेट, लॉरेंस और अमन साहू गैंग पर शक

रायपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर में कोयला कारोबारी पर गोली चलाई गई है। बताया जा रहा है कि 2 बार फायरिंग की गई, जिसमें एक हवा में और दूसरी फायरिंग कार पर की गई है। दूसरी गोली कार के शीशे पर लगी। आशंका जताई जा रही है कि लॉरेंस बिश्नोई और अमन साहू गैंग ने अटैक किया है। घटना तेलीबांधा थाना क्षेत्र की है।

बताया जा रहा है कि वारदात को कारोबारी को डराने के लिए किया गया है, जिससे वह कोल लेवी की रकम दे सके। हालांकि वारदात किन लोगों ने और क्यों की है फिलहाल पता नहीं चल पाया है। वारदात शनिवार सुबह 11 बजे हुई है। कोल व्यापारी का ऑफिस तेलीबांधा क्षेत्र के उद्योग भवन के पास है।

दो बाइक सवारों ने गोली चलाई

जानकारी के मुताबिक दो बाइक सवारों ने गोली चलाई है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक मुंह पर मास्क लगाकर आए थे। वारदात के बाद भागते हुए सीसीटीवी कैमरे में तस्वीरें कैद हुई हैं।

निर्माण और कंस्ट्रक्शन से जुड़ा है कारोबार

बताया जा रहा है कि जिस कारोबारी पर अटैक हुआ है, वह पीआर कंस्ट्रक्शन से जुड़ा है। उसका सड़क निर्माण और कंस्ट्रक्शन से जुड़ा कारोबार है। फिलहाल कारोबारी का नाम सामने नहीं आया है।

रायपुर एडिशनल एसपी लखन पटले के मुताबिक पचपेड़ी नाके से तेलीबांधा के बीच सर्विस रोड पर कारोबारी के ऑफिस के सामने 2 बाइक सवार फायरिंग करते हुए दिखाई दिए हैं। नाकेबंदी कर जांच की जा रही है।

2 महीने पहले रायपुर पुलिस ने झारखंड के अमन साहू गैंग से जुड़े 4 शूटरों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए आरोपियों को छत्तीसगढ़ और झारखंड के बड़े कोयला कारोबारियों की हत्या की सुपारी मिली थी। इसके बाद इनमें से 3 शूटर रायपुर पहुंचे थे। जबकि एक को छत्तीसगढ़ पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार किया था। रायपुर में हुई वारदात का शक भी इसी गैंग पर है।

गांजा तस्करी करने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार 20 किलो नशीला पदार्थ बरामद

दुर्ग, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दुर्ग में क्राइम ब्रांच और कुम्हारी पुलिस ने गांजा तस्करी करने वाले के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की है। पुलिस ने एक मालवाहक से बड़ी मात्र में गांजे के खेप के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मालवाहक से 20 किलो गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत लाखों में बताई जा रही है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि छत्तीसगढ़ के रास्ते ओडिसा से दुर्ग की ओर से गांजे की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। जिसपर क्राइम ब्रांच और कुम्हारी थाना पुलिस ने कुम्हारी टोल प्लाजा के पास घेराबंदी गांजे के साथ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को जानकारी मिली थी कि मालवाहक में गांजा तस्करी की जा रही है। जिसके बाद पुलिस ने मुखबिर के बताए वाहन को रोक कर चेक किया। जिसमें प्लास्टिक बोरी में 20 किलो गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

झारखंड के 10 जिलों में आज बारिश का रेड अलर्ट

रांची के कई इलाकों में भरा पानी, अगले तीन दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

रांची, 13 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में मानसून का असर अब दिखने लगा है। राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में शुक्रवार को तेज बारिश हुई। बारिश की वजह से रांची के कई इलाके जलमग्न हो गए। मौसम विभाग ने आज राज्य के 10 जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी और रामगढ़ शामिल है। मौसम विभाग के मुताबिक, 15 जुलाई तक रांची और आसपास के इलाकों में ऐसा ही मौसम बना रहेगा। बीते 24 घंटे में पलामू के पलामू के हरिहरगंज में 155 मिमी से अधिक बारिश हुई है। वहीं गोड्डा में 113 मिमी, राजमहल

में 106 मिमी तथा पत्थरगामा में 100 मिमी से अधिक बारिश हुई है। वहीं, बारिश के बाद तापमान में भी 4 से 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। बारिश के बाद गढ़वा-पलामू का अधिकतम तापमान 35 डिग्री रहा। जबकि 36 डिग्री के साथ सरायकेला सबसे अधिक गर्म रहा। जबकि रांची का तापमान 33 डिग्री के आसपास रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का मानना है कि 14 से 18 जुलाई तक मानसून का असर थोड़ा कम होगा। इस दौरान राज्य के कई क्षेत्रों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। इससे उमस भरी गर्मी से राहत मिल सकती है।

प्रेम-प्रसंग में तलाकशुदा महिला को 3 लाख रुपए के साथ बुलाया

धनबाद, 13 जुलाई (एजेंसियां)। गलफरबाड़ी ओपी क्षेत्र के सियारकनाली रेलवे लाइन पुल के समीप घायल अवस्था में 32 वर्षीय एक युवती को पुलिस ने बरामद किया था। ओपी प्रभारी निशित कुमार ने घायल को इलाज के लिए धनबाद भेजा था। इलाज के दौरान 27 मई को युवती की मौत हो गई थी। इस संबंध में पुलिस ने अज्ञात अपराधियों के खिलाफ चौकीदार अशोक साहू की लिखित शिकायत पर कांड 136/24 के धारा 302 के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। धनबाद एसएसपी व ग्रामीण एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम का गठित की गई थी।

अनुसंधान के क्रम में सीआईडी प्रशासन व विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से मृतका की तस्वीर पहचान कराया गया। जिसमें उक्त युवती की पहचान 32 वर्षीय अफसाना खातून के रूप में हुई। जो कालूबथान ओपी क्षेत्र के जोल्हाडीह निवासी सिद्दीकी अंसारी की पुत्री थी। अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने कालूबथान ओपी क्षेत्र के जयपुर गांव में छापेमारी कर शहाबुद्दीन अंसारी व रब्बानी अंसारी को गिरफ्तार किया। पूछताछ के क्रम में उक्त दोनों अपराधियों ने हत्याकांड में अपनी-अपनी संलिप्तता स्वीकार की। आरोपियों की निशानदेही पर मृतका अफसाना खातून का मोबाइल नदी से बरामद किया गया। बताया कि शहाबुद्दीन अंसारी के साथ महिला का प्रेम-प्रसंग चल रहा था। महिला तलाकशुदा थी। तलाक के क्रम में पति ने महिला को तीन लाख रुपए दिए थे। जिसके बाद शहाबुद्दीन ने शादी की बात कहकर महिला को रुपए के साथ बुलाया।

महिला को मृत समझकर रेलवे लाइन किनारे फेंका रुपए के लालच में आरोपी ने महिला से मारपीट कर अधमरा कर दिया। महिला को मरा हुआ समझ कर रेलवे लाइन पुल के किनारे छोड़कर चले गए। हालांकि महिला के जिंदा होने पर पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया।

नाबालिग लड़की ने बॉयफ्रेंड के 17 टुकड़े किए

सऊदी अरब से मिलने छत्तीसगढ़ बुलाया था लिव-इन पार्टनर के साथ मिलकर मार डाला

कोरबा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में 16 साल की लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड को गला रेत कर मार डाला। इसके बाद शव के 17 टुकड़े किए और स्कूल बैग-बोरी में भरकर डैम में फेंक दिया। इसके लिए लड़की ने अपने लिव-इन पार्टनर की मदद ली। पुलिस ने दोनों आरोपियों को ओडिशा से गिरफ्तार किया है।

हैरानी की बात यह है कि लड़की ने यह साजिश पैसों के लालच में रची। इसके लिए उसने सऊदी अरब से बॉयफ्रेंड को मिलने के लिए बुलाया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से चोरी की सोने की चेन, मोबाइल और कैश बरामद किया है।

जानकारी के मुताबिक, पाली क्षेत्र के चैतमा निवासी 16 साल की लड़की और झारखंड के रांची के रहने वाले वसीम अंसारी (26 वर्ष) की जान पहचान सोशल मीडिया पर हुई। दोनों के बीच बातचीत होने लगी। पहले वे दोस्त बने और फिर उनमें प्यार हो गया। दोनों करीब साढ़े 3

साल से एक-दूसरे को जानते थे।

वसीम करीब ढाई साल पहले किसी प्राइवेट कंपनी में काम करने के लिए सऊदी अरब चला गया। इस दौरान लड़की और वसीम की आपस में बात होती थी। लड़की ने वसीम को मिलने के लिए बुलाया। उसके कहने पर वसीम पहले दिल्ली और फिर झारखंड गया। हालांकि वह अपने घर न जाकर बिलासपुर पहुंचा।

वहां आरोपी लड़की उसे बोलेरो किराये पर लेकर लेने के लिए पहुंची थी। वसीम को लेकर लड़की अपने घर लाई और वहीं रुकवा दिया। आरोप है कि साजिश के तहत 9 जुलाई की रात लड़की के घर में पीछे के रास्ते से रजा खान दाखिल हुआ। उसने मुर्गा काटने वाले चाकू से वसीम के गले पर वार कर दिया।

हमला होते ही वसीम ने चिल्लाना शुरू कर दिया। आरोप है कि इस पर लड़की और रजा खान ने उसे पकड़ा और उसी चाकू से गला काट कर अलग कर दिया। इसके बाद उसके शव के टुकड़े किए और उन्हें बैग में भरकर स्कूटी से ले जाकर गोपालपुर डैम में फेंक दिया। कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि, हत्या करने के बाद वसीम की चेन, मोबाइल और फोन-पे से 3 लाख रुपए लेकर आरोपी ओडिशा भाग गए। टेक्निकल जांच के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।लड़की को लगा कि वसीम ने सऊदी अरब में काम करने के दौरान बहुत पैसा कमाया होगा। इस लालच में उसने रजा खान के साथ मिलकर साजिश रची। एसपी तिवारी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि लड़की और आरोपी रजा खान दोनों लिव-इन में रहते थे। वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने ऑनलाइन ई-कॉमर्स साइट फ्लिपकार्ट से मुर्गा काटने वाला चाकू मंगवाया था। उसे भी बरामद कर लिया गया है।

महिला की पिटाई

केस में एमपी ढुल्लू महतो का नाम आने पर सीएम हेमंत ने दिए जांच के आदेश

रांची, 13 जुलाई (एजेंसियां)। धनबाद के भाजपा सांसद ढुल्लू महतो के कथित समर्थकों ने एक परिवार की तीन महिलाओं और एक बच्ची के साथ मारपीट की है। इन सभी को गंभीर चोटें आई हैं और उनका इलाज धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में चल रहा है। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को सहायता उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस संबंध में धनबाद के उपायुक्त और झारखंड पुलिस को निर्देशित किया है। मारपीट की घटना गुरुवार की है। इस संबंध में धनबाद के बरोरा थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। जिनके साथ मारपीट की गई है, उनमें चिटाही गांव के रैयत डोमन महतो की पत्नी और परिवार की दो अन्य महिलाएं एवं एक बच्ची शामिल है। बताया गया है कि सांसद ढुल्लू महतो ने चिटाही गांव में रामराज मंदिर का निर्माण कराया है। मंदिर के पास की जमीन को लेकर आधा दर्जन किसानों और सांसद के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। इसे लेकर पहले भी कई बार मारपीट हुई है और इस संबंध में केस भी दर्ज है। जबरन जमीन पर कब्जा करने और मारपीट के मामले में गुरुवार को एक रैयत डोमन महतो सांसद के खिलाफ कोर्ट में गवाही देने गए थे। एफआईआर में बताया गया है कि सांसद ढुल्लू महतो के समर्थकों ने रैयत पर उनके खिलाफ गवाही नहीं देने का दबाव बनाया था। इससे इनकार करने की वजह से सांसद के 10 से 15 समर्थकों ने गुरुवार को रैयत के घर और खेत पर हमला कर दिया। आरोप है कि उन्होंने खेत में लगी फसलों को जेसीबी मशीन से रौंदा। इसका विरोध करने पर महिलाओं से मारपीट की गई। एफआईआर में बताया गया है कि हमलावरों की अगुवाई अजय गोराई कर रहा था। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। सांसद ढुल्लू महतो ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह बाहर हैं। लौटने के बाद ही इस बारे में कुछ बता पाएंगे।

झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अचानक बदला प्लान

'रिजर्वेशन' का 'जख्म' भरेगा 'रिजर्व गेम'

रांची, 13 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियां इस बार कुछ अधिक जोर-शोर से चल रही हैं। भाजपा ने दो चुनाव प्रभारी और एक प्रदेश प्रभारी की तैनाती की है तो झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक को अपने नेता हेमंत सोरेन पर पूरा भरोसा है। चुनावी दृष्टि से फिलहाल दो गठबंधन झारखंड में स्पष्ट तौर पर दिखते हैं। एनडीए में भाजपा के साथ आजसू पार्टी और जेडीयू हैं तो इंडी अलायंस में जेएमएम, कांग्रेस, आरजेडी और सीपीआई (एमएल) अभी दिख रहे हैं। विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला इन्हीं दो गठबंधनों के बीच है। एनडीए ने झारखंड के पहले सीएम बाबूलाल मरांडी के चेहरे पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है तो 'इंडिया' का नेतृत्व मौजूदा सीएम हेमंत सोरेन ही करेंगे। भारत निर्वाचन आयोग की टीम के दौरे से चुनावी सरगर्मी और तेज हो गई है। झारखंड में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक ही साल के अलग-अलग कालखंड में होते रहे हैं। पहले लोकसभा का चुनाव होता है,

फिर कुछ महीने बाद विधानसभा का। इस साल मई में लोकसभा के चुनाव हुए तो अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा का चुनाव होना है। इसलिए आमतौर पर यह माना जाता है कि झारखंड में लोकसभा का चुनाव कुछ महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव का ट्रायल है। हालांकि इसकी गारंटी नहीं होती कि लोकसभा चुनाव में जिसे सफलता मिली, उसे विधानसभा चुनाव में भी कामयाबी मिल ही जाए। इसके लिए पिछली बार 2019 में हुए चुनावों को देखा जा सकता है। एनडीए ने पिछली बार लोकसभा की कुल 14 में 12 सीटें जीत ली थीं, लेकिन विधानसभा चुनाव के परिणाम उसके प्रतिकूल आए। लोकसभा चुनाव में एक सीट पर सिमटा जेएमएम विधानसभा चुनाव में 30 सीटें जीत कर सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरा। इस साल संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए को पिछले मुकाबले तीन सीटों का नुकसान हुआ। इंडिया ब्लॉक में शामिल जेएमएम और कांग्रेस ने अपनी एक-एक सीट को क्रमशः तीन और दो पर पहुंचा दिया। एनडीए की सबसे बड़ी ताकत यह है कि केंद्र में उसकी सरकार है। 2014 से 2019 तक भाजपा की झारखंड में पूर्ण बहुमत की सरकार रही है। खराब हालत में भी भाजपा के पास आठ और उसकी सहयोगी आजसू के पास एक सांसद हैं। भाजपा झारखंड के दो इलाकों- संताल परगना और कोल्हान को छोड़ बाकी जगहों पर कमाल तो कर लेती है, लेकिन इन दो इलाकों में जेएमएम और उसके सहयोगी दलों का ही दबदबा रहता है। कोल्हान इलाके में विधानसभा की 14 सीटें हैं। 2019 के असेंबली इलेक्शन में इंडिया ब्लॉक में शामिल पार्टियों ने भाजपा का इस इलाके से सफाया कर दिया था। तब कोल्हान की सबसे हॉट सीट जमशेदपुर पश्चिमी रही, जहां राज्य के मुख्यमंत्री रहे रघुवर दास को उनकी ही सरकार में मंत्री रहे सरयू राय ने निर्दलीय चुनाव लड़ कर धूल चटा दी थी। सरयू राय ने रघुवर दास को 27,000 वोटो से हराया था। इस बार लोकसभा चुनाव में कोल्हान की दो सीटों में एक सीट पर ही भाजपा को कामयाबी मिली। कांग्रेस के टिकट पर पिछली बार चुनाव जीतने वाली गीता कोड़ा को भाजपा ने अपने साथ कर तो लिया, लेकिन इसका उसे कोई फायदा नहीं मिला।

ओवैसी-जयराम किसकी नींद करेंगे हराम

एआईएमआईएम और जेबीकेएसएस के असेंबली चुनाव लड़ने की घोषणा से एनडीए और आई .एन .डी .आई .ए . की बढ़ी टेंशन

रांची, 13 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में अभी तक एनडीए और 'इंडिया' के नेता ही आपस में एक दूसरे को मात देने के लिए लड़-भिड़ रहे थे। इस सियासी खेल को रोचक बनाने के लिए अब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम भी एंट्री मारने की तैयारी में है। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष ने घोषणा की है कि झारखंड विधानसभा की सभी सीटों पर उनकी पार्टी के कैंडिडेट इस बार ताल ठोंकेंगे। इधर जेबीकेएसएस के जयराम महतो नए कुर्मी नेता के रूप में उभर रहे हैं। अभी तक कुर्मी नेता के रूप में आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो की ही पहचान थी। सुदेश महतो अभी एनडीए के साथ हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में जयराम महतो ने पहले ही प्रयास में जो कमाल किया है, वह हर दल और गठबंधन के लिए खतरे की घंटी है।

पिछले हफ्ते बोकारो जिले के बोकारो थर्मल में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) का

कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। विधानसभा चुनाव से पहले ऐसे समारोह के आयोजन के औचित्य को समझना कठिन काम नहीं है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद शाकिर ने कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाने को कहा। उन्होंने ऐलान किया कि एआईएमआईएम झारखंड में इस बार सभी 81 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि इंडिया ब्लॉक अगर एआईएमआईएम को अपने साथ रखता है तो वैसी स्थिति में सीटों की साझीदारी की जाएगी। एआईएमआईएम को तब कम से कम 15 सीटें देनी पड़ेंगी। राज्य में 15 प्रतिशत मुस्लिम आबादी होने के बावजूद उस अनुपात में प्रतिनिधित्व नहीं दिखता। यहां यह उल्लेख आवश्यक है कि पिछली बार भी एआईएमआईएम ने विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की थी, पर ऐन मौके पर पीछे हट गई। झारखंड में तकरीबन 15 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, पर बिरादरी के दो ही विधायक हैं। संताल परगना में तो मुस्लिम वोटर निर्णायक ही माने जाते हैं। अगर सच में ओवैसी झारखंड में अपने उम्मीदवार उतारते हैं तो यह इंडिया ब्लाक के लिए मुश्किल की स्थिति होगी। ओबीसी के कुर्मी समुदाय से आने वाले जयराम महतो के नेतृत्व वाली झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) ने भी विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। लोकसभा चुनावों में झारखंड की राजनीति में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने वाली जेबीकेएसएस भले एक भी सीट नहीं जीत पाई, लेकिन उसके उम्मीदवारों को मिले वोटों ने सबको चौंका दिया है। गिरिडीह संसदीय सीट पर तो खुद जयराम ही उम्मीदवार थे। जयराम 3.47 लाख वोटों के साथ तीसरे नंबर पर रहे, लेकिन अपनी उपस्थिति से झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) प्रत्याशी मथुरा प्रसाद महतो का खेल उन्होंने बिगाड़ दिया।

जहरीला पुटु खाने से एक ही परिवार के चार लोग बीमार

उल्टी-दस्त की शिकायत पर अस्पताल में कराया गया भर्ती

कोरबा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा में बारिश के दिनों में पुटू का सेवन करना लोगों के स्वास्थ्य के लिए हानीकारक है बावजूद इसके लोग इसका सेवन करने से नहीं चूक रहे। ऐसा ही कुछ हरदीबाजार में हुआ जहां जंगली पुटू का सेवन करने से एक ही परिवार के चार लोगों की हालत गम्भीर हो गई। जहां आनन-फानन में सभी को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। ये मामला हरदीबाजार ईलाके का है,जहां मिरी परिवार के घर में यह घटना सामने आया है बताया जा रहा है,कि शुक्रवार बीती रात पूरा परिवार रात के वक्त सभी एक साथ खाना खाया जहा पुटु सब्जी का सेवन किये उसके बाद सभी अपने कमरे में सोने चले गए। जिसके बाद एक एक कर चारों की सेहत खराब होने लगी। रात करीब तीन बजे आनन-फानन में सभी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया,जहां उनका उपचार जारी है। तत्काल उपचार मिल जाने से सभी की जान बच गई, नहीं तो कुछ भी हो सकता था। पीड़ित ने बताया कि बलौदा के बाजार से पुटु खरीद कर लाया अधिक मात्रा में पुटु होने के कारण एक दिन बनाकर खाये उसके बाद आधे पुटु को फ्रिज में रख दिए अगले दिन शुक्रवार को सब्जी बनाकर खाये और आये और ये हालत हुई। हरदी बाजार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हरिश्चंद्र मिरी, संगीता बाई मिरि, प्रेमलता मिरी, चंपा बाई मिरि और मुकेश कुमार मिरि गंभीर रूप से पेट दर्द एवं बेचैनी घबराहट हालत पर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया तत्काल डाक्टर व स्टॉफ नर्स के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। हरदीबाजार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सहायक चिकित्सा अधिकारी युधेश सांडे ने बताया कि सभी की हालत ठीक है समय रहते ईलाज शुरू हो गया नही तो बड़ी घटना घट सकती थी।

रंगदारी मांगने वाला अपराधी धराया

पलामू का किंग हूं दो लाख दो, नहीं तो विश्रामपुर छोड़ दो

पलामू, 13 जुलाई (एजेंसियां)। विश्रामपुर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन से दो लाख रुपए रंगदारी मांगने वाले शातिर अपराधी आरिफ चुड़ी फरोस को पलामू पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरिफ के खिलाफ कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन ने रंगदारी मांगने और जान मारने की धमकी देने से संबंधित एफआईआर पांच जुलाई को विश्रामपुर थाना में दर्ज कराया था। आरिफ चुड़ी फरोस बिहार के बक्सर स्थित डडुरा गांव का रहने वाला है। वर्तमान में बिश्रामपुर के दर्जा मुहल्ला में रह रहा है। विश्रामपुर पुलिस को रंगदारी मांगने और बम पटकने से संबंधित दो मामलों में आरिफ की तलाश पहले से थी। आरिफ चूड़ी फरोश विश्रामपुर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी से हर महीने 2 लाख रुपए रंगदारी की डिमांड कर रहा था। आरिफ ने कार्यपालक पदाधिकारी को व्हाट्सएप कॉल कर धमकी दिया था। आरिफ ने खुद को पलामू का किंग बताया और कार्यपालक पदाधिकारी से कहा कि विश्रामपुर नगर परिषद में काम करना है तो हर माह 2 लाख देना होगा नहीं तो अपने गैंग के लड़के को एक हजार देकर गोली मरवा देगा।

'भांजा राम' के दर्शन के लिए ननिहाल से रवाना हुए सीएम समेत मंत्रिमंडल

शबरी के बेर और इन सामग्रियों को करेंगे भेंट

रायपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भांजा भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए ननिहाल से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत पूरे मंत्रिमंडल रवाना हो गए हैं। इस अवसर पर माता शबरी की पवित्र धरती शिवरीनारायण से बेर फल की टोकरी भी उपहार स्वरूप रामलला को भेंट करेंगे। इसके साथ ही विष्णुभोग चावल, कोसा वस्त्र, कारी लड्डू, अनरसा और सीताफल सहित अन्य सामग्री भी रामलला को भेंट करेंगे। मुख्यमंत्री अपने कैबिनेट के साथ प्रभु श्रीराम के दर्शन करेंगे और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अगुवाई में आज उनका पूरा मंत्रिमंडल अयोध्या रवाना हुआ। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ उपमुख्यमंत्री अरुण साव, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, मंत्री लखनलाल देवांगन, मंत्री टंकराम वर्मा, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, मंत्री दयाल दास बघेल, मंत्री रामविचार नेताम और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव विशेष विमान से रवाना हुए। अयोध्या धाम में श्रीरामलला के दर्शन के लिए प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए अयोध्याधाम श्रीरामलला दर्शन योजना भी संचालित की जा रही है, जिससे हजारों श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर चुके हैं। योजना के शुभारंभ के समय मुख्यमंत्री ने कहा था कि शीघ्र ही वे कैबिनेट के साथ अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त करने जाएंगे। प्रभु श्रीराम ने शिवरीनारायण में ही माता शबरी के जूठे बेर खाये थे। प्रभु श्रीराम का छत्तीसगढ़ के जनजातीय लोगों से गहरा स्नेह था।

अनंत-राधिका की शादी पर वर्ल्ड मीडिया

अलजजीरा ने लिखा- हद से ज्यादा पैसा खर्च किया, एनवाईटी ने भारत में असामनता का मुद्दा उठाया

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में 12 जुलाई की रात दुनिया के 10वें सबसे अमीर आदमी मुकेश अंबानी ने अपने बेटे की शादी की। इस शादी में ब्रिटेन के 2 पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन, टोनी ब्लेयर समेत कई बड़ी हस्तियां शामिल हुई। महीनों से चल रही इस शादी की जितनी चर्चा भारत में हुई उतनी ही विदेश में भी रही। अमेरिका से लेकर ब्रिटेन तक के मीडिया घरानों ने शादी में हुए खर्च पर हैरानी जताई।

अमेरिकी मीडिया हाउस एनवाईटी

अंबानी परिवार की शादी पर अमेरिकी मीडिया हाउस न्यूयॉर्क टाइम्स ने भारत में आर्थिक असमानता पर सवाल उठाए। एनवाईटी ने लिखा सालभर तक चली शादी में दिखाई गई अमीरी ने सबका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया।

इस शादी ने भारत के अमीरों की जिंदगी की झलक पेश की है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रोत्साहन देने वाली सरकार से भारत के अरबपतियों की संपत्ति तेजी से बढ़ी है। ये इंडियन इकोनॉमी के अधिराज बन गए हैं। फोन नेटवर्क्स और अस्पतालों से लेकर सुपरमार्केट्स तक उनके कंट्रोल में हैं।

एनवाईटी ने ऑक्सफैम और द राइज ऑफ बिलिनियर राज की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया है कि भारत में साल 2000 में सिर्फ 9 अरबपति थे। ये अब 200 हो चुके हैं। फोर्ब्स के मुताबिक इनके पास एक ट्रिलियन डॉलर हैं, जो देश की जीडीपी का एक तिहाई है, जबकि इसी देश में एक बड़ी आबादी गरीबी रेखा से नीचे रहती है।

टाइम्स ने भारत की असमानता की तुलना 19वीं सदी के अमेरिका से की है। वो दौर जिसमें धांधली, भ्रष्टाचार और लोगों का शोषण कर अरबपति बने अमेरिकी बिजनेसमैन अपनी दौलत का दिखावा करते थे, जबकि लोग गरीबी में जीने को मजबूर थे।

ब्रिटेन के मीडिया हाउस बीबीसी ने लिखा है कि मुकेश अंबानी दुनिया के 10वें सबसे अमीर आदमी हैं । फोर्ब्स के मुताबिक उनकी संपत्ति 115 बिलियन डॉलर है। हालांकि, उन्होंने ये नहीं बताया कि वो अपने बेटे की शादी पर कितना खर्च कर रहे हैं।

शादी के लिए देश भर से मेहमानों को लाने के लिए 3 फाल्कन-2000 जेट रेंट पर लिए गए थे। शादी के चलते मुंबई में के रोड कई घंटों के लिए सील कर दिए गए थे। इससे फुटपाथ पर सामान बेचने वालों को परेशानियां हुईं।

कतर का अलजजीरा

कतर के मीडिया हाउस अलजजीरा ने लिखा है कि अंबानी की शादी में हद से ज्यादा पैसा खर्च किया गया है। मीडिया हाउस ने शादी के 2 पक्ष पेश किए हैं। एक में रिलायंस के अधिकारी के हवाले से लिखा है कि ये शादी भारत के बढ़ते इकोनॉमिक रुतबे को दिखाती है। वहीं, एक में विपक्ष की बात रखी है, जिसमें केरल के नेता थोमस इसाक के हवाले से शादी पर किए खर्च को गरीबों और धरती पर किया गया पाप बताया है। सीएनएन ने लिखा है कि अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का वैवाहिक समारोह 29 दिसंबर को शुरू हुआ था जो जुलाई में भी जारी है। भारत में शादी समारोह का कई दिनों तक चलता आम बात है, लेकिन 7 महीने तक चलने वाली शादी शायद कभी देखी या सुनी गई हो। इस रिपोर्ट में 29 दिसंबर को हुई सगाई से लेकर 12 जुलाई की शादी तक हुए हर इवेंट के बारे में बताया गया है। रिपोर्ट में आगे लिखा है कि अनंत अंबानी और राधिका की शादी को लेकर लोगों में उत्साह है, लेकिन पीछे कुछ आलोचनाएं भी हैं। उनके मुताबिक ये शादी अमीरों और गरीबों के बीच बढ़ती हुई असमानता की ओर इशारा करती है। अंबानी परिवार को भी इसका एहसास है, इसलिए उन्होंने कुछ समारोहों से पहले दान-पुण्य के भी काम किए हैं।

चीन समर्थक केपी ओली होंगे नेपाल के प्रधानमंत्री

12 की उम्र में राजनीति में उतरे, राम को नेपाल का बताया, कैसे होंगे भारत से संबंध

बीजिंग, 13 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल में कल यानी (12 जुलाई) को पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड की सरकार गिरने के बाद केपी शर्मा ओली ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है। द काठमांडू पोस्ट के मुताबिक ओली ने नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा के साथ राष्ट्रपति को सरकार बनाने की अर्जी सौंपी है। उन्हें रविवार तक प्रधानमंत्री बना दिया जाएगा। उनका शपथ ग्रहण रविवार दोपहर तक हो जाएगा।

ओली और देउबा के बीच हुई डील के मुताबिक दोनों अगले चुनाव तक बारी-बारी पीएम पद पर बने रहेंगे। सरकार चलाने के लिए दोनों के बीच 7 पॉइंट एग्रीमेंट बना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें एक पॉइंट संविधान में बदलावों को लेकर भी है। नेपाल में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, वह संसद में विश्वासमत हासिल करने में नाकाम रहे। वे सिर्फ 1 साल 6 महीने ही प्रधानमंत्री रह पाए।

फ्लोर टेस्ट में उन्हें 275 में से सिर्फ 63 सांसदों का साथ मिला। नेपाल की नेशनल असेंबली के 194 सांसदों ने उनके खिलाफ वोट किया। उन्हें सरकार बचाने के लिए 138 सांसदों के समर्थन की जरूरत थी। दरअसल, इस महीने की शुरुआत में चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल ने प्रधानमंत्री प्रचंड की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल से गठबंधन तोड़ लिया था। इसके बाद उनकी सरकार अल्पमत में आ गई थी। नेपाल के संविधान के आर्टिकल 100 (2) के तहत उन्हें एक महीने में बहुमत साबित करना था। वे ऐसा नहीं कर पाए।

कौन हैं राम को नेपाल का बताने वाले केपी शर्मा ओली

1952 में पूर्वी नेपाल में जन्मे ओली ने स्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं की। चार साल की उम्र में उनकी मां की स्मॉलपोक्स बीमारी से मौत हो गई। उनकी परवरिश उनकी दादी राम्या ने की।

ओली का राजनीतिक जीवन 12 साल की उम्र में ही शुरू हो गया जब वे कम्युनिस्ट नेता रामनाथ दहल की मदद से नेपाल के झापा चले गए थे। यहां वे झापा विद्रोह में शामिल हुए।

इस विद्रोह की शुरूआत झापा में एक बड़े जमींदार की गला रेंत कर हत्या से शुरू हुई थी। इस विद्रोह को बड़े जमींदारों के खिलाफ चलाया गया था। दरअसल 1964 में नेपाल के राजा महेंद्र ने भूमि अधिकारों में बदलाव किए। इसका मकसद छोटे किसानों को वो जमीन दिलाना था जिस पर वे सालों से काम कर रहे थे। लेकिन उन पर बड़े जमींदारों का मालिकाना हक था। महेंद्र ने इसकी शुरुआत नेपाल के झापा जिले से की थी। इस दौरान छोटे किसान को जमीन दी गई। इसके बाद ही वहां जमींदारों और उनके खेतों में काम करने वाले मजदूरों के बीच विद्रोह शुरू हो गया। इसी बीच 22 साल के केपी ओली पर एक किसान धर्म प्रसाद ढकाल की हत्या के आरोप लगे और वे जेल चले गए। इस समय तक, ओली मार्क्स और लेनिन के विचारों से प्रभावित हो चुके थे। 1966 तक, वे नेपाल की कम्युनिस्ट पॉलिटिक्स में प्रवेश कर चुके थे। 1970 में, ओली 18 साल की उम्र में कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल हो गए और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने 14 साल जेल में बिताए। हालांकि, वे बहुत कम अपने उस समय की चर्चा करते हैं जब वे जेल में थे। हालांकि उनके करीबी लोगों का कहना है कि जेल ने उन पर गहरी छाप छोड़ी। ओली को शाही क्षमा मिलने के बाद 1980 के दशक में रिहा कर दिया गया था। 1990 के दशक में, ओली ने लोकतांत्रिक आंदोलन में अपने प्रयासों के लिए लोकप्रियता हासिल की, जिसने पंचायत शासन को खत्म कर दिया। अगले कुछ सालों में, वे नेपाली की राजनीति का बड़ा चेहरा और कम्युनिस्ट पार्टी में एक महत्वपूर्ण नेता बन गए। 2015 में, वे 597 में से 338 वोट जीतकर प्रधानमंत्री चुने गए। हालांकि, जुलाई 2016 में, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी-केंद्र) द्वारा अपना समर्थन वापस लेने के बाद ओली को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा और वे संसद में अविश्वास प्रस्ताव हार गए।

फर्जी निकाह केस में इमरान खान रिहा

इस्लामाबाद कोर्ट ने फौरन रिहाई के आदेश दिए, एक साल बाद जेल से बाहर आ सकते हैं

इस्लामाबाद, 13 जुलाई (एजेंसियां)। फर्जी निकाह केस में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को इस्लामाबाद कोर्ट ने शनिवार को रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि उन्हें फौरन छोड़ा जाए।

इमरान खान एक साल से 3 अलग-अलग मामलों में जेल में बंद थे। इस आदेश के बाद उनकी रिहाई हो सकती है। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के चेयरमैन गौहर खान ने इस फैसले को देश की जीत बताया है।

इमरान 350 दिनों से रावलपिंडी की अदियाला जेल में हैं। इस्लामाबाद की स्थानीय कोर्ट ने उन्हें 5 अगस्त, 2023 को तोशाखाना केस में दोषी करार दिया था। इसके बाद उन्हें इस्लामाबाद के जमान पार्क स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। इसके बाद उन्हें 2 और मामलों में दोषी करार दिया गया था।

केस- 1 बुशरा बीबी के पूर्व पति, खावर फरीद मनेका ने बुशरा और इमरान पर आरोप लगाया था कि दोनों ने गैर इस्लामिक तरीके से शादी की है। बुशरा के तलाक के बाद इद्दत का समय पूरा होने से पहले ही खान ने उनसे शादी कर ली थी। इस मामले में 3 फरवरी को बुशरा और इमरान को दोषी ठहराया गया था। उन्हें 7 साल की सजा और 5 लाख पाकिस्तानी रूपए का जुर्माना लगाया था। इस केस में उन्हें आज रिहाई मिल गई। केस-2 इससे पहले इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने 3 जून को इमरान खान को सबूतों के अभाव में साइफर केस (सीक्रेट लेटर चोरी) में बरी कर दिया था। उनको इस्लामाबाद की विशेष अदालत ने 10 साल की सजा सुनाई थी। इमरान खान को 29 अगस्त 2023 को साइफर गेट स्कैंडल में हिरासत में लिया गया था। केस-3 तोशाखाना केस में खान को 1 अप्रैल को रिहा कर दिया गया था। उनकी 14 साल की सजा को रद्द कर दिया गया था।

इमरान जेल से बाहर आए तो क्या होगा?

डॉन के मुताबिक, अगर इमरान जेल से बाहर आते हैं तो, वे पाकिस्तान में दोबारा चुनाव की मांग को उठाएंगे। इस साल हुए आम चुनाव में इमरान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी आधिकारिक तौर पर हिस्सा नहीं ले पाई थी। इमरान खान के एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर 5 जुलाई को हुए एक पोस्ट में इस साल 8 फरवरी को हुए आम चुनावों को फर्जी बताया था। इमरान खान पाकिस्तान के चीफ जस्टिस काजी फैज इसा और चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान रजा पर साजिश रचने के आरोप लगाते रहे हैं। इमरान खान के बाहर आने के बाद पाकिस्तान में दोबारा चुनाव की मांग तेजी पकड़ सकती है।

स्कूल जर्जर हुआ तो विधवा ने दिया अपना घर

बेटे के साथ झोपड़ी में रह रही, गरियाबंद जिले के 750 स्कूलों का बुरा हाल

गरियाबंद, 13 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के मुड़ागांव में स्कूल 3 साल से पीएम आवास में संचालित हो रहा है। ये आवास भी एक विधवा महिला ने दिया है। महिला का नाम गुनो बाई है, जो विधवा है।

गांव के 22 बच्चों के भविष्य के लिए गुनो बाई अपने बेटे के साथ खुद झोपड़ी में रह रही है। बताया जा रहा है कि सरकार ने स्कूल मरम्मत के लिए 90 करोड़ रुपए मंजूर किए थे, जिससे 1300 स्कूल भवनों की मरम्मत होनी थी। अब तक सिर्फ 550 भवनों की ही मरम्मत हो पाई है।

गरियाबंद जिले के 750 स्कूल जर्जर हैं, जिसमें मैनपुर ब्लॉक के मुड़ागांव का चचरापारा प्राथमिक स्कूल भी शामिल है।

कांग्रेस सरकार ने स्कूल जतन योजना के तहत चचरापारा के स्कूल भवन मरम्मत के लिए 10 लाख से ज्यादा की मंजूरी दी थी।

हालांकि यह राशि काम के चरणों के हिसाब से अलग-अलग किस्त में दी जाती है। अब प्रशासन और शिक्षा विभाग ने न तो मरम्मत कराई और न ही कोई निर्माण कराया। लिहाजा यह टेंडर भी अधर में ही है। बताया जा रहा है कि मैनपुर ब्लॉक में 267 स्कूल भवन में से सिर्फ 66 भवन ही आरईएस विभाग ने मरम्मत कराए हैं।

गांव के पंच कपूर चंद मांझी ने कहा कि चाचारापारा प्राथमिक स्कूल 1997 में बने जर्जर भवन में संचालित हो रहा था।

इसके बाद 2006 में नए स्कूल भवन के लिए 4 लाख 18 हजार की मंजूरी मिली।

भवन का जिम्मा पंचायत और हेड मास्टर को मिला था, लेकिन नींव निर्माण कराकर छोड़ दिया गया।

एमएमएस कांड, कांग्रेस एमएलए देवेंद्र यादव को नोटिस

मामले से जुड़े सबूत मांगे, बयान भी दर्ज करेगी पुलिस, विधानसभा चुनाव से पहले रोते हुए दी थी सफाई

भिलाई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर भिलाई नगर से कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव एमएमएस कांड को लेकर मुश्किल में घिरते दिख रहे हैं। मामले की जांच कर रही भिलाई पुलिस ने विधायक को नोटिस जारी कर उनसे एमएमएस कांड से जुड़े सभी सबूत मांगे हैं।

दरअसल, विधानसभा चुनाव के दौरान एक एमएमएस वायरल हुआ था। बीजेपी के कुछ लोगों ने दावा किया था कि वीडियो में महिला के साथ दिख रहा युवक कोई और नहीं बल्कि देवेंद्र यादव हैं। इसके बाद विधायक देवेंद्र यादव ने रोते हुए सफाई दी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि विपक्ष के लोगों ने उन्हें बदनाम करने के लिए फर्जी एमएमएस जारी किया है।

विधायक देवेंद्र यादव ने भी दावा किया था कि एमएमएस में दिख रहा व्यक्ति कोई और है। उन्होंने कहा था कि वह एमएमएस चार महीने पहले उनके पास आया था। इसको लेकर उन्होंने भिलाई नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने उस एमएमएस की जांच भी कराई थी, जिसमें यह बताया गया कि एमएमएस में दिख रहा व्यक्ति देवेंद्र यादव नहीं है।

विधानसभा में उठा मुद्दा, गृहमंत्री ने बताया गलत

विधानसभा में कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव के एमएमएस का मामला बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर ने उठाया था। उन्होंने गृहमंत्री विजय शर्मा से मामले से जुड़ी एफआईआर की जांच की जानकारी भी मांगी थी। उन्होंने सदन में पूछा था कि क्या इस कथित एमएमएस की जांच किसी फोरेंसिक लैब में कराई गई थी या नहीं।

इसके जवाब में गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा था कि दुर्ग एसपी ने राष्ट्रीय फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी गांधीनगर (गुजरात) से संबंधित पेन ड्राइव की जांच कराई है। जांच पर तुलनीय मानकों के अभाव में कोई निश्चित राय नहीं बनाई जा सकी है। विधानसभा में सवाल उठने के बाद दुर्ग एसपी ने भिलाई नगर पुलिस को जांच के निर्देश दिए। इसी सिलसिले में पुलिस ने विधायक देवेंद्र यादव को शनिवार को नोटिस भेजा है। पुलिस ने वे सभी साक्ष्य मांगे हैं, जिनके आधार पर उन्होंने कथित एमएमएस को झूठा करार दिया था। साथ ही उनसे अपना बयान दर्ज कराने के लिए भी कहा गया है। दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि विधानसभा में जब मामले को लेकर सवाल पूछा गया था तब उसमें सबूत साबित नहीं हो पाए थे। पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इसमें विधायक देवेंद्र यादव को नोटिस देकर उनसे अपना बयान दर्ज कराने और मामले से जुड़े साक्ष्य पेश करने के लिए कहा गया है।

अमेरिकी फ्लाइट में नशे में धुत शख्स ने पेशाब किया

वाशिंगटन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। नशे में धुत एक यात्री ने बुधवार को अमेरिकन एयरलाइंस की एक फ्लाइट को इमरजेंसी लैंडिग करने के लिए मजबूर कर दिया। यात्री ने फ्लाइट में यात्रियों के सामने अपने कपड़े उतार दिए और गलियारे में ही पेशाब कर दी थी। नील मैक्कार्थी (25) नाम के इस शख्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। उस पर पब्लिक में अभद्र प्रदर्शन करने के आरोप लगाए गए हैं। ओरेगन के रहने वाले मैक्कार्थी ने माना है कि उसने व्हिस्की की कई बोतलें पी रखी थीं।

फॉक्स बिजनेस की रिपोर्ट के मुताबिक ये घटना अमेरिकन ईगल फ्लाइट 3921 में हुई। विमान शिकागो से मैनचेस्टर जा रही थी। नील मैक्कार्थी के पेशाब कर देने के कारण विमान की बफैलो, न्यूयॉर्क में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान के एयरपोर्ट पर लैंड करते ही मैक्कार्थी को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने कहा कि विमान में सवार एक यात्री से सबूत के तौर पर एक फोटो मिली है जिसमें मैक्कार्थी गलियारे में पेशाब करता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस ने विमान में मौजूद क्रू और अन्य लोगों के भी बयान लिए हैं। कस्टडी में मौजूद मैक्कार्थी ने पुलिस को बताया कि उसने उड़ान भरने से पहले खूब शराब पी ली थी। उड़ान के दौरान जब फ्लाइट शिकागो में ठहरी थी तब भी उसने कई पैग पिये।

ये गैर-इस्लामी काम नहीं होने देंगे

पाकिस्तान में खुला ब्रेस्ट मिल्क बैंक तो भड़के मौलवी, डॉक्टरों ने ही मानी हार

इस्लामाबाद, 13 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची में खुला देश का पहला ब्रेस्ट मिल्क बैंक बंद हो गया है। धर्मगुरुओं के एक धड़े के लगातार विरोध के बाद डॉक्टरों ने इसे बंद करने का फैसला लिया है। धर्मगुरुओं ने ब्रेस्ट मिल्क बैंक को गैर इस्लामी बताते हुए इसके खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। पाक न्यूज पोर्टल आज न्यूज के मुताबिक कराची में मिल्क बैंक को जामिया दारुल उलूम कराची से मंजूरी मिलने के बाद खोला गया था। दिसंबर में इसे धार्मिक मंजूरी मिली थी, जिसके बाद जून में इसे शुरू किया गया। मिल्क बैंक खुलते ही मंजूरी वापस ले ली गई, जिसके बाद इसे बंद करना पड़ा। मौलवियों के इसे गैर इस्लामिक मानने के बाद बंद कर दिया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि डॉक्टरों की एक टीम इस्लामिक काउंसिल से बात कर फिर से फैसिलिटी को खोलने के लिए बातचीत कर रहा है। सिंध इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड नियोनेटोलॉजी (एसआईसीएचएन) अस्पताल में ये मिल्क बैंक बनाया गया था। एसआईसीएचएन के डॉक्टर और कार्यकारी निदेशक जमाल रजा ने कहा कि समय से पहले जन्मे बच्चों के जीवित रहने की संभावना को बढ़ाने का एकमात्र तरीका स्तन का दूध है। ऐसे में ये एक बेहद अहम जरूरत की चीज है लेकिन कुछ लोग इसे समझ नहीं पा रहे हैं। जामिया दारुल उलूम कराची ने दिसंबर 2023 में इस सुविधा को मंजूरी देने का फैसला लिया था। इस संबंध में बयान भी जारी कर दिया गया था। काउंसिल ऑफ इस्लामिक आइडियोलॉजी ने बाद में सवाल उठाया तो इसे वापस ले लिया गया। परिषद के शोध प्रमुख इनामुल्ला का कहना है कि बच्चे के परिवार को पता होना चाहिए कि दानकर्ता कौन हैं ताकि ऐसे परिवारों के बीच भविष्य में विवाह का मुद्दा जटिल ना बने। इनामुल्लाह ने कहा कि इस पर उनको कुछ बेहतर नतीजा निकलने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी के अनुसार, ब्रेस्ट मिल्क बैंक की फैसिलिटी स्थापित करने का उद्देश्य समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों को बचाने में मदद करना है। ये पाकिस्तान में खासतौर से अहम हो जाता है क्योंकि देश मे नवजात मृत्यु दर बहुत ज्यादा है। पाकिस्तान में 1,000 नवजात बच्चों में से 39 दम तोड़ देते हैं। ये दर दक्षिण एशियाई देशों में सबसे ज्यादा है।

चीन की चेतावनी के बावजूद बाइडन ने रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर किए हस्ताक्षर

विवाद के शांतिपूर्ण हल पर जोर

वॉशिंगटन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने तिब्बत विवाद का शांतिपूर्ण तरीके से हल निकालने के लिए रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। चीन ने इस कानून को लेकर अमेरिका को चेतावनी दी थी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से इस कानून पर हस्ताक्षर न करने को कहा था। हालांकि बाइडन ने चीन के विरोध को दरकिनार कर रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर करने का फैसला किया।

'रिजॉल्व तिब्बत कानून' में कहा गया है कि अमेरिका की नीति है कि तिब्बत मुद्दे को बिना किसी पूर्व शर्त के, बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाना चाहिए। यह कानून तिब्बत के बारे में चीन के झूठ से निपटने की कोशिश की गई है और चीन से तिब्बत के इतिहास के बारे में गलत और भ्रामक प्रचार बंद करने की भी मांग करता है। साथ ही यह कानून चीन के भ्रामक दावों से निपटने के लिए अमेरिका के विदेश विभाग को भी ताकत देता है। कानून में तिब्बती लोगों के अलग धार्मिक, भाषाई और ऐतिहासिक पहचान को परिभाषित किया गया है। इसमें कहा गया है कि चीन की नीतियां तिब्बती लोगों को अपनी जीवन शैली को संरक्षित करने की क्षमता को दबाने की कोशिश कर रही हैं।

जेम्स वेब टेलीस्कोप ने अंतरिक्ष में देखा दो गैलेक्सी का डांस

लाखों साल में होगी टक्कर

वॉशिंगटन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने अपनी दूसरी वर्षगांठ के मौके पर अंतरिक्ष से एक आश्चर्यजनक तस्वीर भेजी है। इसने पेंगुइन और एग नामक दो आकाशगंगाओं के एक आश्चर्यजनक नए दृश्य को कैप्चर किया है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप को 25 दिसंबर 2021 में लॉन्च किया गया था। वेब टेलीस्कोप ने 12 जुलाई 2022 को ब्रह्मांड के बारे में अपना पहला वैज्ञानिक अवलोकन साझा किया। तब से इसने कई इन्फ्रारेड प्रकाश को खींचा है, जो मानव आंखों के लिए अदृश्य हैं। जेम्स वेब दुनिया का सबसे शक्तिशाली टेलीस्कोप है। यह टेलीस्कोप इतना ताकतवर है कि गैस और धूल के बीच से यह दूर की आकाशगंगाओं को देखने, एक्सोप्लैनेट के वायुमंडल में अणुओं का पता लगाने और सितारों के विस्फोटों के अंदर बारीक विवरणों को उजागर करने में सक्षम है। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने एक बयान में कहा, 'ब्रह्मांड के कोनों से लगभग शुरुआती समय की उल्लेखनीय तस्वीरों के साथ वेब की क्षमताएं हमारे आकाशीय परिवेश पर नई रोशनी डाल रही हैं और वैज्ञानिकों, खगोलविदों और खोजकर्ताओं की आने वाली पीढ़ी को प्रेरित कर रही हैं।' टेलीस्कोप ने नियर इन्फ्रारेड और मध्य इन्फ्रारेड दोनों के अवलोकन को मिलाकर आपस में जुड़ी हुई पेंगुइन और एग आकाशगंगाओं का एक विस्तृत चित्र बनाने के लिए अपने वैज्ञानिक उपकरणों का इस्तेमाल किया। सामूहिक रूप से इसे एआरपी142 कहा जाता है। अंडे की रखवाली करने वाले पेंगुइन से समानता के कारण इन्हें ऐसा नाम दिया गया। दोनों आकाशगंगाएं हाइड्रा तारामंडल में पृथ्वी से 32.6 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर हैं।

पुणे का युवक सिद्धांत पाटिल आठ दिन से लापता

हाइकिंग के लिए छह दोस्तों के साथ मोंटाना गया था घर का चिराग

मोंटाना, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय युवा सिद्धांत पाटिल सात अन्य दोस्तों के साथ अमेरिका के मोंटाना राज्य में ग्लेशियर नेशनल पार्क गए थे। बीते छह जुलाई को पार्क में गए सिद्धांत लापता हो गए हैं। परिजनों ने घर के इकलौते चिराग सिद्धांत को तलाशने में तत्काल मदद मांगी है। रिपोर्ट के मुताबिक पार्क में हाइकिंग के दौरान सिद्धांत एवलांच क्रीक में चले गए। कैलिफोर्निया में रहने वाले सिद्धांत किसी तकनीकी कंपनी में काम करते हैं। हाइकिंग के दौरान पाटिल एक बड़ी चट्टान पर थे, तभी उनका पैर फिसल गया। संतुलन खोने के कारण सिद्धांत एवलांच क्रीक में पानी के नीचे चले गए। कुछ देर के लिए सिद्धांत फिर से सतह पर आए और फिर धारा के साथ बहकर घाटी में चले गए। सिद्धांत के लापता होने के बाद आस-पास के इलाकों में तैनात हेलिकॉप्टरों की मदद से तलाशी ली गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सिद्धांत के चाचा प्रीतेश चौधरी के मुताबिक आपात मदद के लिए इस्तेमाल में आने वाले अलर्ट हेलीकॉप्टरों द्वारा नाले और आस-पास के क्षेत्र का हवाई सर्वे किया गया। 10 से अधिक रेंजरों ने नाले के किनारे पैदल खोज में जुटे रहे। रेंजरों ने कुछ निजी सामान नीचे की ओर बरामद किए जाने की पुष्टि की और कहा कि पार्क के रेंजर अभी भी क्षेत्र की निगरानी कर रहे हैं।

पुणे निवासी युवक की मां प्रीति और पिता विट्ठल महाराष्ट्र सरकार के सिंचाई विभाग से सेवानिवृत्त हुए हैं और घटना के जानकारी मिलने के बाद से सदमे में हैं।

राष्ट्रीय करणी सेना के ऑफिस में मारपीट

अध्यक्ष बोले- श्री राजपूत करणी सेना के मकराना ने हमला किया

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे राष्ट्रीय करणी सेना के अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत और श्री राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना के बीच मारपीट और फायरिंग हो गई। इसमें मकराना जख्मी हुए हैं। उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है।

जयपुर में राष्ट्रीय करणी सेना के अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत और श्री राजपूत करणी सेना के महिपाल सिंह मकराना के बीच विवाद हो गया। शेखावत ने कहा है कि मकराना चार लोगों के साथ मेरे कार्यालय में आया और फायरिंग कर दी। इस पर सिक्योरिटी गार्ड और अन्य लोगों ने उसे पकड़ा, उसके साथ मारपीट की। इसमें मकराना घायल हो गए हैं।

वहीं, महिपाल सिंह मकराना की पत्नी वर्षा ने शिव सिंह और उनके साथियों पर फायर करने के आरोप लगाए हैं। इस घटना के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। इन वीडियो में दोनों पक्ष मारपीट करते दिख रहे हैं। हालांकि दोनों ही पक्षों की ओर से देर रात तक कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है। महिपाल सिंह मकराना को देर शाम को एसएमएस अस्पताल ले जाया गया।

शिव सिंह शेखावत ने बताया कि मकराना का शुक्रवार मेरे छोटे भाई के पास फोन आया था। कह रहा था कि बैठकर बात कर लेते हैं। सभी बात कर रहे थे। वो शायद नशे में था। इस बीच उसने मेरे ऊपर फायर कर दिया। गोली जमीन पर लगी। इसके बाद मेरे गनमैन से इसके सिर पर बट से मार दिया और ये गिर गया। इसके साथ तीन लोग और थे। फिर हमने उन सभी को पकड़ लिया।

महिपाल की पत्नी वर्षा ने बताया- इनको (महिपाल सिंह) धोखे से बुलाकर मारा गया है। उनको पता था ये आदमी अकेला आएगा। उन्होंने पहले से 40 लोग इकट्ठा कर रखे थे। उन्हें बुरी तरीके से मारा है। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को भी इसी तरह धोखाधड़ी से मारा गया था। उन्होंने मुझे अभी इतना बताया है, धोखे से बुलाकर मारा गया है। फायरिंग उनकी (शिव सिंह) तरफ से हुई है। उन्होंने खुद ने नीचे फायरिंग की है। नाम लगा दिया इन्होंने फायरिंग की है। इन्होंने कुछ नहीं किया। जयपुर के चित्रकूट में राष्ट्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत का इस बिल्डिंग में ऑफिस और घर है, यहीं पर पूरा घटनाक्रम हुआ।

उड़ते विमान से केंद्रीय मंत्री शेखावत ने लगाई छलांग

स्काईडाइविंग दिवस पर दिया खास संदेश

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विश्व स्काईडाइविंग दिवस के अवसर पर एक महत्वपूर्ण और रोमांचक कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने स्काईडाइविंग करके इस दिवस का उत्सव मनाया और नए स्काईडाइविंग विमान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह आयोजन नारनौल एयरस्ट्रिप पर हुआ, जो भारत का एकमात्र नागरिक स्काईडाइविंग ड्रॉप जोन है।

गजेंद्र सिंह शेखावत जो केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री हैं। इन्होंने अपने साहसिक कदम से एक संदेश दिया कि नए और साहसिक भारत के लिए आसमान भी सीमा नहीं है। उन्होंने सुबह के समय एक टेंडेम स्काईडाइव लिया, जो उनके साहस और आत्मविश्वास को दर्शाता है। इस अवसर पर शेखावत ने कहा, ₹वास्तव में आनंददायक! विश्व स्काईडाइविंग दिवस के अवसर पर नए स्काईडाइविंग विमान को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने और आज सुबह स्काईहाई में एक टेंडेम स्काईडाइव लेने का आनंद प्राप्त हुआ।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में स्काईडाइविंग के प्रति जागरूकता बढ़ाना और साहसिक खेलों को बढ़ावा देना था। नारनौल एयरस्ट्रिप पर यह आयोजन स्काईडाइविंग के प्रति भारतीय युवाओं की बढ़ती रुचि को भी दर्शाता है। गजेंद्र सिंह शेखावत के इस कदम से स्काईडाइविंग और अन्य साहसिक खेलों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलेगी, जिससे देश में पर्यटन और संस्कृति को भी बल मिलेगा।

19 जिलों में खुलेंगे नए ग्राम न्यायालय

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को दिए आदेश

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सहित कई राज्यों से ग्राम न्यायालयों की संख्या बढ़ाने को कहा है। कोर्ट ने इन सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से कहा कि हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से नए ग्राम न्यायालय खोलने को लेकर चर्चा करें। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ राज्यों में ग्राम न्यायालयों की स्थिति पर भी नाखुशी जाहिर की।

सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर यह आदेश दिया, जिसमें ग्राम न्यायालयों में आधारभूत ढांचा को विकसित करने, लंबित प्रकरणों की संख्या में कमी लाने, न्याय प्रक्रिया में तेजी लाने और आमजन सस्ता व सुलभ न्याय दिलवाने की गुहार की गई है।

राजस्थान सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने कोर्ट को बताया कि प्रदेश में 45 ग्राम न्यायालय है। हाईकोर्ट ने अन्य जिलों में भी 19 ग्राम न्यायालय खोलने का सुझाव दिया हैं, लेकिन इन जिलों में लंबित प्रकरणों की संख्या फिलहाल कम है। नए न्यायालय खोलने पर प्रदेश पर अत्यधिक वित्तीय भार आएगा।

चारागाह भूमि पर बनाई दुकानों पर चला बुलडोजर

झालावाड़, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बकानी. राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश पर उपखंड अधिकारी संतोष मीणा की अगुवाई में कस्बे के पाटन रोड पर चरागाह भूमि पर कब्जा कर बनाई गई 3 दुकानों को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा।

बकानी. राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश पर उपखंड अधिकारी संतोष मीणा की अगुवाई में कस्बे के पाटन रोड पर चरागाह भूमि पर कब्जा कर बनाई गई 3 दुकानों को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा।

उपखंड अधिकारी ने बताया कि

खसरा नंबर 836 चरागाह भूमि पर बकानी निवासी इकबाल पुत्र बफाती, सुजान पुत्र नारायण लोधा रामचन्द्र पुरिया ने कब्जा कर पक्का निर्माण कर 3 दुकानें बना ली थी। इस अतिक्रमण को हटाने के लिए बकानी निवासी उमाकांत शर्मा ने उच्च न्यायालय की शरण ली। इस पर न्यायालय ने अतिक्रमण हटा कर रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए। प्रशासन ने भारी पुलिस जाप्ते के साथ तीनों दुकानों को ध्वस्त कर दिया। वहीं झरीखा खाल के पास से खेतों पर जाने वाले आम रास्ते पर उपखंड अधिकारी ने अतिक्रमियों को आपसी सहमति से कोट हटा कर रास्ता करीब 16 फीट चौड़ा करने के लिए 8 दिन का समय दिया है। आपसी सहमति से 20 जुलाई तक अतिक्रमियों द्वारा कोट हटा कर रास्ता चौड़ा करने का आश्वासन दिया है। इस दौरान बकानी तहसीलदार गजेंद्र शर्मा, नायब तहसीलदार योगेंद्र यादव, कानूनगो जयराज मंडौत, सहायक विकास अधिकारी नरवर सिंह लोधा, ग्राम विकास अधिकारी बाबूलाल मेहर सहित पटवारी, बिजली विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस उपाधीक्षक हर्ष राज खरेडा की अगुवाई में बकानी, रायपुर, भालता, रटलाई थाने के थाना अधिकारी मय जाप्ते सहित आरएसी के जवान तैनात रहे।

अतिक्रमण की चपेट में चरागाह भूमि

बकानी कस्बे सहित आसपास के गांवों में चरागाह पर कब्जा कर प्लाट बेचने वाले भूमाफिया सक्रिय है। जिन पर प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। क़स्बे में रावण बर्डी, मॉडल स्कूल के आसपास पड़ी चरागाह की भूमि अतिक्रमण की चपेट में है।

पर्यटन का बदला ट्रेंड

ऑफ सीजन में जयपुर में इटली-स्पेन के टूरिस्टों की भरमार

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अप्रेल से अगस्त तक यानी पर्यटन का ऑफ सीजन। पर्यटन को लेकर राजस्थान में यह धारणा बदल रही है। कारण इन दिनों यूरोपीय देश इटली और स्पेन से रोजाना बड़ी संख्या में विदेशी सैलानी यहां आ रहे हैं। जुलाई-अगस्त में दोनों ही देशों में स्कूलों की छुट्टियां होती हैं। ऐसे में वहां से 600-700 पर्यटक प्रतिदिन जयपुर और राजस्थान के अन्य शहरों में घूमने आ रहे हैं। इनमें से 80 फीसदी पावणे जयपुर में आमेर, हवामहल जैसे विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर पहुंच रहे हैं। पर्यटन विशेषज्ञों का कहना है कि जून छोड़ दें तो पूरे साल देशी और विदेशी पर्यटक राजस्थान घूमने आ रहे हैं।

इटली-स्पेन से 10 दिनों में आए करीब 6 हजार पर्यटक

राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह राठौड़ का कहना है कि इस समय सर्वाधिक पर्यटक इटली और स्पेन से आ रहे हैं। बीते 10 दिन की बात करें तो दोनों देशों से 6 हजार से ज्यादा पर्यटक राजस्थान आए हैं।

दिन में सैर, शाम को रिक्शा राइड

दोनों देशों से जयपुर घूमने आ रहे पावणों का शहर में घूमने का शिडयूल भी सामने आया। पावणे सुबह 8 से दोपहर 3 बजे तक आमेर, जलमहल, हवामहल, जंतर-मंतर घूमते हैं। इसके बाद शहर के बाजारों से लेकर अल्बर्ट हॉल तक रिक्शा राइड करते हैं। पर्यटक बड़ी चौपड़ से रिक्शे में सवार होते हैं और बाजारों में घूमते और शॉपिंग करते हुए शाम 6 बजे अल्बर्ट हाल पहुंचते हैं।

सामोद और कानोता भी लिस्ट में

जयपुर घूमने आ रहे इन पावणों को शहर के आस-पास रूरल टूरिज्म भी खासा पसंद आ रहा है। टूर के तीसरे दिन सामोद पहुंच कर वहां कैमल सफारी कर रहे हैं। साथ ही कानोता फोर्ट या आस-पास के अन्य इलाकों की सैर कर रहे हैं।

बीसलपुर में मानूसन मेहरबान

जमकर बरसे मेघ, एक ही रात में आया इतना ज्यादा पानी अब बढ़ गया जल स्तर

टोंक, 13 जुलाई (एजेंसियां)। टोंक, अजमेर और जयपुर जिले की लाइफलाइन बीसलपुर से गुड न्यूज है। बीसलपुर में पानी की आवक फिर से शुरु हो गई है। एक ही रात में कई दिनों का पानी आ गया है। देर शाम से बीसलपुर के आसपास के क्षेत्र में हो रही बारिश के चलते बीसलपुर में आज सवेरे छह बजे तक 95 एमएम पानी आ गया है और इस कारण बांध का गेज 12 सेंटीमीटर तक बढ़ गया है। अब बांध का जल स्तर सवेरे छह बजे तक 310.21 आरएल मीटर हो चुका है और अभी भी पानी की आवक बनी हुई है।

पिछले दिनों अच्छी बारिश के चलते राजधानी जयपुर, टोंक और अजमेर के साथ ही कुछ अन्य जिलों की लाइफलाइन कहे जाने वाले बीसलपुर बांध के जलग्रहण क्षेत्र में पानी की लगातार आवक जारी रही। बांध के केचमेंटर एरिया में लगातार बारिश होने के कारण बांध में मिलने वाली नदियों का जल स्तर तेजी से शुरू हुआ। बांध की भराव क्षमता 315.50 आरएल मीटर है। बांध में अधिकांश पानी की आवक अगस्त माह से शुरू होती है। जो बनास, खारी और डाई नदियों के जरिए आती है। लेकिन इस बार प्रदेश में लगातार अच्छे मानसून के चलते जून के अंतिम सप्ताह और जुलाई की शुरुआत से कैचमेंट एरिया में हुई बारिश से बांध का जलस्तर बढ़ रहा है। अभी तो अगस्त महीने की पूरी बारिश बाकी है। ऐसे में इस बार बांध के पूरे भरने का अनुमान लगाया जा रहा है।

16 जिलों में होगी भारी बारिश

आईएमडी ने डबल अलर्ट जारी किया

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में कई जगह बारिश का दौर कम होता नजर आ रहा है। प्रदेश के 16 जिलों में मेघगर्जन और व्रजपात के साथ झमाझम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने राजधानी जयपुर, टोंक, झालावाड़ और धौलपुर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि अजमेर, भीलवाड़ा, सीकर, नागौर, अलवर, भरतपुर, बूंदी, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चूरू, बारां और कोटा जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है.

प्रदेश के कुछ इलाकों में मेघ मेहरबान रहे तो कई जगह उमस से लोग परेशान रहे। पिछले 24 घंटों में बीकानेर, चुरू, गंगानगर, हनुमानगढ़, बूंदी, जयपुर व झुंझुनूं जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश दर्ज की गई है। पूर्वी राजस्थान में सर्वाधिक बारिश बूंदी में 86.0 मिमी व पश्चिमी राजस्थान के मुकलावा, श्रीगंगानगर में 97 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा बीते 24 घंटे में बीकानेर में 56.2, जयपुर में 43, माउंटआबू में 39.2, सीकर में 20 मिमी बारिश दर्ज की गई। उधर, जयपुर में रात को तेज बारिश हुई।

इन जिलों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने आज मौसम विभाग ने राजधानी जयपुर, टोंक, झालावाड़ और धौलपुर में 30-50 प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और मध्यम से तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, अजमेर, भीलवाड़ा, सीकर, नागौर, अलवर, भरतपुर, बूंदी, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चूरू, बारां और कोटा जिलों में 20-30 प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और मध्यम हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है।

हेड कांस्टेबल 10,000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

परिवादी के घर ही चला गया रिश्वत लेने

झुंझुनू, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के मुकुंदगढ़ थाने में तैनात हेड कांस्टेबल को दस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

थाने में दर्ज मुकदमें में मदद करने की एवज में उसने यह रिश्वत ली थी। एसीबी की सीकर टीम ने कार्रवाई करते हुए हेड कांस्टेबल संदीप कुमार जाट को गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि सीकर एसीबी को परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके विरुद्ध दर्ज मुकदमें में मदद के लिए झुंझुनूं जिले मुकुंदगढ़ थाने का हेड कांस्टेबल संदीप कुमार 28 हजार रुपए मांग रहा है।

इस पर एसीबी ने सत्यापन के बाद जाल बिछाया। आरोपी हेड कांस्टेबल रिश्वत की राशि लेने के लिए शनिवार को परिवादी के घर पर खुद ही चला गया। इसी दौरान एसीबी की टीम ने उसे दस हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

भांजी की शादी में मायरा लेकर जा रहे थे दो भाई

सड़क हादसे में दोनों की मौत, मातम में बदलीं शादी की खुशियां

जालोर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सिरोही के बरलूट थाना क्षेत्र के मंडवारिया मार्ग पर मोटरसाइकिल और ऑटो की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार दो चचेरे भाई गंभीर घायल हो गए। दोनों घायलों को जावाल सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने एक को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक को जावाल सीएचसी से रेफर किया। जहां से गुजरात ले जाते समय उसका भी रास्ते में दम टूट गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली।

जावाल पुलिस चौकी प्रभारी भारूराम ने बताया कि बिबलसर, वागरा, जालोर निवासी जीवाराम पुत्र मंछाराम भील व चेलाराम दोनों चचेरे भाई गांव से मोटरसाइकिल से सिरोही के पाडीव गांव में भांजी के शादी समारोह में मायरा लेकर जा रहे थे। इसी दौरान देर शाम को मंडवारिया में ऑटो व मोटरसाइकिल में टक्कर हो गई। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जावाल सीएचसी लाया गया। जहां जीवाराम को मृत घोषित कर दिया। जबकि रेफर किए गए चेलाराम ने गुजरात ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव परिजनों को सुपुर्द कर दिए।

गांव में छाया शोक

सड़क दुर्घटना में चचेरे भाइयों की मौत की खबर मिलते ही गांव में शोक छा गया। जिसने भी सुना, सन्न रह गया। हादसे से ग्रामीण मायूस नजर आ रहे थे।

परिजन ऑटो से गए, भाई जा रहे थे बाइक पर

बाइक सवार जीवाराम व चेलाराम दोनों चाचा-ताऊ के बेटे हैं। दोनों भाई अपने गांव से पाडीव में भांजी की शादी में मायरा लेकर जा रहे थे, जबकि उनके अन्य परिजन ऑटो से पाडीव चले गए थे। इसी बीच मंडवारिया में बाइक-ऑटो की टक्कर से दोनों भाइयों की मौत गई। दोनों भाइयों की मौत की सूचना से शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गई।

ज्वैलर की दुकान से चांदी की पायजेब से भरा डिब्बा चुरा ले गई महिलाएं

झालावाड़, 13 जुलाई (एजेंसियां)। नगर के सर्राफा बाजार में दो महिलाओं ने सोने-चांदी की दुकान पर करीब एक लाख रुपए की चांदी की पायजेब से भरा डिब्बा पार कर लिया। चोरी की घटना दुकान पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

सर्राफा व्यापारी अशोक सोनी ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 7.24 बजे दो महिलाएं उसकी दुकान पर आई और सोने का लोंग दिखाने के लिए कहा। दुकानदार दोनों महिलाओं को सोने का लोंग दिखाने लगा। थोड़ी देर बाद दोनों महिलाए कुछ भी लिए बिना ही दुकान से उठकर चली गई। महिलाओं के जाने के बाद दुकानदार सोने-चांदी के जेवरातों से भरे डिब्बों को दुकान की अलमारी में रखने लगा। तब उसे दुकान के काउण्टर से पायजेब से भरा एक डिब्बा गायब मिला। डिब्बा चोरी होने का संदेह होने पर उसने सीसीटीवी फुटेज देखे तो एक महिला डिब्बे को चोरी करते हुई दिखाई दी। दुकानदार ने बताया कि जब वह दोनों महिलाओं को लोंग दिखा रहा था। तभी इसी बीच एक महिला ने उसे बातों में उलझा दिया। वहीं दुसरी महिला ने काउण्टर पर रखे पायजेब के डिब्बे को चोरी कर लिया। दोनों महिलाओं पायजेब से भरे डिब्बे को चोरी करने की वारदात को सिर्फ 4 मिनट में लेकर फरार हो गई। पुलिस ने भी व्यापारी की रिपोर्ट पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सर्राफा व्यापारी ने बताया कि जैसे ही उसे दुकान के काउण्टर से चांदी की पायजेब से भरे डिब्बे के चोरी होने का संदेह हुआ वैसे ही उसने दोनों महिलाओं को रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बायपास मार्ग, शिवालय रोड़, मध्यप्रदेश सीमा मार्ग तक ढूंढा लेकिन महिलाएं कहीं नही मिली। सर्राफा व्यापारी ने बताया कि उसकी दुकान पर हुई चोरी का सीसीटीवी फुटेज जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो रामगंजमंडी के सर्राफा व्यापारी संपतराज सोनी ने उससे संपर्क किया। रामगंजमंडी के व्यापारी ने उसे मोबाइल पर सीसीटीवी फुटेज भेजे।

गरीब मुक्त समाज मेरा लक्ष्य : चन्द्रबाबू नायुडू

सीएम ने वेंकटेश्वर मंदिर में अनंत शेषास्थापना के समारोह में भाग लिया

अमरावती, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू ने आज ताडेपल्ली के पास कोलानुकोंडा के गोकुला क्षेत्र में वेंकटेश्वर मंदिर में अनंत शेषास्थापना के समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर मंदिर प्रशासकों और पुजारियों ने पूर्ण कुंभ के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, विश्वास ही इस दुनिया को आगे बढ़ाता है और ईश्वर ही एकमात्र ऐसी शक्ति है जिसके बारे में हम नहीं जानते। हरे कृष्ण आंदोलन से उन्हें यह विश्वास मिलता है कि वे किसी भी कार्यक्रम को सुचारू रूप से कर सकेंगे। हरे कृष्ण गोकुल कृष्ण संगठन के देश में 20 और दुनिया भर में पांच मंदिर हैं। मधुपंडित दास जो चाहते हैं, उसे हासिल करते हैं। सत्यगौर चंद्र दास ने भी आईआईटी से पढ़ाई की है। हरे कृष्ण गोकुल क्षेत्र में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। 216 फीट ऊंचे मुख्य गोपुरम के साथ भगवान वेंकटेश्वर और राधाकृष्ण मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। यह आध्यात्मिक केंद्र बनेगा। हर कोई अपने काम

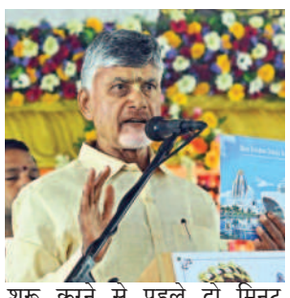

शुरू करने से पहले दो मिनट भगवान से प्रार्थना करता है। इसरो के वैज्ञानिक भी भगवान से प्रार्थना करने के बाद ही रॉकेट छोड़ते हैं। हरे कृष्ण आंदोलन न केवल भगवान की सेवा कर रहा है, बल्कि मानव सेवा भी कर रहा है। उत्तर प्रदेश में 100 एकड़ जमीन पर 700 फीट का कृष्ण मंदिर स्थापित किया गया है। मंदिर का निर्माण कोलुनुकोंडा में 6.5 एकड़ भूमि पर किया जा रहा है। मैंने हमेशा भगवान वेंकटेश्वर में आस्था रखी है। हमारे परिवार के आराध्य भगवान वेंकटेश्वर हैं। मैं प्रतिदिन दो मिनट भगवान के बारे में सोचता हूं। 2003 में जब तिरुपति में 23 क्रैमोर माइंस में विस्फोट हुआ था, तब भगवान वेंकटेश्वर ने ही मुझे मेरे जीवन का आशीर्वाद दिया था। मैं तेलुगु लोगों को अधिक शक्ति और दक्षता देना चाहता हूं और उन्हें देश में नंबर वन राष्ट्र बनने का आशीर्वाद देना चाहता हूं। गरीबी मुक्त समाज हम सभी की जिम्मेदारी होनी चाहिए, उन्होंने कहा मैं अक्षय पात्र के प्रबंधन को भी हार्दिक बधाई देता हूं। मधुपंडित दास के नेतृत्व में अक्षय पात्र का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। अक्षय पात्र की शुरूआत लाला प्रभुपाद की प्रेरणा से इस विचार के साथ की गई थी कि भगवान कृष्ण का मंदिर जहां स्थित है, उसके 10 किलोमीटर के दायरे में कोई भी भूखा न रहे। पिछले 23 वर्षों में 400 करोड़ लोगों को भोजन कराया गया है। विभिन्न राज्यों में स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण तरीके से मध्याह्न भोजन परोसा जा रहा है। अक्षय पात्र के माध्यम से प्रतिदिन 22 लाख लोगों को भोजन कराया जा रहा है। हमने उस दिन 203 अन्न कैंटीन का आयोजन किया। लेकिन पिछली सरकार ने अन्न कैंटीन बंद कर दी थी। हम जल्द ही अन्न कैंटीन फिर से खोलेंगे। एनटीआर ने तिरुपति में अन्नदानम की शुरुआत की।

कंबोडिया में मानव तस्करी करने वाले दलाल को पकड़ा

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने शनिवार को एक दलाल को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर कंबोडिया में लोगों की तस्करी कर रहा था। जहां उन्हें साइबर जालसाजों द्वारा चलाए जा रहे कॉल सेंटरों में काम करने के लिए मजबूर किया जाता था और लोगों को ठगने के लिए मजबूर किया जाता था।

बिहार के समस्तीपुर निवासी मोहम्मद शादाब आलम (30) ने तीन अन्य लोगों के साई प्रसाद, मोहम्मद आबिद हुसैन और सदाकत के साथ मिलकर तेलंगाना के एक व्यक्ति से 1.40 लाख रुपये वसूले और उसे कंबोडिया भेज दिया।

टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल ने कहा, "सिरसिला जिले के पीड़ित को कंबोडिया में अच्छी नौकरी का लालच दिया गया था। हालांकि, वहां कॉल सेंटर चलाने वाले और दुनिया भर के लोगों को ठगने वाले चीनी नागरिकों ने उसके साथ हिंसक व्यवहार किया।"

साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने पीड़ित की मां की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया और साई प्रसाद और आबिद हुसैन को ट्रैक करके गिरफ्तार कर लिया। शादाब आलम को दुबई से लौटने पर दिल्ली में पकड़ा गया।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित को कंबोडिया में रहने के दौरान दिन में 16 से 17 घंटे काम करने के लिए मजबूर किया जाता था और जब वह टीम लीडर की बात नहीं मानता था तो उसे पीटा जाता था और एक कमरे में बंद कर दिया जाता था। टीजीएसबीबी ने लोगों से अपील की है कि वे विदेश जाने से पहले नौकरी के प्रस्तावों की अच्छी तरह से जांच कर लें। अधिकारी ने कहा, "अगर आपको संदिग्ध नौकरी के प्रस्ताव मिलते हैं या आपको लगता है कि आप ऐसी योजनाओं का शिकार हुए हैं, तो तुरंत अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।"

बीआरएस के कई विधायक भाजपा नेतृत्व के संपर्क में

महेश्वर रेड्डी का दावा

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक दल के नेता ए महेश्वर रेड्डी ने शनिवार को दावा किया कि बड़ी संख्या में बीआरएस विधायक भाजपा नेतृत्व के संपर्क में हैं, लेकिन वे तुरंत पार्टी में शामिल नहीं हो रहे हैं क्योंकि पार्टी चाहती है कि वे अपने पदों से इस्तीफा दे दें। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए महेश्वर रेड्डी ने कहा कि बीआरएस विधायक भाजपा में शामिल होने के इच्छुक थे, लेकिन जब से उन्हें अपने पदों से इस्तीफा देने के लिए कहा गया है, तब से वे पीछे हट रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी नीति प्रतिद्वंद्वी दलों के सांसदों और विधायकों को तभी शामिल करने की है, जब वे अपने पद और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दें।

आईटी कॉरिडोर में ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए ट्रैफिक मार्शल पहल शुरू

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल (एससीएससी) ने साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी) के साथ मिलकर साइबराबाद आईटी कॉरिडोर और साइबराबाद के अन्य हिस्सों में विभिन्न आईटी पार्कों और आईटी/आईटीईएस कंपनियों के सहयोग से एक पहल ट्रैफिक मार्शल शुरू की है, ताकि यातायात को सुचारू रूप से चलाया जा सके। साइबराबाद पुलिस आयुक्त, अविनाश मोहंती, संयुक्त सीपी ट्रैफिक डी. जोएल डेविस और रमेश काजा, एससीएससी के महासचिव के साथ मिलकर आईटी कॉरिडोर और साइबराबाद के अन्य हिस्सों में 83 ट्रैफिक मार्शलों का पहला सेट लॉन्च किया है। गौरतलब है कि ट्रैफिक मार्शल प्रोग्राम, साइबराबाद पुलिस और एससीएससी द्वारा साइबराबाद के आईटी हब में भीड़-भाड़ से मुक्त यातायात प्रवाह प्रदान करने के उद्देश्य से एक अग्रणी पहल है। ट्रैफिक मार्शलों को कंपनियों द्वारा भुगतान किया जाता है, पुलिस विभाग द्वारा प्रशिक्षित और तैनात किया जाता है।

उन्हें यातायात को नियंत्रित करने के लिए प्रमुख जंक्शनों पर तैनात किया जाता है। एससीएससी और अन्य कंपनियों ने इस पहल में योगदान दिया है, और विभिन्न अन्य कंपनियों और आईटी पार्कों ने ट्रैफिक मार्शल कार्यक्रम में योगदान देने के लिए अपना समर्थन देने का वादा किया है। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों के लिए दैनिक आवागमन को आसान बनाना और उद्योगों के विकास के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। ट्रैफिक मार्शल साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस के विभिन्न पुलिस स्टेशनों से जुड़े हुए हैं। लॉन्च कार्यक्रम में बोलते हुए, साइबराबाद के पुलिस आयुक्त और एससीएससी के अध्यक्ष अविनाश मोहंती ने कहा, हम इस पहल में एससीएससी और इसकी सदस्य कंपनियों के समर्थन की सराहना करते हैं। हम सभी कंपनियों से आग्रह करते हैं कि वे साइबराबाद के यातायात प्रवाह को सुचारू और कुशल बनाने में हमारे साथ हाथ मिलाएं। डी. जोएल डेविस, संयुक्त आयुक्त-साइबराबाद पुलिस और उपाध्यक्ष, एससीएससी ने कहा, ट्रैफिक मार्शल कार्यक्रम सार्वजनिक-निजी भागीदारी की शक्ति का एक प्रमाण है।

हम सभी कंपनियों से इस पहल में योगदान देने और सभी के लिए बेहतर आवागमन का अनुभव बनाने में हमारी मदद करने की अपील करते हैं। साइबराबाद यातायात पुलिस के सभी वरिष्ठ अधिकारी एससीएससी के सदस्यों के साथ मौजूद थे।

क्षेत्रीय मुक्केबाजी एवं निशानेबाजी प्रतियोगिता संपन्न

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 में दो दिवसीय क्षेत्रीय मुक्केबाजी एवं निशानेबाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्राचार्य सुरेश कटोच द्वारा किया गया। 25 विद्यालयों के प्रतिभागियों ने इस में भाग लिया। गोलकोंडा स्थित आर्टिलरी सेंटर में संपन्न हुई इस स्पर्धा में मुक्केबाजी में अलग अलग श्रेणी में सीएच यसवीन, धारावत नरेन, डी सत्यनारायण सार्थक, एस कार्तिक, एस लोहित, शेख रयान मिस्बाह, शेख सूफियान शोएब, बी ईश्वर चरन, चिंतापल्ली विष्णु, डी तरुण चारी, ई जयदीप, जी चरन, के भरत सूर्या, नमन सिंह, शेख मीर हुसैन आलम, वाई शशांक तेजा, बी मनोज कुमार, बी जसवंत, सीएच चरन तेजा, एम मनोहर, एस वेंकट मनोहर, सोंगा जसवंत, टी साई वर्धन राव 16 लडकों ने और बलराम शोगिता, फरीहा बतुल, के अभिग्ना, वी अलेख्या, चिंतला कुंतला सुक्षिता, जी तनुजा, जी अद्विती, पी चैतन्या, सैयद आयश यह 9 लडकियां राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई हुई। निशानेबाजी में जे अभिषेक और एन आशुतोष कुमार राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। स्पर्धा के समापन में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

लंदन में बोनालु समारोह का आयोजन

विशेष आकर्षण के रूप में पोतुराजू जुलूस

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एसोसिएशन ऑफ यूनाइटेड किंगडम (टीएसी) ने लंदन में बोनालु मेले का आयोजन किया। समारोह में पूरे ब्रिटेन से 1000 से अधिक प्रवासी परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। टॉक के अध्यक्ष रत्नाकर कदुदुला और उपाध्यक्ष शुशमना रेड्डी ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की, जबकि उपाध्यक्ष सत्य मूर्ति चिलुमुला ने टिप्पणीकार के रूप में काम किया। हाउंस्लो के उप महापौर मुहम्मद शकील अकरम इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। पूजाएं पारंपरिक तरीके से की गईं जैसा कि मातृभूमि में मनाया जाता है, और टैंकों का जुलूस, विशेष रूप से पोतुराजू खेल, एक विशेष आकर्षण बन गया।

पोतुराजू विन्यासन्नी की न केवल प्रवासियों ने बल्कि उपस्थित मुख्य अतिथियों ने भी सराहना की और सम्मान किया। हाउंस्लो शहर के उप महापौर मुहम्मद शकील अकरम ने कहा कि ब्रिटेन में रहने वाले सभी तेलंगाना एनआरआई सामुदायिक सेवा में बहुत सक्रिय हैं और उनकी भावना बहुत महान है। उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि विदेश में रहते हुए भी जिस तरह से तेलंगाना की सांस्कृतिक परंपराओं को दुनिया को दिखाया जा रहा है, वह बहुत शानदार है और टॉक संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यक्रम कई लोगों के लिए प्रेरणादायक हैं।

टॉक संगठन के अध्यक्ष रत्नाकर कदुदुला ने कहा कि वह सभी तेलंगाना प्रवासी लोगों को बोनालु उत्सव की शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने टॉक संस्था द्वारा दुनिया भर में तेलंगाना के लोगों और तेलंगाना के बच्चों के लिए किये जा रहे कार्यक्रमों के बारे में बताते हुए सभी से इसका हिस्सा बनने का आह्वान किया। टॉक के राष्ट्रीय संयोजक अशोक दोसारी ने कहा, हम तेलंगाना के सभी लोगों को बोनालु त्योहार की शुभकामनाएं देते हैं।

कार्यक्रम के प्रायोजकों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी लोगों को संस्था की कार्यकारी टीम द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रमुख नेता सुप्रजा पुलुसु, गणेश कुप्पला, हरि गौड़ नवापेट, सुरेश बुडागम, राकेश पटेल, सत्यपाल पिंगिली, श्रीकांत और क्रांति ने कहा कि उन्हें खुशी है कि बोनालु जतारा में इतनी सफलता हासिल की है। समारोह में ब्रिटेन के अन्य एनआरआई संघों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में रत्नाकर कदुदुला, अशोक दुसारी, शुसमुना रेड्डी, सत्या चिलुमुला, मत्ता रेड्डी, वेंकट रेड्डी, सुरेश बुडागम, जाह्नवी वेमुला, रवि रेथिनेनी, रवि प्रदीप पुलुसु, राकेश पटेल, सत्यपाल, मल्ला रेड्डी, गणेश कुप्पाला, सत्यम कांडी, श्रीकांत जेला, श्रीधर राव, मधुसूदन रेड्डी, शैलजा जेला, स्नेहा, श्वेता महेंद्र, स्वाति, क्रांति, पवित्रा, सुप्रजा, श्वेता, श्री विद्या, नीलिमा, प्रिडवी, मणि तेजा, गणेश पाथम, निखिल रेड्डी, हरि गौड़, नवीन रेड्डी और प्रतिभागियों में कार्तिक, रंजीत, राजेश वाका, महेंद्र, वामसी, आनंद, अक्षय, पावनी, जसवंत, शिव वेन्ना, नाग, मादी, विनोद, सनी, संदीप और अन्य शामिल रहे।

प्रहरी क्लब रोकेगा स्कूलों में नशीली दवाओं का दुरुपयोग

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूलों में सुरक्षित माहौल बनाने के साथ-साथ नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए राज्य सरकार ने सभी सरकारी और निजी हाई स्कूलों में प्रहरी क्लब बनाने के आदेश जारी किए हैं। क्लब का उद्देश्य बच्चों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से दूर रखना और स्कूलों के आस-पास के इलाकों में नशीली दवाओं की बिक्री को रोकना है।

शुक्रवार को शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, क्लब का नेतृत्व स्कूल के प्रधानाध्यापक या प्रिंसिपल करेंगे और वरिष्ठ शिक्षक या बच्चों के अनुकूल शिक्षक इसके उपाध्यक्ष होंगे।

कक्षा 6 से 10 तक प्रत्येक कक्षा में दो छात्र, अभिभावक-शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधि और स्थानीय पुलिस स्टेशन से एक पुलिसकर्मी इसके सदस्य होंगे। क्लब का मुख्य उद्देश्य क्लब के सदस्यों को नशीली दवाओं और पदार्थों का सेवन करने वाले बच्चों और स्कूल परिसर में और उसके आसपास नशीली दवाओं या पदार्थों के उपयोग और बिक्री की किसी भी संदिग्ध गतिविधि के प्रति सतर्क रहने के लिए जागरूक करना है।

आदेश के अनुसार, हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय क्षेत्रों में अधिक जोर दिया जाएगा और पुलिस विभाग और एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ मिलकर काम किया जाएगा।

गुटखा विक्रेता गिरफ्तार

वारंगल, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। इंतेजारगंज पीएस सीमा में टास्क फोर्स की टीम ने छापा मार गुटखा विक्रता को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से 1000 मूल्य का गुटखा और दो लाख रुपये बरामद किए गए।

टास्क फोर्स ने वारंगल के विन्नाकेडा वेंकट शिव नागराज कुमार (42 वर्ष) के घर पर छापा मारा और कुल 1,000 मूल्य का गुटखा जब्त किया। उसके कब्जे से 2,01,500 रुपये बरामद किए गए, जो पीएस इंतेजारगंज की सीमा के अंतर्गत आता है। छापेमारी पूरी होने के बाद जब्त की गई संपत्ति को आरोपी के साथ इंतेजारगंज पुलिस को आगे की कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया है।

सडक दुर्घटना में होमगार्ड की मौत

वारंगल, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मामुनूर वारंगल खम्मम राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई दुर्घटना में होमगार्ड की मौत हो गई। होमगार्ड की पहचान वड्डेपल्ली सुधाकर के रूप में हुई। जो ड्यूटी पर जा रहे थे। ज्योतिबा फुले स्कुल के सामने वे अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी की उनके शरीर के टुकडे टुकडे हो गए। पुलिसने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिजली कटौती को लेकर किसानों ने जाम किया राष्ट्रीय महामार्ग

मेडक, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रांसको अधिकारियों पर अपने गांव में अनिर्धारित बिजली कटौती करने का आरोप लगाते हुए किसानों ने शनिवार को अल्लादुर्गम मंडल के गोलाकुंटा थांडा में एनएच-161 पर यातायात को अवरुद्ध करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

किसानों ने आरोप लगाया कि शुक्रवार को बिजली कटौती के दौरान गांव के एक किसान की चार बकरियां चोर चुरा ले गए। किसानों ने कहा कि उनका गांव सब-स्टेशन से सिर्फ आधा किलोमीटर दूर है, लेकिन ट्रांसको अधिकारी उनकी शिकायतों का जवाब नहीं दे रहे हैं। आधे घंटे तक सड़क के दोनों ओर यातायात बाधित रहा। पुलिस अधिकारियों ने किसानों को विरोध वापस लेने के लिए राजी किया और उन्हें अधिकारियों के समक्ष इस मुद्दे को उठाने का आश्वासन दिया।

नहरों के विस्तार को जल्द पूरा करें : कलेक्टर

हनुमाकोंडा, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हनुमाकोंडा जिला कलेक्टर ने बरसात के मौसम को देखते हुए नहरों के विस्तार को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कदम उठाने के विशेषज्ञ अधिकारियों को आदेश दिया।

शुक्रवार को ग्रेटर वारंगल नगर आयुक्त अश्विनी तानाजी वाकाडे ने राजस्व, नगरपालिका, नगर नियोजन, सिंचाई और जल निकासी अधिकारियों के साथ नहरों के विकास, नईम नगर पुल की प्रगति पर हनुमाकोंडा जिला कलेक्टर कार्यालय में समीक्षा बैठक की।

जिलाधिकारी प्रवीण्य ने कहा कि नहरों के विस्तार को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारी समन्वित कदम उठायें। वे किसी

भी समस्या को उनके ध्यान में लाना चाहते हैं। अधिकारी कड़ी मेहनत कर नहरों के विस्तार कार्य को जल्द पूरा करना चाहते हैं ताकि बरसात के मौसम में लोगों को परेशानी न हो। कलेक्टर ने नईम नगर ब्रिज निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

इस अवसर पर कलेक्टर ने अधिकारियों से नहरों के विस्तार, नईम नगर एवं अन्य विकास कार्यों पर चर्चा की।

इस बैठक में हनुमाकोंडा आरडीओ वेंकटेश, जीडब्ल्यूएमसी अधिकारी राजैया, प्रवीण चंद्रा, शंकर लिंगम, कुडा पीओ अजित रेड्डी, ईई भीमराव, सीएमएचओ डॉ. राजेश, टाउन प्लानिंग सीपीओ वेंकन्ना, सिंचाई विभाग के अधिकारी वेंकटेश्वरलू, सीताराम, हर्षवर्द्धन, डीआईओ राममोहन और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा द्वारा शिक्षण सामग्री का वितरण

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक निर्दोष भवन खैरताबाद कार्यालय में संपन्न हुई। जिसमें जरुरतमंद छात्र-छात्राओं को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। बैठक की अध्यक्षता डा. रामकुमार तिवारी ने की।

सभा में गत बैठक में लिए गए निर्णयों एवं आय-व्यय की समीक्षा की गई।

सभा में केजी से पीजी तक के विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकता अनुसार सामग्री वितरित की गई। बैठक में उपाध्यक्ष राकेश तिवारी, कोषाध्यक्ष गोपालप्रसाद शुक्ला, सूर्यप्रकाश शुक्ला, विजयपाल पाण्डेय, डा. महेश अग्निहोत्री, दुर्गाप्रसाद मिश्रा, शोभा दुबे, रत्नकला मिश्रा, विनोद प्रसाद तिवारी, अमित शुक्ला, बालाप्रसाद तिवारी, जयशंकर प्रसाद तिवारी, राजेन्द्र प्रसाद तिवारी आदि उपस्थित थे।

चोरी के आरोप में जेबकतरा गिरफ्तार

मंचेरियल, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक दिहाड़ी मजदूर से जेबकतरे बने व्यक्ति को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया, जबकि उसके पास से शनिवार को 3.5 लाख रुपये के पांच तोले सोने के आभूषण बरामद किए गए।

मंचेरियल इंस्पेक्टर आर बंसीलाल ने बताया कि दिहाड़ी मजदूर जादव नरसिंह को शहर की एसीसी कॉलोनी में संदिग्ध रूप से घूमते समय पकड़ा गया। पूछताछ करने पर नरसिंह ने शराब की लत लगने के बाद अपराध करने की बात कबूल की। उसने 10 दिन पहले एसीसी कॉलोनी में ट्रैवलर कंपनी के मालिक अब्दुल रहीम के घर का ताला तोड़कर सोने के आभूषण और एलपीजी सिलेंडर और चूल्हा चोरी करने की बात स्वीकार की। घटना के समय घर का मालिक मौजूद नहीं था।

मंचेरियल एसीपी आर प्रकाश ने आरोपी को अपेक्षाकृत कम समय में पकड़ने के लिए इंस्पेक्टर बंसीलाल, सब-इंस्पेक्टर सनथ, स्टाफ बाबाजी, सत्यनारायण और राजू पटेल की सराहना की।

वनस्थलीपुरम बी.एन.रेड्डी नगर स्थित हाम्बड़ परिवार द्वारा आयोजित हवन, जागरण कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए शंकर टॉक। अवसर पर उपस्थित आयोजक सुरेश चौधरी, बुदाराम, लालाराम, दिनेश हाम्बड़, करमनघाट सीरवी समाज अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज चोयल, हंसाराम आगलेचा, हीरालाल सेणचा, गोविन्दराम पंवार व समाज बन्धु।

साँझ के साथी का काव्य अनुष्ठान सम्पन्न

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साँझ के साथी का काव्य अनुष्ठान सिकंदराबाद में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेमशंकर नारायण ने की। चेन्नई के गीतकार केवल कोठारी मुख्य अतिथि थे। अजित गुप्ता ने सभी का स्वागत करते हुए हुए भविष्य की योजनाओं के विषय में जानकारी दी। तत्पश्चात ज्योति नारायण के संचालन में सभी ने विभिन्न विधाओं एंव समसामयिक विषयों पर काव्य पाठ किया गया। इसमें केवल कोठारी, अजित गुप्ता, ज्योति नारायण, सुनीता लूल्ला, राजीव सिंह, मोहिनी गुप्ता, रेखा अग्रवाल, प्रेम नारायण ने भाग लिया।

कोडंगल लिफ्ट सिंचाई योजना के लिए वैश्विक निविदाएं आमंत्रित करें : बीजेएलपी नेता

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेएलपी नेता एलेटी महेश्वर रेड्डी ने आज मांग की कि राज्य सरकार कोडंगल लिफ्ट सिंचाई योजना के लिए वैश्विक निविदाएं आमंत्रित करे। उन्होंने कहा, मैं केंद्र सरकार द्वारा दी गई अमृत योजना निधि के टेंडरों में भ्रष्टाचार साबित करने के लिए तैयार हूं। अगर ठेकेदार वैश्विक टेंडरों के साथ 40 प्रतिशत कम कीमत पर काम करने के लिए आगे नहीं आते हैं तो मैं इस्तीफा देने के लिए भी तैयार हूं। राज्य सरकार का रवैया बहरे आदमी के सामने शंख बजाने जैसा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत ने जिम्बाब्वे से 5 मैचों की टी-20 सीरीज जीती

ओपनर्स शुभमन और यशस्वी ने फिफ्टी लगाई, 10 विकेट से हराया

हरारे, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने टी-20 सीरीज के चौथे मैच में जिम्बाब्वे को 10 विकेट से हरा दिया है। इस जीत से टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 3-1 की बढ़त के साथ सीरीज भी अपने नाम कर ली है। सीरीज का पांचवां मुकाबला 14 जुलाई को खेला जाएगा।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 152 रन बनाए। जवाब में भारत ने 15.2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए टारगेट हासिल कर लिया।

भारत की ओर से ओपनर्स के बीच नाबाद 156 रन की साझेदारी हुई। यशस्वी जायसवाल ने 53 बॉल पर नाबाद 93 और शुभमन गिल ने 39 बॉल पर 58 रन बनाए। इससे पहले, जिम्बाब्वे की ओर से कप्तान सिकंदर रजा ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। उनके अलावा तदिवनाशे मरुमानी 32 और वेसले मधवरे ने 25 रन का योगदान दिया। जिम्बाब्वे के ओपनर्स तदिवनाशे मरुमानी (32) और वेसले मधवरे (25) के बीच 63 रन की साझेदारी हुई।

भारत की ओर से खलील अहमद ने दो विकेट झटके। शिवम दुबे, अभिषेक शर्मा, तुषार देशपांडे और वॉशिंगटन सुंदर को 1-1 विकेट मिला। जोनाथन कैंपबेल को रवि बिश्नोई ने अपनी ही बॉल पर डायरेक्ट हिट पर रन आउट किया। यशस्वी जायसवाल की फिफ्टी पूरी हो चुकी है। उन्होंने 29 बॉल पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने सिकंदर रजा की बॉल पर चौका लगाकर अपनी फिफ्टी लगाई। यह उनकी टी-20 इंटरनेशनल की छठी फिफ्टी है।

टीम इंडिया ने टारगेट का पीछा करते हुए तेज शुरुआत की। टीम ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 61 रन बनाए। इस दौरान शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल क्रीज पर मौजूद रहें। जिम्बाब्वे ने भारत को 153 रन का टारगेट दिया है। जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 152 रन बनाए। जिम्बाब्वे की ओर से कप्तान सिकंदर रजा ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। उनके अलावा तदिवनाशे मरुमानी 32 और वेसले मधवरे ने 25 रन का योगदान दिया। जिम्बाब्वे के ओपनर्स तदिवनाशे मरुमानी (32) और वेसले मधवरे (25) के बीच 63 रन की साझेदारी हुई।

भारत की ओर से खलील अहमद ने दो विकेट झटके। शिवम दुबे, अभिषेक शर्मा, तुषार देशपांडे और वॉशिंगटन सुंदर को 1-1 विकेट मिला। जोनाथन कैंपबेल को रवि बिश्नोई ने अपनी ही बॉल पर डायरेक्ट हिट पर रन आउट किया।

जिम्बाब्वे को सातवां झटका भी खलील अहमद ने दिया। उन्होंने क्लाइव मदांदे को 152 रन के स्कोर पर आउट किया। वह इस मुकाबले में 7 रन बना सके। उनके विकेट से साथ पारी के 20 ओवर में पूरे हो गए।

जिम्बाब्वे को छठा झटका डायन मायर्स के रूप में लगा। उन्हें खलील अहमद ने कॉट एंड बोल्ड किया। वह सिर्फ 12 रन बना सके। जिम्बाब्वे का पांचवां विकेट 19वें ओवर में गिरा। तुषार देशपांडे ने जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को शुभमन गिल के हाथों कैच कराया। रजा ने 28 बॉल पर 46 रन की पारी खेली। जिम्बाब्वे को चौथा झटका 15वें ओवर में लगा। गलतफहमी की वजह से जोनाथन कैंपबेल रन आउट हुए। रवि बिश्नोई की बॉल पर सिकंदर रजा ने शॉट खेला। कैंपबेल रन लेने के लिए आगे बढ़ गए, बिश्नोई ने बॉल को कलेक्ट किया और डायरेक्ट हिट से उन्हें रन आउट कर दिया।

एथलेटिक्स में सर्वाधिक भारतीय पेश करेंगे चुनौती

किन खेलों से कितने खिलाड़ी ले रहे हिस्सा?

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय खिलाड़ी 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में एक स्वर्ण सहित कुल सात पदक जीते थे और अपने इतिहास का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया था। भारत पेरिस खेलों में 100 से अधिक खिलाड़ियों का दल भेज रहा है जिसमे से एथलेटिक्स से सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जबकि चार खेल ऐसे हैं जिनमे भारत की ओर से सिर्फ एक प्रतिभागी ही हिस्सा ले रहा है।

पेरिस में भारत भेजेगा 118 खिलाड़ियों का दल

पेरिस ओलंपिक में 16 खेलों में 118 खिलाड़ियों का भारतीय दल शिरकत करने जा रहा है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने खेल मंत्रालय को इन खिलाड़ियों की सूची सौंप दी है। 118 के दल में हॉकी में तीन, टेबल टेनिस और एथलेटिक्स में दो-दो रिजर्व खिलाड़ी भी रखे गए हैं। ये सातों खिलाड़ी मुख्य दल का हिस्सा नहीं होंगे। हालांकि, टोक्यो ओलंपिक के 124 के मुकाबले इस बार दल छोटा है। भारतीय दल में इस बार 70 पुरुष और 48 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। सबसे बड़ा दल एथलेटिक्स में 30 एथलीटों का होगा, इसके बाद शूटिंग (21) और हॉकी (19) का दल बड़ा है।

पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल

खेल	*खिलाड़ी*
एथलेटिक्स	30
निशानेबाजी	21
हॉकी	19
बैडमिंटन	07
कुश्ती	06
टेबल टेनिस	08
मुक्केबाजी	06
तीरंदाजी	06
गोल्फ	04
टेनिस	03
सेलिंग	02
तैराकी	02
घुड़सवारी	01
भारोत्तोलन	01
रोइंग	01
जूडो	01

पेरिस खेलों में 22 राज्यों के भारतीय खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

पेरिस खेलों के लिए जाने वाले भारतीय दल में 22 राज्यों के खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा हरियाणा के हैं। इस राज्य के 26 खिलाड़ी पदक के लिए जोर लगाएंगे। इसके बाद पंजाब से 15, तमिलनाडु से 12, उत्तर प्रदेश से पांच, उत्तराखंड से चार, दिल्ली से चार, मध्य प्रदेश से तीन और चंडीगढ़ से दो खिलाड़ी दल में शामिल हैं। भारतीय दल में शामिल खिलाड़ियों की औसत आयु 25 वर्ष है, वहीं इसमें सबसे उम्रदराज खिलाड़ी टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना हैं। तैराक दिनिधि सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं जिनकी उम्र 14 साल है। हरियाणा समेत 10 राज्य ऐसे हैं, जिनके पुरुषों से ज्यादा महिला खिलाड़ी दल में शामिल हैं।

कैंसर से पीड़ित पूर्व भारतीय कोच को अपनी पेंशन देंगे वर्ल्ड कप विजेता कप्तान

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व कोच अंशुमन गायकवाड़ इन दिनों कैंसर से लड़ाई लड़ रहे हैं। उनको इस स्थिति में देखकर टीम इंडिया के पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने अपनी चिंता जाहिर की है। भारतीय टीम के कुछ पूर्व खिलाड़ी भी अब अंशुमन गायकवाड़ की मदद करने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। इतना ही नहीं टीम इंडिया के पूर्व कप्तान ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से पूर्व भारतीय कोच की मदद करने का आग्रह किया है।

टीम इंडिया को 1983 में वनडे विश्व कप का चैंपियन बनाने वाले कप्तान कपिल देव ने स्टार स्पोर्ट्स पर पूर्व भारतीय कोच अंशुमन की हालत के बारे में बातचीत करते हुए बताया है कि मैं अंशु के साथ खेला हूं और उसको इस हालत में देखकर दुखी और निराश भी हूं। किसी को भी इतनी तकलीफ नहीं होनी चाहिए। मैं जानता हूं बोर्ड उसकी मदद करेगा। हम किसी को उसकी मदद के लिए फोर्स नहीं कर रहे हैं लेकिन उसकी मदद दिल से करनी होगी। उनको कुछ चोटें भी लगी हैं अब अंशु के लिए खड़े होने और उसकी मदद करने का समय आ गया है। मुझे पता है कि प्रशंसक भी उसको निराश नहीं करेंगे।

इस महीने की शुरुआत में टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर ने अंशुमन के ब्लड कैंसर की खबर दी थी। संदीप पाटिल के मुताबिक गायकवाड़ पिछले एक साल से कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे हैं। इसके अलावा गायकवाड़ ने संदीप को बताया था कि अंशु को वित्तीय सहायता की जरूरत है। पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने बीसीसीआई से भी इसको लेकर अंशु की मदद करने को लेकर बातचीत की है जिस पर बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने इस मामले पर विचार करने की बात कही।

भारत की महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी को मिला गौतम गंभीर वाला काम

शाहरुख खान की टीम ने दी बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर को हार ही में भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच बनाया गया है. इससे पहले वह आईपीएल में कोलकाता कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए बतौर मेंटॉर काम कर रहे थे. केकेआर की टीम को इसका फायदा भी मिला था और वह आईपीएल 2024 का खिताब जीतने में कामयाब रही है. ऐसे में अब शाहरुख खान की एक और क्रिकेट टीम ने भारत की एक महिला क्रिकेटर को अपना मेंटॉर बनाने का फैसला किया है.

शाहरुख की टीम में इस महिला क्रिकेटर को मिली बड़ी जिम्मेदारी

डब्ल्यूपीएल की तरह अब और भी कई देशों में महिला टी20 क्रिकेट लीग खेली जाती है. इसमें वेस्टइंडीज की विमंस कैरिबियन प्रीमियर लीग का नाम भी शामिल है. इस लीग में भी शाहरुख खान की एक टीम के जिसका नाम त्रिनबागो नाइट राइडर्स है. इस लीग में तीन टीमें खेलती हुई नजर आएंगे. इनमें से दो टीमें आईपीएल फ्रेंचाइजियों की टीमें ही हैं. भारत की महान महिला तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी इस लीग में त्रिनबागो नाइट राइडर्स की टीम में बतौर मेंटॉर काम करती हुई नजर आएंगी. डब्ल्यसीपीएल का ये सीजन 21 अगस्त से 29 अगस्त तक खेला जाएगा.

नई टीम के साथ जुड़ने पर कही ये बात

झूलन ने साल 2022 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था. इसके बाद वह कोचिंग में आ गईं, झूलन भारतीय घरेलू क्रिकेट में भी बंगाल की महिला टीम की मेंटॉर रह चुकी हैं. वह विमंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की मेंटॉर और गेंदबाजी कोच भी हैं. नाइट राइडर्स की टीम के साथ जुड़ने पर झूलन गोस्वामी ने कहा कि मेरे लिए इस फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनना गर्व की बात है. नाइट राइडर्स ने भारत और दुनिया के कई हिस्सों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है. मैं इस टूर्नामेंट में उनका हिस्सा बनने के लिए काफी उत्सुक हूं. मुझे मेंटॉर की भूमिका देने के लिए नाइट राइडर्स का धन्यवाद.

झूलन गोस्वामी का ऐसा रहा करियर

झूलन गोस्वामी ने 6 जनवरी 2002 को इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए पहला इंटरनेशल मैच खेला था और अपना आखिरी मैच भी इसी टीम के खिलाफ खेला. इस दौरान झूलन गोस्वामी ने 12 टेस्ट, 204 वनडे और 68 टी20 मैच खेले. टेस्ट में झूलन गोस्वामी ने 44 विकेट चटकाए थे. वहीं, वनडे में उन्होंने कुल 255 विकेट अपने नाम किए थे और टी20 में उन्होंने 56 विकेट हासिल किए थे.

सिंधू और प्रणय को ओलंपिक में मिला आसान ग्रुप

किन खिलाड़ियों से मिलेगी चुनौती

पेरिस, 13 जुलाई (एजेंसियां)। ओलंपिक में पदार्पण कर रहे प्रणय को 13वीं वरीयता मिली है। उन्हें पुरुष सिंगल्स के ग्रुप के में वियतनाम के ले डक फाट (विश्व रैंकिंग 70) और जर्मनी के फैबियन रोथ (विश्व रैंकिंग 82) के साथ जगह मिली है। विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज लक्ष्य सेन को ग्रुप एल में शामिल किया गया है। गैर वरीय लक्ष्य के ग्रुप में तीसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी के अलावा केविन कॉर्डन (विश्व रैंकिंग 41) और बेल्जियम के जूलियन कैरागी (विश्व रैंकिंग 52) हैं। प्रणय और लक्ष्य अगर अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहे तो प्री क्वार्टर फाइनल में एक-दूसरे का सामना करेंगे।

तनिषा-अश्विनी को मिला मुश्किल ग्रुप

विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज तनिषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी को महिला डबल्स में मुश्किल ग्रुप सी में जगह मिली है। इस ग्रुप में विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर पर मौजूद जापान की नामी मत्सुयामा और चिहारू शिदा की जोड़ी के अलावा टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया की किम सो येओंग और कोंग ही योंग (विश्व रैंकिंग सात) और ऑस्ट्रेलिया की सेत्याना मापासा और एंजेला यू (विश्व रैंकिंग 27) की जोड़ियां है।

पुरुष डबल्स के ड्रॉ की नहीं हुई घोषणा

सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष जोड़ी को पदक का दावेदार माना जा रहा है। इस जोड़ी को पुरुष डबल्स स्पर्धा में तीसरी वरीयता दी गई है। पेरिस ओलंपिक के लिए पुरुष डबल्स ड्रॉ को खेल पंचाट (सीएएस) की जोड़ियों की संख्या पर सुनवाई के कारण स्थगित कर दिया गया था। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने अभी तक ड्रॉ की तारीख की पुष्टि नहीं की है।

जोकोविच-अल्कारेज लगातार दूसरी बार विंबलडन फाइनल में

जोकोविच ने मुसेट्टी और अल्कारेज ने मेदवेदेव को हराया; मैच देखने रोहित शर्मा पहुंचे

लंदन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। विंबलडन 2024 (टेनिस टूर्नामेंट) के फाइनलिस्ट तय हो गए हैं। मेंस सिंगल्स में डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्कारेज का सामना सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच से होगा। दोनों लगातार दूसरी बार इस ग्रैंड स्लैम के खिताबी मुकाबले में भिड़ेंगे। फाइनल मुकाबला रविवार, 14 जुलाई को लंदन के सेंटर कोर्ट में खेला जाएगा। पिछले साल टूर्नामेंट के फाइनल में अल्कारेज ने जोकोविच को हराकर अपना पहला विंबलडन खिताब जीता था। दुनिया के नंबर-3 खिलाड़ी अल्कारेज ने सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-5 डेनियल मेदवेदेव को 6-7, 6-3, 6-4, 6-4 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-2 जोकोविच ने इटली के लोरेंजो मुसेट्टी को सीधे सेटों में 6-4, 7-6, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारत को 17 साल बाद दूसरा टी-20 वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान रोहित शर्मा विंबलडन 2024 का पहला सेमीफाइनल देखने पहुंचे। इस मैच में अल्कारेज ने डेनियल मेदवेदेव को हराया। विंबलडन के आधिकारिक अकाउंट से रोहित शर्मा की फोटो शेयर की गई है, जिसमें लिखा है, 'वेलकम टु विंबलडन रोहित शर्मा।'

स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के टॉमी पॉल के खिलाफ जीत हासिल की थी। उन्होंने पॉल को 5-7, 6-4, 6-2, 6-2 से हराया था। पहला सेट 5-7 से हारने के बाद डिफेंडिंग चैंपियन अल्कारेज ने वापसी की और लगातार तीनों सेट जीत कर मैच अपने नाम कर लिया था। सर्बिया के जोकोविच 10वीं बार विंबलडन के फाइनल में पहुंचे हैं। जोकोविच ओपन एरा में 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं।

41 साल के एंडरसन ने क्रिकेट को अलविदा कहा

टेस्ट में 704 विकेट लिए, सचिन के बाद सबसे ज्यादा मैच खेले

खेल डेस्क, 13 जुलाई (एजेंसियां)। 41 साल की उम्र में इंग्लैंड के मुख्य तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने क्रिकेट को अलविदा कह दिया। 2002 में 20 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरुआत की। टेस्ट में 704 विकेट लिए, वनडे में 269 और टी-20 में 18...टोटल 991 विकेट। 21 साल तक इंग्लैंड की टीम की पेस गेंदबाजी की अगुआई की। आखिरी टेस्ट लॉर्ड्स में खेल रहे थे। मैच जीतने के बाद बालकनी पर आए, ग्राउंड में जमा सैकड़ों फैंस को खुशी का मौका दिया और इसके बाद कहा- इंग्लैंड के लिए क्रिकेट खेलना दुनिया की बेस्ट जॉब है। और फिर अलविदा कह दिया।

लॉर्ड्स के ड्रेसिंग रूम में मैच के बाद पूरी टीम मौजूद थी और पूर्व कप्तान नासिर हुसैन भी। हुसैन ने एंडरसन से कहा कि आपने इंग्लैंड के लिए जो कुछ भी किया, वो शानदार था। हर चीज के लिए आपका शुक्रिया। एंडरसन ने वनडे करियर की शुरुआत 2002 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ की थी और आखिरी मैच अफगानिस्तान के खिलाफ 2015 में खेला था। टेस्ट करियर की शुरुआत 2003 में जिम्बाब्वे के खिलाफ की थी और आज वेस्टइंडीज के खिला अपना आखिरी मैच खेला। टी-20 की शुरुआत 2007 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ की थी और साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी मैच 2009 में खेला।

जेम्स एंडरसन ने 15 दिसंबर 2002 को 20 साल की उम्र में पहली बॉल डाली। ये मैच ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में खेला गया था। एंडरसन ने इस मैच में 6 ओवर में 46 रन देकर 1 विकेट लिए थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट को आउट किया था। वनडे में डेब्यू के एक साल के बाद एंडरसन ने टेस्ट डेब्यू किया। जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए इस मैच में एंडरसन ने 5 विकेट लिए। यह मैच इंग्लैंड के लॉर्ड्स में खेला गया था। एंडरसन ने टी-20 की शुरुआत 2007 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ की थी। ये मैच ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में खेला गया था। इस मैच में एंडरसन ने 1 विकेट लिया था। उन्होंने मैथ्यू हेडन को आउट किया था।

जेम्स एंडरसन को बेन स्टोक्स ने मैच शुरू होने से पहले टीम लीड करने को कहा। यहां वो इमोशनल नजर आए। इस समय जेम्स की उपलब्धियों के बारे में बताया जा रहा था। मैच स्टार्ट होने से पहले एंडरसन की दोनों बेटी लोला और रूबी एंडरसन ने लॉर्ड्स की ऐतिहासिक बेल को बजाकर मैच की शुरुआत की। इस समय स्टेडियम में एंडरसन की पत्नी डैनिएला और पैरेंट्स माइकल एंडरसन और कैथरीन एंडरसन मौजूद थे। जेम्स एंडरसन का ये वो शानदार एक्शन हैं। जिसे हर बॉलर अपनाना चाहता है। स्विंग के मामले में एंडरसन दुनिया के सबसे बड़े बॉलर हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी टेस्ट मैच की दोनों पारी में उन्होंने 26.4 ओवर की गेंदबाजी की और 58 रन देकर 4 विकेट निकाले।

बाबर आजम ने जेम्स एंडरसन के रिटायरमेंट पर जमकर उड़ा मजाक

इस्लामाबाद, 13 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम अक्सर अपनी अंग्रेजी को लेकर ट्रोल होते रहे हैं. जेम्स एंडरसन के रिटायरमेंट पर उन्होंने इतनी बड़ी गलती कर दी, जिसे देखकर क्रिकेट फैंस उनका मजाक उड़ाने लगे. पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ी अपनी कमजोर और गलत अंग्रेजी के लिए मशहूर है. टी20 वर्ल्ड कप बुरी तरह हारकर बाहर होने वाले टीम के मौजूदा कप्तान बाबर आजम भी कुछ अलग नहीं हैं. प्रेस कॉन्फ्रेंस, टॉस या इंटरव्यू के दौरान वो अक्सर अंग्रेजी बोलते हुए संघर्ष करते दिखे हैं. इंग्लैंड के दिग्गज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने 12 जुलाई को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने करियर का आखिरी मैच खेला. उनके रिटायरमेंट पर बधाई देते हुए ऐसी गलती की, जिस पर किसी भी फैंस को विश्वास नहीं हुआ. इससे फैंस ने उन पर ना केवल अंग्रेजी, बल्कि क्रिकेट के ज्ञान पर भी सवाल खड़े कर दिए और जमकर ट्रोल किया.

हैदराबाद सितंबर में वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को बहुप्रतीक्षित वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन के कार्यक्रम की घोषणा की, जो 5 और 6 सितंबर को हैदराबाद के एचआईसीसी में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन के लोगो का अनावरण किया और कार्यक्रम की घोषणा की। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन हमारे राज्य को तकनीकी नवाचार के मामले में सबसे आगे रखने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। हम हैदराबाद में दुनिया भर के विचारकों और नवप्रवर्तकों का बेसब्री से स्वागत करते हैं। शिखर सम्मेलन, जिसका मुख्य विषय "एआई को सभी के लिए उपयोगी बनाना" है, का उद्देश्य यह पता लगाना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समाज को कैसे लाभ पहुंचा सकता है और उसे सशक्त बना सकता है। इस कार्यक्रम में वैश्विक एआई विशेषज्ञों, तकनीकी उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं और शिक्षाविदों द्वारा मुख्य भाषण और विचारोत्तेजक सत्र शामिल होंगे। मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा, वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन एआई की शक्ति का दोहन करने के लिए तेलंगाना के समर्पण को दर्शाता है। यह कार्यक्रम ज्ञान साझा करने, नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एआई की क्षमता की खोज करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच होगा। यह शिखर सम्मेलन एआई के भविष्य और दुनिया पर इसके प्रभाव में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक जरूरी कार्यक्रम है। यह एआई उत्साही लोगों के लिए सीखने, नेटवर्किंग और सहयोग के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक वक्ताओं की एक प्रभावशाली लाइनअप होगी, जिसमें उद्योग, शिक्षा, स्टार्टअप, सरकार और फाउंडेशन जैसे विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 2,000 प्रतिनिधि शामिल होंगे। शिखर सम्मेलन में "तेलंगाना के एआई कम्पेंडियम" का शुभारंभ और राज्य के एआई पारिस्थितिकी तंत्र के भविष्य के लिए अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं भी होंगी।

कांग्रेस में शामिल हुए सेरिलिंगमपल्ली के विधायक

बीआरएस को एक और झटका

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को एक और झटका देते हुए सेरिलिंगमपल्ली के विधायक अरेकापुडी गांधी शनिवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के आवास पर कांग्रेस में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री ने पार्टी का दुपट्टा भेंट कर बीआरएस विधायक का कांग्रेस में औपचारिक स्वागत किया। बीआरएस विधायक के साथ-साथ सेरिलिंगमपल्ली से नागेंद्र यादव, मियापुर से उप्पलपति श्रीकांत, चंदनगर से मंजुला रघुनाथ रेड्डी और हैदरनगर से नरने श्रीनिवास समेत कुछ पार्षद भी कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। कांग्रेस में शामिल हुए बीआरएस विधायकों की संख्या अब बढ़कर नौ हो गई है।

अधिकारियों को मिली पदोन्नति

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण एवं बंदोबस्त मंत्री श्रीमती कोंडा सुरेखा की पहल पर देवदाय विभाग के कार्यकारी अधिकारियों को बड़ी राहत मिली है। पिछले छह साल से सेवा नियम और वरिष्ठता सूची नहीं बनने के कारण जिन ईओ को प्रमोशन नहीं मिल रहा था। पिछले छह साल से उपेक्षित सेवा नियमों में संशोधन से लंबे समय से प्रमोशन का इंतजार कर रहे 11 ईओ को प्रमोशन मिल गया है। इनमें से तीन ग्रेड 3 ईवीओ को ग्रेड 1 ईवीओ में और 8 ग्रेड 3 ईवीओ को ग्रेड 2 ईवीओ में पदोन्नत किया गया। वरिष्ठता सूची पूरी होने के बाद कुछ दिनों में 11 और ईओ का प्रमोशन हो जाएगा। इस मौके पर तेलंगाना बंदोबस्ती विभाग मंदिर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बेतु रंगारेड्डी ने मंत्री सुरेखा को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि मंत्री सुरेखा से उनकी समस्या के समाधान के लिए अनुरोध करने के कुछ ही महीनों के भीतर मंत्री ने जवाब दिया और उनकी समस्या का समाधान किया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बची महिला की जान

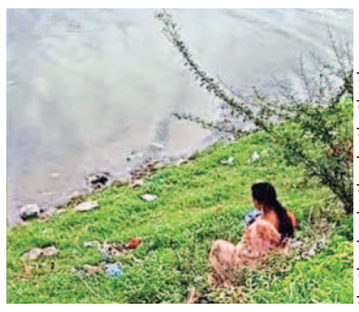

निर्मल, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से कर्नाटक की एक महिला की जान बच गई, जो शनिवार को निर्मल में एक सिंचाई टैंक में कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास कर रही थी। निर्मल इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने बताया कि ब्लू कोल्ट टीम के कर्मचारी टैंक पर पहुंचे और उन्हें सूचना मिली कि बीदर की 27 वर्षीय महिला आत्महत्या करने वाली है। इसके बाद कर्मचारियों ने उन्हें काउंसलिंग के बाद उनके परिजनों को सौंप दिया।

3 बच्चों की मां महिला के पति की एक साल पहले मौत हो गई थी। वह इंस्टाग्राम पर संपर्क में आने के बाद निर्मल के महालक्ष्मीवाड़ा में खानपुर के वेंकटेश नाम के एक व्यक्ति के साथ रह रही थी। उसने कहा कि वह कुछ पारिवारिक विवादों के बाद आत्महत्या करना चाहती थी। इस बीच, निर्मल डीएसपी गंगा रेड्डी ने सूचना पर तुरंत कार्रवाई करके महिला की जान बचाने के लिए इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार और ब्लू कोल्ट टीम के कर्मचारियों की सराहना की।

'अक्षराभ्यास' से पुजारियों-निजी गुरुओं के बीच शीत युद्ध

कुछ लोगों ने मंदिर में नियमों के विरुद्ध किया अक्षराभ्यास

निर्मल, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंदिरों के शहर बसर में पिछले कुछ सप्ताह से अक्षराभ्यास या वर्णमाला की दुनिया में दीक्षा के पारंपरिक अनुष्ठान को लेकर पुजारियों और निजी गुरुओं के बीच शीत युद्ध छिड़ा हुआ है। श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम-बसर से संबंधित पुजारियों की धार्मिक संस्था अनुष्ठान परिषद के सदस्यों ने इस सप्ताह के प्रारंभ में मंदिर नगरी बसर में कुछ निजी व्यक्तियों द्वारा पवित्र शास्त्रों के नियमों के विरूद्ध अक्षराभ्यासम करने के विरोध में व्यापारिक प्रतिष्ठानों को बंद रखने का आह्वान भी किया था। बंद को बहुत ठंडा प्रतिसाद मिला तथा कोई भी प्रतिष्ठान बंद नहीं हुआ। हालांकि, अनुष्ठान परिषद के पवन कुमार शर्मा ने आरोप लगाया कि कुछ निजी व्यक्ति तेजी से पैसा कमाने के लिए हिंदू धर्म के नियमों का उल्लंघन कर माता-पिता के लिए अक्षराभ्यासम अनुष्ठान कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग अस्वीकार्य गतिविधियों में लिप्त होकर बसर के श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम को बदनाम कर रहे हैं। इससे मंदिर की पवित्रता प्रभावित हो रही है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि निजी व्यक्ति, जो बसर के पास गोदावरी नदी के तट पर एक स्कूल स्थापित करके न केवल ब्राह्मण समुदायों के छात्रों को, बल्कि अन्य जातियों के छात्रों को भी पवित्र वेद पढ़ा रहे थे, अक्षराभ्यासम अनुष्ठान के भाग के रूप में विद्यार्थियों की जीभ पर बीजाक्षर लिख रहे थे, जो मंदिर नगर के ग्रंथों और परंपराओं के नियमों के विरूद्ध था। सदस्यों ने मांग की कि निजी व्यक्तियों द्वारा एक सप्ताह के भीतर इस प्रथा को रोका जाए। उन्होंने घोषणा की कि यदि लोगों ने बसर में आस्करभ्यास करना बंद नहीं किया तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि चावल के दानों या स्लेट पर अक्षर लिखना ही एकमात्र वैध प्रथा है।

वेद पाठशाला के संस्थापक वेद विद्यानंदगिरी स्वामी ने दावा किया कि बच्चों और बड़ों की जीभ पर बीज-अक्षर उकेरना कोई अपराध नहीं है। उन्होंने कहा कि वे मंदिर में अक्षराभ्यासम पूरा करने के बाद ही इसे निःशुल्क संपन्न करते हैं। उन्होंने कहा कि शहर में पारंपरिक अनुष्ठान करते समय वे शास्त्रों के मानदंडों का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे समाज के सभी वर्गों के लोगों को पृथ्वी पर वेद पढ़ाने के लिए पात्र हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने वेदों के ज्ञान का प्रसार करने के लिए केंद्र सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय से अनुमति प्राप्त की है, हर कोई पवित्र ग्रंथों को सीखने और फैलाने का हकदार है। इस बीच, मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि मंदिर की दीवारों पर पोस्टर चिपकाए गए हैं, जिनमें तीर्थयात्रियों को सलाह दी गई है कि वे उन निजी व्यक्तियों पर भरोसा न करें जो पुजारी बनकर अक्षराभ्यास करते हैं।

कांग्रेस ने भाजपा पर दलबदल पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर विधायकों के दलबदल पर राज्य सरकार के खिलाफ झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। शनिवार को यहां गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, कांग्रेस सांसद ने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी की कांग्रेस सरकार के खिलाफ झूठे प्रचार के साथ लोगों को गुमराह करने के लिए आलोचना की और कहा कि भाजपा नेता को विधायकों के दलबदल और संविधान के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, देश में संविधान का मजाक कौन उड़ा रहा है, यह सभी जानते हैं। भाजपा का 10 साल में लोकतांत्रिक तरीके से बनी सरकारों को गिराने का इतिहास रहा है।

पिछले दस साल में भाजपा ने सीबीआई, आयकर और प्रवर्तन निदेशालय के नाम पर विपक्ष की कई सरकारों को गिराया और लोकतंत्र का मजाक उड़ाया। पिछले दस साल में उत्तराखंड (2016), मणिपुर (2017), गोवा (2017), मेघालय (2018), जम्मू-कश्मीर (2018), अरुणाचल प्रदेश (2019), कर्नाटक (2019), मध्य प्रदेश (2020), पुडुचेरी (2021) और महाराष्ट्र (2022) में कई निर्वाचित सरकारों को भाजपा ने गिराया। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्र सरकार को अपनी शक्ति का दुरूपयोग करने के लिए फटकार लगाई। कांग्रेस सांसद ने आलोचना करते हुए कहा, भाजपा नेताओं ने अपनी गलतियों को छुपाया है और अब नैतिकता की बात कर रहे हैं।

भुवनगिरी लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले चामला किरण कुमार रेड्डी ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में बीआरएस-बीजेपी दोनों मिलकर काम कर रहे हैं और कहा कि अगले चुनाव तक बीआरएस का बीजेपी में विलय हो जाएगा। उन्होंने कहा, अगर यह संभव नहीं हुआ तो दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन किया जाएगा।

पीओडब्ल्यू की नेता के खिलाफ केस

7 मामले चेन्नूर थाने में हैं दर्ज

मंचेरियल, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने शनिवार को चेन्नूर में प्रगतिशील महिला संगठन (पीओडब्ल्यू) की एक नेता के खिलाफ मामला दर्ज किया। चेन्नूर इंस्पेक्टर के रविंदर ने बताया कि आरोपी महिला श्रीरामपुर की मडेला भवानी है। वह कथित तौर पर जमीन के विवादों में दखल देती थी और लोगों को आतंकित करती थी। चेन्नूर थाने में उसके खिलाफ सात मामले दर्ज हैं, जबकि कोटापल्ली थाने में भी उसके खिलाफ मामला दर्ज है। चेन्नूर थाने में उसके खिलाफ पहले ही एक मामला दर्ज किया जा चुका है। इंस्पेक्टर ने चेतावनी दी कि अगर महिला ने अपने तौर-तरीके नहीं बदले तो उसके खिलाफ प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) एक्ट लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एक्ट उन लोगों के खिलाफ लगाया जाएगा जो भूमि विवाद, अवैध गतिविधियों, प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी और क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने में शामिल हैं।

वाईएसआरसीपी सरकार ने अपने शासन में सड़कों पर गड्ढे तक नहीं भरे : चंद्रबाबू नायुडू

मुख्यमंत्री ने सचिवालय में आरएंडबी विभाग की समीक्षा बैठक की

अमरावती, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू ने आज राज्य में सड़कों की स्थिति की समीक्षा की। सीएम ने कहा कि पिछली सरकार ने सड़कों की स्थिति पर ध्यान नहीं दिया और कहा कि वाईएसआरसीपी सरकार के रवैये के कारण वाहन चालकों और लोगों को पांच साल तक नरक देखना पड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में स्थिति बदलने का काम शुरू होना चाहिए। उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को यहां सचिवालय में आरएंडबी विभाग की समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने सीएम को सड़कों की दुर्दशा, धन की आवश्यकता और मौजूदा मुद्दों के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने सीएम को बताया कि सड़कों की मरम्मत पर न्यूनतम राशि भी खर्च नहीं की गई। उन्होंने यह भी कहा कि ठेकेदारों को बिल का भुगतान नहीं किया गया और कहा कि परिणामस्वरूप, ठेकेदार आज काम करने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य में 4,151 किलोमीटर सड़कों पर गड्ढों की समस्या है। सीएम को बताया गया कि 2,936 किलोमीटर सड़कें और हैं, जिनकी तत्काल मरम्मत की जानी है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में कुल 7,087 किलोमीटर सड़कों पर काम शुरू करने की तत्काल आवश्यकता है और कहा कि इसके लिए कम से कम 300 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। सीएम ने अधिकारियों को गड्ढे भरने का काम तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए।

आईएएस अधिकारी सुदर्शन रेड्डी को विकास राज के स्थान पर तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) का कार्यभार ग्रहण किया।

ड्रग्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार बी. साईश्वर गौड़ आईआरपी/एससी अपने स्टाफ और टीजीएएनबी अधिकारियों भिक्षापति राव डीएसपी, साम्य नायक पुलिस निरीक्षक के साथ आरपीएफ एसआई नागार्जुन रेड्डी, स्टाफ के समन्वय में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन में ड्रग्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें नारे लगाकर बैनर और पोस्टर दिखाकर यात्रियों को ड्रग्स का सेवन एक अपराध है और इसके परिणामों के बारे में समझाया।

आलेख्या पुंजाला ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री कैप्टन उत्तम कुमार रेड्डी और विधायक श्रीमती पद्मावती रेड्डी ने आलेख्या पुंजाला तेलंगाना संगीत नाटक अकादमी के कार्यभार कार्यक्रम में भाग लिया। मंत्री उत्तम ने विश्वास व्यक्त किया कि श्रीमती आलेख्या के नेतृत्व में तेलंगाना संगीत नाटक अकादमी तेलंगाना की संस्कृति और कला रूपों को बनाए रखने और बढ़ावा देने के लिए कई नई पहल करेगी। उन्होंने कहा कि श्रीमती आलेख्या तेलंगाना को भारत के सांस्कृतिक मानचित्र पर ला खड़ा करेंगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

क्षेत्रीय कार्यालय, विजयनगरम
एमआईजी-2, विवेकानंद कॉलोनी, जिला अस्पताल जंक्शन
केण्टोंमेंट, विजयनगरम - 535 003

लीज पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को निम्नलिखित स्थान के पास अच्छी तरह निर्मित एक व्यावसायिक परिसर की आवश्यकता है। इसकी परिसीमा/ क्षेत्र लगभग 1200 ft. (10% अधिक या कम) कार्पेट एरिया होनी चाहिए।

आवश्यक स्थान	जिला एवं राज्य	आवश्यक कार्पेट एरिया
सतीवाड़ा शाखा	विजियनगरम, आंध्र प्रदेश	1200 (±10%) Sq. Ft.

टेंडर कागजाद एवं अन्य जानाकारी हेतु कृपया हमारे बैंक के वेबसाइट www.unionbankofindia.com या सरकारी वेबसाइट https://eprocure.gov.in को देखें। विधिवत प्रारूप में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय दिनांक 29-07-2024 के शाम 3 बजे तक है। बैंक बिना कारण बताएं किसी या सभी आवेदनों को अस्वीकार करने का हक सुरक्षित रखती है।

क्षेत्र प्रमुख

श्रीमद्भागवत गीता क्षेत्रम्
(श्री गीता भवन)
सोमसुंदरम् विथी, जनरल बाजार, कलासीगुड़ा,
सिकंदराबाद (तेलंगाना) - 500 003
https://goo.gl/maps/noCEALbUMyL2

संपूर्ण श्रीमद्भगवत गीता

सम्पूर्ण भागवत गीता सामूहिक पारायणम्,
रविवार(14-07-24) को 9:30 सुबह से 2:00 दोपहर तक, बाद में महाप्रसाद,
श्रीमद्भागवत गीता क्षेत्रम (श्री गीता भवन), जनरल बाजार, अजंली सिनेमा टॉकिस के सामने , सिकंदराबाद।

श्री गोपाल बल्दवा-श्रीमती मन्नू बल्दवा

cont: 9000366660

|| श्री कृष्णः शरणम् मम् || *|| जय श्री कृष्ण ||*

सभी भक्तगण प्रधारें। फोन करें या मैसेज करके आना सब व्यवस्था करने के लिये आधार कार्ड अनिवार्य, हिन्दु पहचान के लिये।
प्रति माह के तीसरे रविवार यूट्यूब चैनल पर प्रसारित।

श्री टी. विश्वेश्वर
सिकंदराबाद
09290444203

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

सुरक्षा जीवन का लक्ष्य है इसके बिना जीवन अराजक : जी शंकर राजू

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात प्रशिक्षण संस्थान, बेगमपेट, हैदराबाद जी. शंकर राजू ने 6- मद्रास आर्मी बटालियन, बोलारम के जवानों और अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं और रोकथाम पर पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकना सभी की जिम्मेदारी है। इसके लिए सड़कों पर यातायात नियमों का पालन करना जरूरी है। उन्होंने कहा, बिना ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चलाने पर 5000 रुपये तक का जुर्माना और तीन महीने की जेल का प्रावधान है। गाड़ी चलाते समय हेलमेट पहनना चाहिए और पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी ठीक से हेलमेट लगाना चाहिए।

ट्रैफिक पुलिस ने काले शीशे और काली फिल्म वाले वाहनों पर शिकंजा कसा

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने काले शीशे वाले वाहनों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है।

विशेष अभियान 8 जुलाई को शुरू हुआ है और जारी रहेगा। पिछले 4 दिनों में 1007 मामले दर्ज किए गए हैं और मोटर चालकों पर 1000 रुपये तक का जुर्माना लगाया गया है। ये अपराध न केवल दुर्घटनाओं और यातायात उल्लंघनों, बल्कि आपराधिक गतिविधियों में भी योगदान देने वाले पाए गए हैं। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय और केंद्रीय मोटर वाहन नियम 100 के अनुसार, वाहन निर्माताओं को सामने की विंडस्क्रीन और पीछे की खिड़की के लिए प्रकाश का 70 प्रतिशत दृश्य संचरण और साइड की खिड़कियों के लिए प्रकाश का 50 प्रतिशत से कम दृश्य संचरण प्रदान नहीं करना चाहिए। काली फिल्म पूरी तरह से प्रतिबंधित है और कांच से फिल्म उतारने के अलावा उल्लंघन के लिए 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा रहा है। रंगीन शीशे आमतौर पर साइड और पीछे के दृश्यों को अवरुद्ध करते हैं जिससे दुर्घटनाएं हो सकती हैं। कुछ कार मालिक सनशेड और पर्दे का भी इस्तेमाल कर रहे हैं और कुछ हाई-एंड कारों में काली स्क्रीन लगाने की सुविधा है। खिड़कियों पर काली फिल्म लगाने के खिलाफ लोगों में जागरूकता की कमी है। कार डेकोर और एक्सेसरीज की दुकान के मालिक अवैध रूप से काली फिल्म लगा रहे हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.